page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/12/2025 1:13 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 हटली और हीरानगर क्षेत्र में अवैध खनन में लिप्त 06 वाहन जब्त

5 एटीपी फाइनल्स: जैनिक सिनर ने जीत के साथ की अभियान की शुरूआत

8 खाद्य उत्पादन पर शहरीकरण के प्रभाव

मौसम जम्मू — न्यूनतम 9 — अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-277 | जम्मू तवी, बुधवार 12 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

लाल किला विस्फोट की साजिश रचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा: मोदी

थिंपू (भूटान), 11 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास सोमवार देर शाम हुए विस्फोट की साजिश रचने वाले और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

भूटान की दो दिवसीय यात्रा पर आये श्री मोदी ने ग्लोबल पीस फेस्टिवल में अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए विस्फोट में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि संकट की इस घड़ी में पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है।

उन्होंने कहा कि इस भयानक विस्फोट की साजिश रचने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज मैं बहुत भारी मन से यहां आया हूं। कल शाम दिल्ली में जो भयानक घटना हुई, उससे सभी बहुत दुखी हैं। मैं पीड़ित परिवारों का दुख समझता हूँ। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मैं कल

रात भर इस घटना की जांच कर रही सभी एजेंसियों के संपर्क में था। हमारी एजेंसियां इस साज़िश की तह तक जाएंगी। इसके पीछे जो भी साज़िश करने वाले हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। जो भी इसके लिए ज़िम्मेदार हैं, उन सभी को सज़ा मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि सोमवार शाम लाल किले के करीब एक कार में हुए इस विस्फोट में नौ लोग मारे गए और करीब 20 घायल हुए हैं ।

शाह ने एनआईए को दिल्ली विस्फोट की जांच रिपोर्ट जल्द देने, दोषियों को पकड़ने के दिये निर्देश

नयी दिल्ली 11 नवम्बर । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली कार विस्फोट मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेन्सी (एनआईए) को सौंपते हुए जांच रिपोर्ट जल्द देने तथा इसके लिए जिम्मेदार प्रत्येक दोषी को जल्द से जल्द पकड़ने के निर्देश दिए हैं। श्री शाह ने मंगलवार को यहां दो उच्च स्तरीय बैठकों में स्थिति की समीक्षा के बाद जोर देकर कहा कि इस कृत्य में शामिल हर व्यक्ति को जांच एजेंसियों के कहर का सामना करना पड़ेगा। बैठकों के बाद श्री शाह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा,फ दिल्ली कार ब्लास्ट के सम्बन्ध में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें कीं। अधिकारियों को इस घटना के लिए जिम्मेदार हर एक दोषी को जल्द से जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। इस कृत्य में शामिल हर व्यक्ति हमारी एजेंसियों के कहर का सामना करेगा। श्री शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक में विस्फोट की घटना की जांच एनआईए को सौंपने का निर्णय लिया गया। अब तक इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा कर रही थी। सूत्रों के अनुसार श्री शाह ने एनआईए को जल्द रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। उन्होंने फोरेन्सिक प्रयोगशाला एफएसएल को घटनास्थल के नमूने की जांच करने और इनका विस्फोट में इस्तेमाल कार में बैठे लोगों के नमूनों से मिलान करने का भी निर्देश दिया।

बडगाम में 50.01 प्रतिशत, नगरोटा में 74.82 प्रतिशत मतदान

जम्मू, श्रीनगर, 11 नवंबर। नगरोटा और बडगाम निर्वाचन क्षेत्रों में मंगलवार को हुए उपचुनावों में मतदाताओं की भागीदारी में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। शाम 5 बजे तक नगरोटा में 72 प्रतिशत से अधिक और बडगाम में 50 प्रतिशत के करीब मतदान हुआ।

प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार नगरोटा विधानसभा क्षेत्र (एसी-77) में शाम 5 बजे तक लगभग 72.74 प्रतिशत मतदान

हुआ। इसी तरह बडगाम विधानसभा क्षेत्र (एसी-27) में लगभग उसी समय 48.53 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान अधिकारियों ने बताया कि कई इलाकों में ठंड के बावजूद मतदाता लगातार बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंचे और सुरक्षा बलों ने दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में सुचारू और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित किया।

यहां कुल 17 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, जिनमें नेशनल कॉन्फ्रेंस के आगा सैयद महमूद, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार आगा सैयद मुंतज़िर, भाजपा के आगा सैयद मोहसिन और अन्य शामिल हैं।

खबर संक्षेप

लाल किले में हुए विस्फोट के बाद माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर, कटरा और जम्मू में सुरक्षा बढ़ी

जम्मू, 11 नवंबर । सोमवार देर शाम राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले में हुए विस्फोट के बाद माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर, इसके आधार शिविर कटरा और जम्मू शहर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफ़िक सिग्नल पर एक धीमी गति से चल रही कार में एक उच्च-तीव्रता वाला विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और कई वाहन जलकर खाक हो गए। अधिकारियों ने बताया कि शाम के व्यस्त समय में हुए इस विस्फोट में 24 लोग घायल हो गए, जब इलाका भीड़भाड़ वाला था।

एक पुलिस अधिकारी ने संवादाताओं को बताया कि जम्मू क्षेत्र के महत्वपूर्ण इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वैष्णो देवी गुफा मंदिर और कटरा स्थित आधार शिविर में सुरक्षा उपायों को तुरंत बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि जम्मू शहर और उसके आसपास भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। साथ ही रेलवे पटरियों और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। पूरे क्षेत्र में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

इसी बीच वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने सोमवार रात कटरा में सुरक्षा जाँच की। डीआईजी जम्मू-कठुआ शिव कुमार शर्मा ने जम्मू शहर में देर रात में सुरक्षा निरीक्षण किया

सोने के व्यापार घोटाले से जुड़े 4.24 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में श्रीनगर के व्यवसायी को किया गिरफ्तार

श्रीनगर, 11 नवंबर । कश्मीर अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने सोने के व्यापार घोटाले से जुड़े 4.24 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में श्रीनगर के एक व्यवसायी मुदासिर अहमद वानी को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों के अनुसार बादामवारी हवाल निवासी गुलाम अहमद वानी के बेटे वानी को एफआईआर संख्या 22/2024 के संबंध में गिरफ्तार किया गया है जो शुरू में करण नगर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) के तहत दर्ज की गई थी। बाद में मामले को विस्तृत जाँच के लिए ईओडब्ल्यू को सौंप दिया गया।

यह मामला मेसर्स बुलियन वॉल्ट के तहत सोने के व्यापार में लगे एक स्थानीय व्यवसायी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत से उपजा है। व्यवसायी ने आरोप लगाया था कि वानी और उसके साथी उमर खान ने सोने की आपूर्ति के लिए बड़ी अग्रिम राशि प्राप्त करने के बाद वादा किया गया सामान देने या राशि वापस करने में विफल रहने के बाद उसके साथ धोखाधड़ी की।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद लखनपुर और कठुआ रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

कठुआ, 11 नवंबर। जम्मू कश्मीर के प्रवेश द्वार लखनपुर और कठुआ रेलवे स्टेशन पर दिल्ली ब्लास्ट के बाद सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए गए हैं। प्रदेश में प्रवेश करने वाले सभी प्रकार के वाहनों की पूरी मुस्तादी के साथ कठुआ पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। इसी प्रकार रेल मार्ग से आने-जाने वाले यात्रियों की भी गहनता से जांच की जा रही है।

गौरतलब हो कि दिल्ली ब्लास्ट में कश्मीर के रहने वाले कुछ लोगों के नाम सामने आ रहे हैं। जिसके चलते जम्मू कश्मीर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। विशेष तौर पर जम्मू कश्मीर के प्रवेश द्वार लखनपुर जोकि जिला कठुआ के अंतर्गत पड़ता है, वहां पर बाहरी राज्यों से आने वाले सभी वाहनों की जांच की जा रही है। वहीं जीआरपी और अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी रेलवे स्टेशन पर तैनात की गई हैं।

एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने बताया कि प्रदेश के प्रवेशद्वार लखनपुर में आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा रही है। सभी वाहनों की जांच के साथ-साथ

संदिग्ध व्यक्तियों पर भी नजर रखी जा रही है। इसके अलावा अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर कठुआ पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को और भी मजबूत करने में जुटी हुई है।

उपराज्यपाल सिन्हा ने उच्च स्तरीय बैठक में सुरक्षा स्थिति और परिचालन तैयारियों की समीक्षा की

श्रीनगर, 11 नवंबर । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को श्रीनगर में एक उच्च स्तरीय बैठक में सुरक्षा स्थिति और परिचालन तैयारियों की समीक्षा की।

उपराज्यपाल सिन्हा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज मैंने श्रीनगर में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के बाहर हुए कार विस्फोट और हाल ही में जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवतुल हिंद के एक आतंकी मॉड्यूल से विस्फोटक और हथियारों की बरामदगी की पृष्ठभूमि में हुई है।

बैठक में गृह विभाग के सचिव चंद्राकर भारती, पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, विशेष डीजीपी एस जे एम गिलानी, एडीजीपी सीआईडी नीतीश कुमार और आईजीपी कश्मीर जोन वी के बिरदी शामिल हुए।

दिल्ली विस्फोट के आरोपी के पिता को पूछताछ के लिए पुलवामा में हिरासत में लिया गया

श्रीनगर, 11 नवंबर । जम्मू कश्मीर पुलवामा ज़िले में पुलिस ने मंगलवार को लाल किले के पास हुई कार के संदिग्ध चालक के पिता को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गुलाम नबी भट को पुलिस ने पुलवामा के कोइल स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया।

उनकी पत्नी को डीएनए टेस्ट के लिए ले जाने के कुछ ही घंटों बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने फरीदाबाद में विस्फोट के संदिग्ध उमर नबी के साथ काम कर रहे कई डॉक्टरों को हिरासत में लिया है। उन्होंने बताया कि विस्फोट में शामिल कार की खरीद-फरोख्त से जुड़े तीन अन्य लोगों को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। हालांकि, अभी तक कोई औपचारिक गिरफ्तारी नहीं हुई है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, पुलवामा निवासी और डॉक्टर उमर नबी कथित तौर पर लाल किला मेट्रो स्टेशन के पार्किंग क्षेत्र के पास हुए विस्फोट में इस्तेमाल की गई हुंडई i20 कार चला रहा था। लाल किले के पास विस्फोट करने वाली कार चला रहे व्यक्ति की पहली तस्वीर इलाके के सीसीटीवी फुटेज में सामने आई है।

उन्होंने बताया कि उसका फरीदाबाद स्थित आतंकी मॉड्यूल से कथित तौर पर संबंध था, जहाँ से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जब्त की गई थी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जाँच से पता चलता है कि लाल किले के पास हुए विस्फोट में अमोनियम नाइट्रेट, ईंधन तेल और डेटोनेटर का इस्तेमाल किया गया हो सकता है। प्रारंभिक जाँच से पता चलता है कि दिल्ली विस्फोट और फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल के बीच एक संभावित संबंध है, जहाँ से 360 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट जब्त किया गया था। अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है।

मुख्य सचिव ने द्वारा वित्तीय समावेशन और कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा

जम्मू, 11 नवंबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने मंगलवार वित्त विभाग की एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और जम्मू-कश्मीर में प्रमुख कल्याणकारी एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के दायरे का विस्तार करने में हुई प्रगति का आकलन किया गया। बैठक में प्रमुख सचिव, वित्त, संतोष डी. वैद्य; जेएंडके बैंक के प्रबंध निदेशक; आईटी सचिव; स्कूल शिक्षा सचिव; बजट महानिदेशक; अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी महानिदेशक; भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड (बीओसीडब्ल्यूडब्ल्यूबी) के प्रबंध निदेशक; अन्य बैंकों के प्रतिनिधियों के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान, मुख्य सचिव ने सभी पात्र लाभार्थियों, विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र के लाभार्थियों को प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन (पीएमएसवाईएम) योजना के तहत नामांकन के लिए प्रेरित करने के महत्व पर जोर दिया, जो 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद असंगठित श्रमिकों को 3,000 रुपये की गारंटीकृत मासिक पेंशन प्रदान करती है।

जम्मू-कश्मीर में जीएमसी कर्मचारियों और छात्रों को लॉकरों पर लेबल लगाने का निर्देश

श्रीनगर, 11 नवंबर । कश्मीर में अधिकारियों ने मंगलवार को सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) और एसएमएचएस अस्पताल के कर्मचारियों और छात्रों को अपने निजी लॉकरों की पहचान करने और उन पर लेबल लगाने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। श्रीनगर के एसोसिएटेड हॉस्पिटल्स के प्रशासक द्वारा जारी यह सर्कुलर 8 नवंबर को जीएमसी, अनंतनाग में एक डॉक्टर के लॉकर से हथियार और गोला-बारूद बरामद होने के बाद आया है। सर्कुलर में लिखा है, सभी संकाय सदस्यों/विभागाध्यक्षों/पैरामेडिकल कर्मचारियों/छात्रों से अनुरोध है कि वे अपने लॉकरों की व्यक्तिगत रूप से पहचान करें और उन पर अपने नाम, पदनाम और कोड के साथ लेबल लगाएँ। इसमें इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि यह प्रक्रिया 14 नवंबर तक पूरी हो जानी चाहिए, जिसके बाद सरकारी एसएमएचएस अस्पताल, श्रीनगर के चिकित्सा अधीक्षक, संबंधित विभागों के क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारी, जीएमसी श्रीनगर के संपदा सह परिवहन अधिकारी निरीक्षण करेंगे और उन अतिरिक्त लॉकरों को हटाएँगे जो अनावश्यक रूप से अस्पताल के गलियारों और विभिन्न स्थानों पर जीएमसी भवन के गलियारों में जगह घेर रहे हैं। इसमें आगे कहा गया है, फकिसी भी कर्मचारी को उन लॉकरों पर दावा करने का कोई मौका नहीं दिया जाएगा जिनकी पहचान एक निश्चित अवधि के बाद नहीं हो पाएगी। सर्कुलर में यह भी कहा गया है कि अनुभाग अधिकारियों/संपदा अधिकारियों/लेखा अनुभाग को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे किसी भी कर्मचारी के स्थानांतरण पर तब तक कोई एलपीसी (अंतिम वेतन प्रमाण पत्र), एनओसी या सेवा पुस्तिका जारी न करें जब तक कि कर्मचारी का व्यक्तिगत लॉकर उसे न सौंप दिया जाए। इस बीच, जीएमसी अनंतनाग के चिकित्सा अधीक्षक ने भी इसी तरह का एक सर्कुलर जारी किया है। परिपत्र में कहा गया है, इसके द्वारा सभी विभागाध्यक्षों को आदेश दिया जाता है कि वे अपने-अपने विभागों/वार्डों आदि में लॉकरों/अलमारियों की पहचान करें और उस पर उस कर्मचारी का नाम लिखवाएँ जिसे वह लॉकर आवंटित किया गया है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि किसी भी अज्ञात लॉकर/अलमारी, जिसका स्वामित्व किसी के पास न हो, की सूचना अधोहस्ताक्षरी को दी जानी चाहिए।

घाटी में शीतलहर जारी, श्रीनगर में मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात दर्ज

श्रीनगर, 11 नवंबर । कश्मीर घाटी में मंगलवार को भी शीतलहर जारी रही। श्रीनगर शहर में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 0.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया जिससे इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि उम्मीद के मुताबिक आज घाटी में न्यूनतम तापमान में और गिरावट आई। श्रीनगर शहर में इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात शून्य से नीचे 0.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गई। आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है क्योंकि हमें अगले 15 दिनों तक ठंडा और शुष्क मौसम जारी रहने की उम्मीद है। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में भी शून्य से नीचे 0.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया जबकि पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 3.4 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जम्मू शहर में न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री, माता वैष्णो देवी आधार शिविर कटरा में 10.4 डिग्री, बटोत में 4.3 डिग्री और भद्रवाह में 1.9 डिग्री दर्ज किया गया। रात में साफ आसमान और बर्फ से ढकी पहाड़ियों से घाटी में आ रही ठंडी हवाओं के कारण घाटी में इस समय शीत लहर चल रही है, हालाँकि पारंपरिक कड़ाके की ठंड 40 दिनों की कड़ाके की ठंड की अवधि से शुरू होती है जिसे चिल्लई कलां कहा जाता है। हर साल चिल्लई कलां 21 दिसंबर से शुरू होकर 30 जनवरी को समाप्त होता है। 40 दिनों तक चलने वाली कड़ाके की ठंड के दौरान स्थानीय लोगों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जैसे पीने के पानी के नल जम जाना, सड़कें फिसलन भरी हो जाती हैं और सुबह कोहरा छा जाता है जिससे पैदल चलने वालों और वाहन चालकों के लिए आवाजाही मुश्किल हो जाती है। चूँकि पूरी घाटी के स्कूलों में पर्याप्त हीटिंग सुविधाएँ नहीं हैं इसलिए शैक्षणिक संस्थान दिसंबर के अंत तक शीतकालीन अवकाश में चले जाते हैं और बर्फबारी और तापमान के आधार पर फरवरी के मध्य या अंत तक फिर से खुलते हैं।

एएनटीएफ ने 500 ग्राम हेरोइन बरामद की, अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर गिरफ्तार

जम्मू,11 नवंबर। एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) जम्मू ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक त्वरित, खुफिया जानकारी पर आधारित अभियान के दौरान 500 ग्राम उच्च गुणवत्ता वाली हेरोइन बरामद की और एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया। एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा यंगऑर्गनाइजर को जारी एक बयान में कहा गया है कि एक विशिष्ट और विश्वसनीय सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) जम्मू ने लगभग 500 ग्राम हेरोइन बरामद करके और अवैध मादक पदार्थों के व्यापार में शामिल एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर को गिरफ्तार करके एक बड़ी सफलता हासिल की। अभियान के दौरान, एएनटीएफ जम्मू की एक टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी गतिविधि के बारे में निरंतर निगरानी और विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर संदिग्ध को पकड़ा। आरोपी की पहचान मोहम्मद परवेज पुत्र मोहम्मद शहीद, निवासी जाफराबाद, उत्तर-पूर्वी दिल्ली के रूप में हुई है। तलाशी लेने पर, टीम ने उसके पास से लगभग 500 ग्राम हेरोइन बरामद की, ऐसा बताया गया है। बयान में कहा गया है कि इस संबंध में, पुलिस स्टेशन एएनटीएफ जम्मू में एफआईआर संख्या 03/2025, धारा 8/21/22 एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज की गई है और इस अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क के आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जाँच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जाँच से संकेत मिलता है कि आरोपी केंद्र शासित प्रदेश के बाहर से जम्मू-कश्मीर के स्थानीय तस्करों को नशीले पदार्थों की आपूर्ति करने वाले एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा था।

मिशन निदेशक ने जम्मू कश्मीर में जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन की गहन समीक्षा की

जम्मू,11 नवंबर। जम्मू कश्मीर के जल जीवन मिशन (जेजेएम) की समीक्षा बैठक मंगलवार 11 नवंबर 2025 को खुर्शीद अहमद शाह, जेकेएएस, मिशन निदेशक, जेजेएम, जम्मू-कश्मीर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। यह बैठक वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई जिसमें केंद्र शासित प्रदेश के दोनों प्रभागों के जल शक्ति विभाग के प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में मुख्य अभियंता जल शक्ति (पीएचई) जम्मू, तकनीकी सलाहकार जेजेएम, अधीक्षण अभियंता (हाइड्रोलिक, मैकेनिकल), मुख्य अभियंताओं के तकनीकी अधिकारी, कार्यकारी अभियंता (सिविल, मैकेनिकल), जल गुणवत्ता निगरानी दल और जेजेएम के

लेखा अनुभाग ने भाग लिया। बैठक के एजेंडे में जल जीवन मिशन कार्यान्वयन के महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया गया, जिनमें शामिल हैं, ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजनाओं का निर्माण (बाहरी गाँव/अंदर गाँव) आईएमआईएस में व्यय समायोजन (90:10 अनुपात) एसबीएम से नए गाँवों की स्वीकृति योजना के दायरे में फपीडब्ल्यूएस रहित गाँवोंफ को जोड़ना एकीकृत सूचना प्रबंधन प्रणाली (आईएमआईएस) की भौतिक प्रगति को अद्यतन करना। तृतीय पक्ष निरीक्षण एजेंसियों (टीपीआईए) का कार्यकरण पीएम गति शक्ति पोर्टल पर केएमएल फाइलों को अपलोड करना परिसंपत्तियों की जियो-टैगिंग और हर घर जल रिपोर्टिंग और प्रमाणन जल गुणवत्ता परीक्षण और जल जीवन मिशन 2.0 डैशबोर्ड पर ऑन-बोर्डिंग आरंभ में, एमडी ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत जलापूर्ति योजनाओं की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी ली।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

रोमांच से भरपूर करियर

एडवेंचर स्पोर्ट्स के प्रति लोगों में बढ़ते क्रेज की वजह से एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर इन दिनों डिमांड में हैं। अगर आप भी मौज-मस्ती भरे इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, तो जानिए कैसे मिल सकती है एंट्री...

सौरभ का सपना पेंटर बनने का था, जबकि पेरेंट्स चाहते थे कि वह इंजीनियर बने, इसलिए उन्होंने बीटेक किया। लेकिन आज के दौर में सिर्फ डिग्री हासिल कर लेना ही काफी नहीं है। नौकरी तभी मिलेगी, जब आप इंडस्ट्री के पैमाने पर खरा उतरेंगे। कई जगह इंटरव्यू देने के बावजूद सौरभ को जॉब नहीं मिल सकी है। दूसरी ओर उनके दोस्त सुमित ने फोटोग्राफी के अपने पैशन को फॉलो किया और आज उसमें काफी अच्छा कर रहे हैं। अब अगर आप भी ट्रेडिशनल फील्ड्स की जगह, अपने च्वाइस के हिसाब से करियर बनाना चाहते हैं, तो आगे बढ़ें। आज उन युवाओं की संख्या बढ़ रही है, जो रिस्क लेकर चैलेंजिंग और लीक से हटकर करियर विकल्प चुन रहे हैं। मसलन, एडवेंचर स्पोर्ट्स। यहां मौज-मस्ती के साथ भरपूर चैलेंज भी है। एडवेंचर टूरिज्म में बूम आने से एडवेंचर स्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स की डिमांड बढ़ गई है। नेशनल ज्योग्राफी, डिस्कवरी, एनिमल प्लेनेट जैसे चैनल्स के अलावा, ट्रैवल पोर्टल्स लोगों को एडवेंचर्स हॉलीडे प्लान करने का मौका दे रहे हैं। इस तरह टूरिस्ट्स बढ़ने का मतलब है, जॉब की संख्या बढ़ना। अगर आपको नेचर को एक्सप्लोर करना पसंद है, तो अपनी हॉबी को एक एक्साइटिंग करियर अपॉर्च्युनिटी में तब्दील कर सकते हैं।

स्पेशलाइज्ड फील्ड

अगर आप एडवेंचर स्पोर्ट्स में दिलचस्पी रखते हैं, तो बतौर इंस्ट्रक्टर करियर का आगाज कर सकते हैं। इसमें तीन कैटेगरीज हैं। किसी में भी स्पेशलाइजेशन करना फायदेमंद हो सकता है –

एयर स्पोर्ट्स – आप बंजी जंपिंग, बेस जंपिंग, पैराग्लाइडिंग, आउटडोर क्लाइंबिंग, स्की जंपिंग, स्काई डाइविंग, सर्फिंग आदि में करियर बना सकते हैं।

लैंड स्पोर्ट्स – आप माउंटेन बाइकिंग, स्पीड बाइकिंग, ट्रैकिंग, रॉक क्लाइंबिंग, स्केट बोर्डिंग, फ्रीस्टाइल स्कीइंग, एडवेंचर रेसिंग में आगे बढ़ सकते हैं।

वॉटर स्पोर्ट्स – इसके तहत आप जेट स्कीइंग, क्लिफ डाइविंग, स्कूबा डाइविंग, पॉवरबोटिंग, कायाकिंग, स्पीड सेलिंग, विंड सर्फिंग, वॉटर रॉफ्टिंग आदि कर सकते हैं।

वर्क प्रोफाइल

एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर के पास ज्योग्राफिकल एरिया और वहां होने वाली एक्टिविटीज की जानकारी होनी चाहिए। इन्हें गोल्स बनाने से लेकर स्पोर्टिंग एक्टिविटीज के लिए प्लान करना या डिजास्टर मैनेजमेंट की जिम्मेदारी भी निभानी होती है। स्पोर्टिंग एक्टिविटी की रूट प्लानिंग, नैविगेशन और डिटेल्स तैयार करना भी इनका ही काम होता है। इसके लिए कैंपिंग साइट्स और ट्रेनिंग सेंटर्स का एडमिनिस्ट्रेशन इन्हें देखना होता है।

एलिजिबिलिटी

इस फील्ड के लिए किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की दरकार नहीं है। आपको सिर्फ हायर सेकंडरी पास करना होगा। लेकिन ग्रेजुएशन करने वालों को प्रिफरेंस मिलती है। इसके अलावा, इंग्लिश या किसी एक फॉरेन लैंग्वेज को जानना आपके लिए जरूरी होगा। जो लोग वॉटर बेस्ड स्पोर्ट्स में जाना चाहते हैं, उनके लिए स्वीमिंग सीखना जरूरी है। इंडिया में कई इंस्टीट्यूट्स एडवेंचर स्पोर्ट्स में डिग्री या डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं।

करियर ऑप्शंस

एडवेंचर स्पोर्ट्स में आप कई तरह के प्रोफाइल पर काम कर सकते हैं। आप एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर के अलावा वाइल्ड लाइफ ऐंड ट्रैवल फोटोग्राफर, एडवेंचर स्पोर्ट्स एथलीट, एडवेंचर स्पोर्ट्स फोटोग्राफर, एडवेंचर टूरिज्म फैसिलिटेटर, वाइल्ड लाइफ ऐंड फॉरेस्ट टूरिज्म, नेचुरलिस्ट, कंजर्वेशनलिस्ट, एडवेंचर कैंप कंट्रोलर, एक्स्ट्रीम स्पोर्ट्स एथलीट, वॉटर ऐंड एरो स्पोर्ट्स स्पेशलिस्ट, एडवेंचर टूर गाइड, ट्रेकिंग ऐंड माउंटेन गाइड आदि के तौर पर करियर बना सकते हैं। कई ट्रैवल ऐंड टूरिज्म एजेंसीज में लायजन ऑफिसर्स की भी बहुत मांग होती है।

कहां है स्कोप

टूरिज्म सेक्टर में यंग टेक्निकल प्रोफेशनल्स के आने से कई तरह के बदलाव आए हैं। लोगों में छुट्टियों को एक नए रोमांचक अंदाज में बिताने का ट्रेंड बढ़ा है। जाहिर है, एडवेंचर स्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स की डिमांड भी बढ़ी है। आप स्पोर्ट्स सेंटर्स, एथलेटिक क्लब्स, ट्रैवल ऐंड टूरिज्म एजेंसीज, कॉमर्शियल री-क्रिएशन सेंटर, हॉलीडे रिजॉर्ट, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स के अलावा खुद का एडवेंचर स्पोर्ट्स सेंटर खोल सकते हैं या फ्रीलांसर के तौर पर भी करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

सैलरी पैकेज

वैसे तो एडवेंचर स्पोर्ट्स के प्रोफेशनल्स को उनकी स्पेशलाइजेशन के आधार पर सैलरी मिलती है, लेकिन एक कोच या इंस्ट्रक्टर को शुरुआत में करीब 20 हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं, जबकि एक्सपीरियंस के साथ इनकी सैलरी 40 हजार के आसपास हो जाती है।

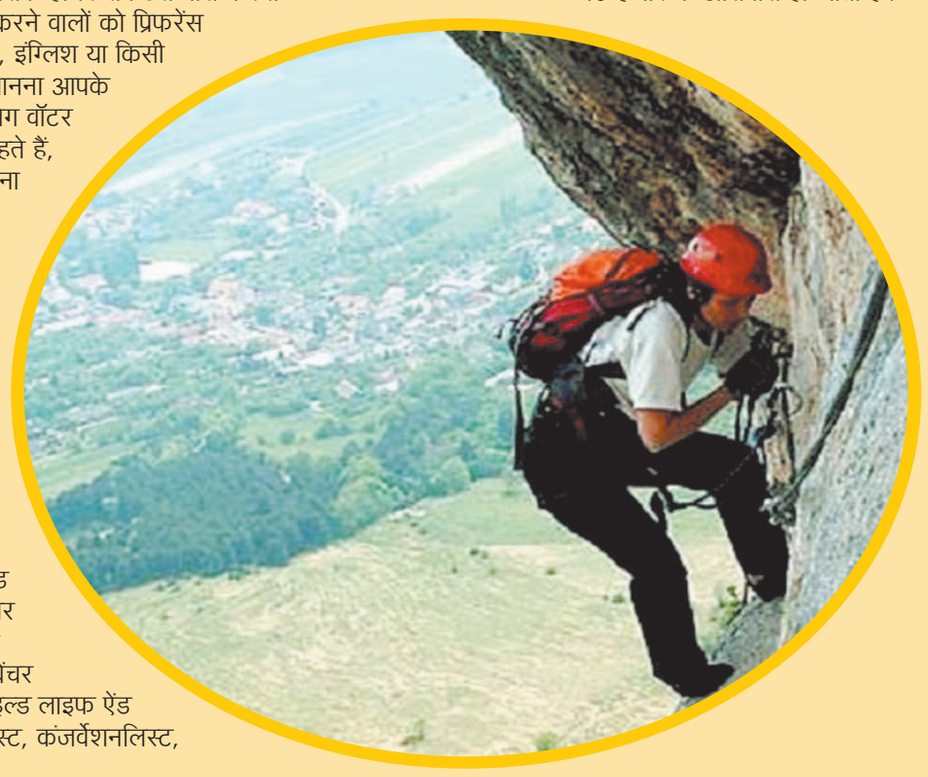

ऑफिस में पहनें सोबर परिधान

आज के युग में घर पर रहने वाली नारी भी सजग है कि उसे ढंग से तैयार रहना है और बाहर जाते समय वह विशेष तौर पर सचेत रहती है। ऑफिस जाने वाली महिलाओं को तो कुछ विशेष ही सोचना पड़ता है कि वे क्या पहनें जिससे उनकी लुक सोबर दिखाई दे क्योंकि उसे तो प्रतिदिन उन्हीं लोगों के साथ उठना-बैठना है। वे नहीं चाहतीं कि वे हंसी का पात्र बनें। प्रतिदिन की इस दुविधा कि कल क्या पहनूं से बचने के लिए रात्रि में सोने से पहले ही सोच लें तो कम परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

1 दफ्तर के वातावरण को नजर में रखते हुए अपने कपड़ों का चयन करें जिससे आपके पद की गरिमा भी बनी रह सके।
2 कामकाजी महिलाओं के लिए उचित परिधान साड़ी और सलवार- कमीज ही हैं। अविवाहित लड़कियां जींस, पैंट और टॉप भी पहन सकती हैं, वातावरण के अनुसार।
3 परिधान वही पहनें जिससे आपके व्यक्तित्व में निखार आए, केवल फैशन के लिए परिधान का चयन न करें।
4 कपड़े आकर्षक पहनें। इसका अर्थ यह नहीं कि अधिक महंगे कपड़े ही आकर्षक होते हैं। रंगों और फिटिंग पर पूरा ध्यान दें। अच्छी फिटिंग का कपड़ा आपके व्यक्तित्व को और निखारता है चाहे वह अधिक महंगा न हो।
5 ड्राइक्लीनिंग वाले परिधानों को रोजमर्रा में कम से कम पहनें क्योंकि ऐसे कपड़े बहुत महंगे पड़ते हैं और जरा-सा दाग लगने पर ड्राइक्लीनर के पास भेजने पड़ते हैं।
6 कामकाजी महिलाओं को घर पर आराम से धुलने वाले वस्त्रों को ही पहनना चाहिए।
7 जो भी परिधान पहनें आरामदायक होना चाहिए। उसे पहन कर असुविधा नहीं होनी चाहिए।
8 मौसम के अनुसार ही कपड़ों, गहनों और सौंदर्य प्रसाधन सामग्री का चयन करें। ग्रीष्म ऋतु में सूती और हल्के रंगों के वस्त्र अच्छे लगते हैं। शीत ऋतु में सिल्क, स्पन और गाढ़े रंगों के वस्त्र शोभा देते हैं। वर्षा ऋतु में अधिक पतले और चिपकने वाले वस्त्र न पहनें।
9 कामकाजी महिलाओं के वस्त्र अधिक खुले और अधिक तंग अच्छे नहीं लगते। कपड़ों की सिलाई ऐसी हो कि आप अपने शरीर को सुविधानुसार आसानी से मोड़ सकें। अधिक तंग वस्त्र रक्त संचालन में भी बाधा उत्पन्न करते हैं।
10 छुट्टी वाले दिन अपने कपड़ों को जांच-परख कर प्रैस करवा कर अलमारी में लगाएं ताकि काम पर जाते समय परेशानी न उठानी पड़ जाए।
11 साड़ी पहनने पर पल्लू को अच्छी तरह से पिन अप कर लें ताकि आने-जाने और काम के समय पल्लू बार-बार संभालना न पड़े।
12 कमीज और ब्लाऊज के गले अधिक नीचे तक न पहनें। सलवार-कमीज पहनते समय चुन्नी सही ढंग से बांध लें।

एजुकेशन लोन सपने करें साकार

हायर स्टडी लगातार महंगी होती जा रही है। हर स्टूडेंट का यह सपना होता है किसी अच्छे कॉलेज में पढ़ें या अब्रॉड जाकर स्टडी करे, लेकिन जब इस तरह की स्टडी के खर्चों पर नजर जाती है तो यह हिम्मत जवाब देने लगती है। ऐसे में एजुकेशन लोन बड़ा सहारा बन कर आता है। हालांकि यह आसानी से नहीं मिलता और सही एमाउंट का लोन मिल जाए, इसके लिए थोड़ी मशक्कत करनी पड़ती है।

लोन की शर्तें

एजुकेशन लोन किसी ऐसे किसी भी स्टूडेंट को मिल सकता है जो 16 से 35 वर्ष का हो, भारतीय नागरिक हो और किसी इंस्टीट्यूट में उसका एडमिशन कन्फर्म हो चुका हो। इसके अलावा, बैंक कुछ और शर्तें भी लगा सकते हैं, जैसे-इंस्टीट्यूट बैंक की रिकग्नाइज्ड लिस्ट में हो, स्टूडेंट का एकेडमिक रिकॉर्ड अच्छा हो, उसके एजुकेशन के दौरान कोई गैप न हो और उसके पैरेंट्स या गार्जियन की इनकम का एक नियमित स्रोत हो। बैंकों की रिकग्नाइज्ड लिस्ट में वे इंस्टीट्यूट ही होते हैं जो यूजीसी या एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त होते हैं।

कवर होने वाले खर्च

एजुकेशन लोन आमतौर पर ट्यूशन फीस, एक्जामिनेशन फीस, हॉस्टल फीस और कैंटीन फीस के लिए मिलता है। कुछ बैंक टेक्स्ट बुक इंस्ट्रूमेंट और इक्विपमेंट के खर्चों को भी लोन में शामिल कर लेते हैं और अब्रॉड स्टडी के मामले में कुछ बैंक एक तरफ के हवाई टिकट खर्च को भी इसमें शामिल करते हैं। एजुकेशन लोन उन कोर्सेज के लिए दिया जाता है जो 12 महीने से ज्यादा के होते हैं। आमतौर पर बैंक पार्ट-टाइम, कॉरेस्पॉन्डेंस या ऑनलाइन प्रोग्राम के लिए लोन नहीं देते। अगर किसी का बैंक से अच्छा रिलेशन है तो वह इसे हासिल कर सकता है। कुछ?बैंक कई पार्ट-टाइम कोर्स के लिए भी लोन देते हैं।

लोन की वापसी

यह हर बैंक के अपने नियम-कायदे पर निर्भर करता है। कुछ बैंक स्टडी पूरी होते ही तत्काल लोन चुकाने की शर्त रखते हैं यानी इसके बाद आपकी ईएमआई तुरंत शुरू हो जाती है। इसी तरह, कुछ बैंक पढ़ाई के बाद कुछ साल का गैप देते हैं ताकि इस दौरान आपको नौकरी मिल जाए और आप आसानी से ईएमआई दे सकें।

जरूरी दस्तावेज

एजुकेशन लोन लेने के लिए स्टूडेंट की आइडेंडिटी, एज, एकेडमिक रिकॉर्ड और एड्रेस प्रूफ लिया जाता है। उसके गार्जियन या पैरेंट्स (जो को-एप्लीकेंट्स होते हैं) के साथ उसके रिलेशन, उनके इनकम और एड्रेस का प्रूफ लिया जाता है। इसके अलावा, इंस्टीट्यूट्स के एडमिशन लेटर की कॉपी भी ली जाती है। अब्रॉड स्टडी के लिए जाने वाले स्टूडेंट को वीजा अप्रूवल, जीआरई, जीमैट आदि के टेस्ट स्कोर और यात्रा संबंधी दस्तावेज की कॉपी जमा करनी पड़ती है। किसी बैंक से एजुकेशन लोन लेने के लिए उसमें एकाउंट रखना जरूरी नहीं होता, लेकिन अगर आपका एकाउंट है तो लोन मिलने में आसानी हो सकती है।

गारंटर की जरूरत

आमतौर पर बैंक भारत में स्टडी करने पर 5 से 15 लाख रुपये और अब्रॉड स्टडी करने पर 20 से 25 लाख रुपये तक का लोन देते हैं। चार लाख रुपये से कम लोन पर गारंटर की जरूरत नहीं होती। इसी तरह, 4 से 7.5 लाख रुपये तक के लोन गारंटर की मदद से ही मिल जाते हैं, लेकिन इससे ज्यादा की राशि के लोन लेने पर बैंक प्रॉपर्टी के कागजात आदि जमानत के रूप में मांगते हैं।

लोन पर ब्याज दर

एजुकेशन लोन पर ब्याज दर आमतौर पर 11 से 14 फीसदी के बीच होती है, लेकिन कुछ बैंक इससे ज्यादा भी ब्याज लेते हैं। कई बैंक गर्ल्स स्टूडेंट के लिए रियायती ब्याज दर रखते हैं। भारतीय स्टेट बैंक एजुकेशन लोन पर सालाना 11.75 से 13.75 परसेंट ब्याज लेता है। इसके अलावा, एसबीआई ने गर्ल्स के लिए स्पेशल एजुकेशन लोन दरें तय कर रखी हैं। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने तो एजुकेशन लोन केलिए क्रेडिला नाम की एक अलग सहायक कंपनी ही बना दी है। क्रेडिला एक लाख रुपये से लेकर 20 लाख रुपये तक का एजुकेशन लोन देती है।

ध्यान रहे

- कई बैंक गर्ल्स को लोन कम ब्याज दर पर देते हैं। जैसे एसबीआई में गर्स्न के लिए लोन पर आधा फीसदी कम ब्याकज लिया जाता है।
- फिलहाल बैंक 11.75 से 14.75 फीसदी तक की दर से एजुकेशन लोन दे रहे हैं।
- कई बैंक लोन अमाउंट के 2 परसेंट तक का प्रोसेसिंग फीस भी लेते हैं। - इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 80-ई के तहत सभी तरह के स्टू डेंट लोन के ब्याज भुगतान पर टैक्स रीबेट मिलता है।
- बैंक से कोई बात न छुपाएं। आपके पास यदि कोई डॉक्यूमेंट नहीं है तो उसकी असल वजह साफ-साफ बता दें।
- कोई डॉक्यूमेंट मिस न हो] इसके लिए प्रभावी तरीका यह है कि एक चेकलिस्ट बना लें। - एजुकेशन लोन के लिए को-अप्लीकेशन जरूरी होता है, यह को अप्लीकेंट मां-बाप, पति या पत्नील, भाई-बहन हो सकते हैं।

लोन के लिए गोल्डेन टिप्स

-बैंक से कोई बात न छिपाएं। आपके पास यदि कोई डॉक्यूमेंट नहीं है, तो उसकी असल वजह साफ-साफ बता दें।
-एजुकेशन लोन के लिए को-एप्लीकेशन जरूरी होता है, यह को-एप्लीकेंट मां-बाप, पति या पत्नी, भाई-बहन हो सकते हैं।
-कई बैंक गर्ल्स को रियायती लोन देते हैं, जैसे-एसबीआई में दर आधा फीसदी कम है।?
-फिलहाल बैंक 11.75 से 14.75 फीसदी तक की दर पर एजुकेशन लोन दे रहे हैं।
-कई बैंक लोन अमाउंट के 2 परसेंट तक का प्रोसेसिंग फीस भी लेते हैं।
-सभी तरह के स्टूडेंट लोन के ब्याज भुगतान पर टैक्स रिबेट मिलता है।
-कोई डॉक्यूमेंट मिस न हो, इसके लिए एक चेकलिस्ट बना लें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

राणा ने जम्मू विश्वविद्यालय में जम्मू भाषा सम्मेलन का किया उद्घाटन

जम्मू, 11 नवंबर (हि.स.)। जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने जम्मू विश्वविद्यालय में जम्मूईत और जबान-ओ-अदब शीर्षक से दो दिवसीय जम्मू भाषा सम्मेलन का उद्घाटन किया। जोकि हिमालयन एजुकेशन मिशन राजौरी के सहयोग से आयोजित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री ने विभिन्न भाषाओं के विद्वानों और उत्साही लोगों को एक साथ लाने वाले सेमिनार के चुनौतीपूर्ण कार्य के लिए उर्दू विभाग की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की शैक्षणिक पहल क्षेत्र की सांस्कृतिक और भाषाई विरासत को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विविध भाषाई पृष्ठभूमि के विशेषज्ञों को एकजुट करने के विभाग के प्रयासों की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि साहित्यिक गतिविधियों को समृद्ध बनाने के लिए इस तरह के मंच आवश्यक हैं।

संस्थागत समर्थन के महत्व पर बल देते हुए मंत्री ने विश्वविद्यालय में सभी क्षेत्रीय भाषाओं के लिए एक अनुसंधान केंद्र की स्थापना की वकालत की जिसका उद्देश्य क्षेत्र की भाषाई विविधता के अध्ययन, दस्तावेजीकरण और संरक्षण को बढ़ावा देना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक भाषा को विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर जैसे भाषाई रूप से विविध क्षेत्र में अपने प्रचार और पुनरुद्धार के लिए समर्पित सांस्कृतिक और साहित्यिक पहल की आवश्यकता होती है। राणा ने उर्दू विभाग की जम्मू-कश्मीर के साहित्यिक इतिहास में सीमित ध्यान पाने वाले विषय पर सफलतापूर्वक सम्मेलन आयोजित करने के लिए प्रशंसा की और आयोजन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएँ दीं।

हटली और हीरानगर क्षेत्र में अवैध खनन में लिप्त 06 वाहन जब्त

कठुआ, 11 नवंबर (हि.स.)। अवैध खनन/परिवहन के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस के नेतृत्व में कठुआ पुलिस ने पुलिस पोस्ट हटली और पुलिस स्टेशन हीरानगर के अधिकार क्षेत्र में कुल 06 वाहन जब्त किए हैं जिनका उपयोग निर्माण सामग्री (बिना किसी फॉर्म के) के अवैध खनन और परिवहन के लिए किया जा रहा था। पहली घटना में डीएसपी मुख्यालय कठुआ रविंदर सिंह के मार्गदर्शन में प्रभारी पुलिस पोस्ट हटली पीएसआई शुभम महाजन के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने अपने अधिकार क्षेत्र में गश्त करते हुए पंजीकरण संख्या पीबी03बी-एम0534, पीबी22वाई-8316, पीबीएम-6241, पीबी06बीएल-2986, पीबी05एक्यू-9275 वाले 05 वाहनों को जब्त किया है जिनका उपयोग क्षेत्र में निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन खनन के लिए किया जा रहा था। जबकि दूसरी घटना में एसडीपीओ बॉर्डर के मार्गदर्शन में एसएचओ थाना हीरानगर के नेतृत्व में पुलिस दल ने अपने अधिकार क्षेत्र में गश्त करते हुए बिना किसी कानूनी अनुमति के निर्माण सामग्री के अवैध खनन/परिवहन में लिप्त 01 वाहन को जब्त किया है। उपर्युक्त 06 वाहनों को कठुआ पुलिस द्वारा जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भूविज्ञान और खनन विभाग कठुआ को सौंप दिया गया।

उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने लद्दाख में जन कल्याण और समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

कारगिल, 11 नवंबर। कारगिल के विभिन्न हिस्सों से आए कई प्रतिनिधिमंडलों ने आज राज निवास, कारगिल में लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल श्री कविंदर गुप्ता से मुलाकात की।

एलएएचडीसी कारगिल के उपायुक्त/मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री राकेश कुमार और पुलिस अधीक्षक, कारगिल श्री नितिन यादव भी बैठकों के दौरान उपस्थित थे। चिकित्सा विभाग के मोहम्मद अफजल और मोहम्मद काज़मि सहित एक प्रतिनिधिमंडल ने माननीय उपराज्यपाल से मुलाकात की और वरिष्ठ ईसीजी तकनीशियन, वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ, वरिष्ठ एनेस्थीसिया तकनीशियन और वरिष्ठ तकनीशियन पर्यवेक्षक के पदों के सृजन, उन्नयन या पदोन्नति के संबंध में अपने अनुरोध प्रस्तुत किए। जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी), खुम्बाथांग के अभिभावक संघ के नेतृत्व में एक अन्य प्रतिनिधिमंडल ने माननीय उपराज्यपाल से मुलाकात की और सर्दियों के महीनों में छात्रों को बारामूला जिले में स्थानांतरित किए जाने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि बारामूला में भी कड़ाके की सर्दी पड़ती है और अनुरोध किया कि छात्रों को जम्मू या समशीतोष्ण जलवायु वाले अन्य क्षेत्रों में ठहराया जाए। इसके अतिरिक्त, अंशकालिक कर्मचारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने माननीय उपराज्यपाल से मुलाकात की और न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के अनुसार उनके वेतन में वृद्धि का अनुरोध किया।

उपराज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडलों द्वारा प्रस्तुत सभी मुद्दों और मांगों को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी वास्तविक चिंताओं की प्राथमिकता के आधार पर जाँच की जाएगी और संबंधित विभागों के परामर्श से उचित कार्रवाई की जाएगी श्री कविन्द्र गुप्ता ने इस बात पर ज़ोर दिया कि केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन समाज के सभी वर्गों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और उन्होंने अधिकारियों को स्थानीय शिकायतों का शीघ्र और प्रभावी ढंग से समाधान करने का निर्देश दिया।

दुनिया की चौथाई जनसंख्या मनोवैज्ञानिक विकारों से ग्रस्त है :श्री रवि शंकर

श्रीनगर , 11 नवंबर (हि.स.)। उच्च शिक्षा विभाग ने युवा सेवा एवं खेल विभाग के सहयोग से यहां बख्शी स्टेडियम में मादक द्रव्यों के सेवन से निपटने और समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक शिक्षा-युवा सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कश्मीर भर के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के 20,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया जिसमें आध्यात्मिक गुरु और आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक गुरुदेव श्री श्री रविशंकर का प्रेरक भाषण भी शामिल था।

इससे पहले दिन में श्री श्री रविशंकर ने कुलपतियों, प्राचार्यों और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की जहाँ स्कास्ट के कुलपति ने चिंता से जूझ रहे छात्रों की सहायता के लिए विश्वविद्यालय परिसरों में आर्ट ऑफ़ लिविंग केंद्र स्थापित करने का अनुरोध किया। गुरुदेव ने भावनात्मक लचीलेपन, मानसिक कल्याण और नेतृत्व विकास पर ज़ोर देते हुए जम्मू और कश्मीर में इसके कल्याण और जीवन-कौशल कार्यक्रमों को सह-पाठ्यचर्या पहल के रूप में एकीकृत करने के लिए फ़ाउंडेशन के पूर्ण समर्थन का वचन दिया।

लगभग 20,000 युवाओं को संबोधित अपने प्रभावशाली संबोधन में गुरुदेव ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग को मिटाने और शिक्षा को प्रेम, खुशी और रचनात्मकता के मार्ग के रूप में पुनः परिकल्पित करने के लिए सामूहिक कार्रवाई का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से नवाचार और करुणा को बढ़ावा देते हुए और सद्भाव और उद्देश्य के साथ जीवन जीने के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत को अपनाने का आग्रह किया।

मानसिक स्वास्थ्य संकट पर प्रकाश डालते हुए श्री श्री रविशंकर ने कहा कि दुनिया की लगभग एक-चौथाई आबादी मनोवैज्ञानिक संकट से ग्रस्त है और उन्होंने समाधान के रूप में माइंडफुलनेस, ध्यान और संतुलित जीवन जीने का आग्रह किया। उन्होंने कश्मीर की आध्यात्मिक विरासत का आह्वान किया स्पंद कारिका और प्राचीन श्वास-प्रश्वास प्रथाओं का उल्लेख किया और आधुनिक शिक्षा में उनके पुनरुद्धार का आह्वान किया। गुरुदेव ने स्काई क्लबों के माध्यम से शिक्षक और युवा प्रशिक्षण का भी प्रस्ताव रखा जो छात्रों के नेतृत्व वाली पहल हैं जो एकाग्रता, खुशी और आंतरिक स्थिरता को बढ़ावा देती हैं।

पंजाब के गतकेबाजों ने दूसरे फेडरेशन गतका कप पर किया क़ब्ज़ा ; हरियाणवी गतका खिलाड़ी रहे उपविजेता

चंडीगढ़, 11 नवंबर। पंजाब के गतकेबाजों ने अपने उत्कृष्ट मार्शल आर्ट कौशल से गतका-सोटी के ज़बरदस्त प्रहार करते हुए प्रतिष्ठित दूसरे फेडरेशन गतका कप की समग्र चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। विशेष रूप से पारंपरिक गतका कला के शानदार प्रदर्शन के साथ पंजाब की टीम ने बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी परिसर में आयोजित इस वार्षिक टूर्नामेंट में अपनी अमिट छाप छोड़ी। हरियाणा के तेज़-तर्रार गतका खिलाड़ियों ने ज़बरदस्त खेल का प्रदर्शन करते हुए इन प्रतियोगिताओं में समग्र उपविजेता के रूप में सराहनीय स्थान हासिल किया। पंजाब ओर हरियाणा के खिलाड़ियों में गतका-सोटी (व्यक्तिगत) का फाइनल मैच इतना रोमांचक था कि अतिरिक्त समय दौरान भी मैच बराबरी पर रहने की वजह से इसका फैसला सड़न डैथ नियम से करना पड़ा। यह दो दिवसीय प्रतियोगिता यहाँ हुई राष्ट्रीय सांस्कृतिक पायथियन खेलों के साथ ही आयोजित की गई। गतकाईयों ने हर मैच में अपने मुकाबलों के दौरान लगातार अंक अर्जित करने के लिए तगड़ा संघर्ष किया, टिकटिकी लगाए रखी और अपने प्रतिद्वंद्वियों पर कुशल तकनीकों से अपने प्रतिद्वंद्वियों पर आक्रमण करने का कोई अवसर नहीं गंवाया। पंजाब के गतका खिलाड़ियों ने लड़कों के वर्ग में शीर्ष सम्मान हासिल करने के लिए पूर्ण प्रभुत्व दिखाया। उधर हरियाणा की लड़कियों ने गतका सोटी के शानदार कौशल दिखाते हुए विजयी होने के समान उत्साह के साथ पंजाब की लड़कियों को मात देकर अपने वर्ग में चैम्पियनशिप का खिताब जीता। शेष स्थानों के लिए भी कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। हरियाणा के लड़के और पंजाब की लड़कियां अपने-अपने वर्गों में उपविजेता रहीं। उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के युवाओं ने तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक साझा किए। इसी तरह चंडीगढ़ और आंध्र प्रदेश की लड़कियों ने भी संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। चैंपियनशिप का उद्घाटन पाइथियन काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बिजेंद्र गोयल ने किया। सेमीफाइनल मैचों की मेजबानी बी.एच. अनिल कुमार, आईएएस, ने की।

अंतिम दिन फ़ाइनल मुकाबलों का उद्घाटन नेशनल गतका एसोसिएशन आफ़ इंडिया के अध्यक्ष एवं पूर्व अतिरिक्त निदेशक एडवोकेट हरजीत सिंह ग्रेवाल ने किया। इन प्रतियोगिताओं के अवसर पर इंटरनेशनल सिख शस्त्र विद्या काउंसिल के उपाध्यक्ष सुखचैन सिंह कलसानी, जसप्रीत सिंह सैनी, आर्थी दीवान, श्रीजीत सुरेंद्र और कोच वेणुगोपाल वेलोली (बेंगलुरु) सहित गतका तकनीकी कोच जगदीश सिंह, हरनाम सिंह, हरसिमरन सिंह, अमृतपाल सिंह, जशनप्रीत सिंह, शैरी सिंह, नरिंदरपाल सिंह और अमन सिंह छत्तीसगढ़ भी उपस्थित थे।

सार्वजनिक नशा अपराधी को 355 बीएनएस के तहत सामुदायिक सेवा की सजा सुनाई गई

जम्मू, 11 नवंबर (हि.स.)। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), नए आपराधिक कानून के तहत एक ऐतिहासिक कदम में पुलिस स्टेशन मीरान साहिब में जम्मू पुलिस ने सार्वजनिक नशा और उच्छृंखल आचरण के लिए एक व्यक्ति देविंदर कुमार पुत्र हरबंस लाल निवासी किरपिंद मीरान साहिब जम्मू को दोषी ठहराया है।

माननीय अतिरिक्त विशेष मोबाइल मजिस्ट्रेट आर.एस. पुरा ने 0एन 10.11.2025 को फैसला सुनाया जो सुधारात्मक न्याय की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है। यह घटना 4.11.2025 को पी/एस मीरां साहिब के बीपीपी कुल्लियां के अधिकार क्षेत्र में हुई थी जहां आरोपी को नशे में सार्वजनिक अशांति पैदा करते हुए पाया गया था, जिसे थाना प्रभारी पीएस मीरां साहिब इंस्पेक्टर आजाद मन्हास की देखरेख में पीएसआई मशकूर अहमद आईसीबीपीपी कुल्लियां के नेतृत्व में पुलिस पार्टी द्वारा तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया और चिकित्सा परीक्षण के अधीन किया गया और माननीय अदालत के समक्ष पेश किया गया। अदालत ने पारंपरिक कारावास लगाने के बजाय सुधारात्मक उपाय के रूप में सामुदायिक सेवा का विकल्प चुना। उक्त आरोपी को दो दिनों के लिए सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक माता शीतला मंदिर आर.एस. पुरा में सामुदायिक सेवा करने का निर्देश दिया गया है।

उत्तर रेलवे

ई-टेंडर नोटिस

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर/जम्मू-कश्मीर नीचे सूचीबद्ध कार्यों/सेवाओं के लिए ई-टेंडर आमंत्रित करते हैं। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ केवल समापन तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इन निविदाओं के विरुद्ध मैन्युअल ऑफर की अनुमति नहीं है, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल ऑफर को अनदेखा कर दिया जाएगा। ठेकेदारों को इन निविदाओं के विरुद्ध ऑनलाइन भुगतान करने की अनुमति है। दस्तावेज़ लागत और बयाना राशि केवल **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान विधियों जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ही जमा करें। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, जमा रसीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से मैन्युअल भुगतान की अनुमति नहीं है।

निविदा प्रकार	बोली प्रणाली	निविदा अपलोड करने की तिथि	बोली समाप्ति तिथि/समय	ई-निविदा खोलने की तिथि और समय
खुला	एकल पैकेट प्रणाली	11.11.2025	04.12.2025 at 15:00 Hrs.	04.12.2025 at 15:30 Hrs.

क्र.सं.	निविदा क्रमांक	निविदा का विवरण
1	03-2025-Vacuum-JAT	"नैरो-गेज डीएस एलशेड पठानकोट के जेडडीएम-3डी लोकोमोटिव के वैक्यूम मोटर मॉडल संख्या वीएल-30 की तीन वर्ष (छत्तीस महीने) की अवधि के लिए ओवरहालिंग।"

विज्ञापित मूल्य	बयाना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
Rs. 85,22,338/-	Rs. 1,70,500/-	45 Days	36 Months

अधिक जानकारी के लिए कृपया www.ireps.gov.in पर लॉग ऑन करें।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

3496/25

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में उधमपुर में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

उधमपुर, 11 नवंबर (हि.स.)। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन उधमपुर ने रिवायत में एक जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जन-धन योजना प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना जैसी प्रमुख वित्तीय समावेशन योजनाओं के अंतर्गत लोगों को लाभान्वित किया गया।

कार्यक्रम में पोषण निरीक्षक सुभाष डोगरा सहायक आयुक्त विकास ओम प्रकाश, जिला एवं क्षेत्रीय अधिकारी, व्यापार मंडलों के प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और आम जनता उपस्थित थी। सफाई कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को वित्तीय समावेशन योजनाओं में नामांकित किया गया।

उपायुक्त सलोनी राय मुख्य अतिथि थीं। कृषि, बागवानी, स्वास्थ्य और आईसीडीएस विभागों ने सरकार की कल्याणकारी और प्रमुख योजनाओं के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए कार्यक्रम स्थल पर जागरूकता स्टॉल लगाए थे।

उपायुक्त ने स्टॉलों का निरीक्षण किया कर्मचारियों और लाभार्थियों से बातचीत की और योजनाओं के जमीनी स्तर पर प्रभाव के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सेवा वितरण की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए लाभार्थियों से प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया भी ली।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार ने आम नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई कल्याणकारी योजनाएँ शुरू की हैं। उन्होंने जनता से आगे आकर इन पहलों का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने आगे ज़ोर दिया कि ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन का उद्देश्य सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर जीसीओई में नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

जम्मू, 11 नवंबर (हि.स.)। गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन (जीसीओई), जम्मू में मंगलवार को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस बड़े उत्साह और रचनात्मकता के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर संस्था ने एक नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसका उद्देश्य भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती मनाना और शिक्षा के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान को स्मरण करना था। प्रतियोगिता में 11 विद्यार्थियों ने भाग लिया और शिक्षा- प्रगति का मार्ग विषय पर अपने प्रभावशाली एवं विचारोत्तेजक नारों के माध्यम से शिक्षा के महत्व और राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा विभाग की ओर से प्राचार्य डॉ. ज्योति परिहार के संरक्षण में किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा न केवल व्यक्तिगत विकास का माध्यम है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्रीय प्रगति की आधारशिला भी है।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रो. सुनंदा रानी (विभागाध्यक्ष, विज्ञान) और प्रो. अनुराधा चौधरी (विभागाध्यक्ष, इतिहास) ने किया। सभी प्रतिभागियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन प्रो. रूपा कुमारी, प्रो. किरण थापा और डॉ. शालू जसरोटिया ने शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. राजिंदर कौर के मार्गदर्शन में किया। कार्यक्रम का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि निरंतर सीखना ही उज्ज्वल भविष्य और राष्ट्र निर्माण की कुंजी है।

रियासी उपायुक्त ने 40 प्रगतिशील किसानों को एक्सपोजर-सह-प्रशिक्षण यात्रा के लिए रवाना किया

रियासी, 11 नवंबर (हि.स.)। रियासी उपायुक्त निधि मलिक ने आज बागवानी विभाग द्वारा एटीएमए और एमआईडीएच योजनाओं के तहत आयोजित एक्सपोजर-सह-प्रशिक्षण यात्रा के लिए 40 प्रगतिशील किसानों को रवाना किया। इस कार्यक्रम में मुख्य बागवानी अधिकारी, डीएल-एसएमएस और अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

इस पाँच दिवसीय यात्रा के दौरान किसानों को आधुनिक बागवानी पद्धतियों, उन्नत तकनीकों और अन्य क्षेत्रों में लागू किए जा रहे वैज्ञानिक नवाचारों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा।

इस यात्रा के दौरान किसान चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय (सीएसकेएचपीकेवी) पालमपुर, हिमालय जैवसंसाधन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएचबीटी) और मधुमक्खी अनुसंधान केंद्र, नगरोटा बगवां का दौरा करेंगे जहाँ वे वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत करके व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करेंगे।

इस अवसर पर बोलते हुए डीसी रियासी निधि मलिक ने कहा कि इस तरह के प्रदर्शन दौरे किसानों को नवीन तकनीकों और अन्यत्र अपनाए गए सफल मॉडलों से परिचित कराकर उन्हें सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने उत्पादकता बढ़ाने, सतत विकास सुनिश्चित करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए आधुनिक और वैज्ञानिक बागवानी पद्धतियों को अपनाने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को बेहतर पैदावार और आर्थिक उत्थान के लिए नई तकनीकें सीखने और उन्हें अपने खेतों में लागू करके इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

वंदे मातरम पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

कठुआ, 11 नवंबर (हि.स.)। राजकीय जीएलडीएम डिग्री कॉलेज हीरानगर ने छात्रों में देशभक्ति और कलात्मक अभिव्यक्ति की भावना का जश्न मनाने के लिए वंदे मातरम विषय पर एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया।

चित्रकला प्रतियोगिता में दीपिका शर्मा सेमेस्टर 3 ने प्रथम स्थान, कनिका सुम्ब्रिया सेमेस्टर 5 ने द्वितीय स्थान और जिया देवी सेमेस्टर 5 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य ने संकाय और कर्मचारियों के साथ विजेताओं को सम्मानित किया और अन्य प्रतिभागियों को पुरस्कार और सांत्वना पुरस्कार वितरित किए। इस आयोजन में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिन्होंने रंगों और रचनात्मकता के माध्यम से राष्ट्र के प्रति अपने प्रेम को खूबसूरती से चित्रित किया।

जीजीएम साइंस कॉलेज में ट्री टॉक सत्र आयोजित, पर्यावरण संरक्षण पर जोर

जम्मू, 11 नवंबर (हि.स.)। राजकीय गांधी मेमोरियल विज्ञान महाविद्यालय (जीजीएम साइंस कॉलेज), जम्मू के वनस्पति विज्ञान विभाग ने मंगलवार को ट्री टॉक नामक एक ज्ञानवर्धक और संवादात्मक सत्र का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका और जैव विविधता के संरक्षण की सामूहिक ज़िम्मेदारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। यह आयोजन कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन और विभागाध्यक्ष डॉ. बी.पी. सिंह की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रसिद्ध पर्यावरणविद् और सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी ओ.पी. शर्मा विद्यार्थी थे जिन्होंने अपने प्रेरक व्याख्यान में पेड़ों के

पारिस्थितिक, जलवायु और सामाजिक महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार पेड़ प्रकृति के सच्चे संरक्षक हैं जो पर्यावरण को संतुलित रखते हैं, वायु को शुद्ध करते हैं और जीवन को अनेक रूपों में पोषित करते हैं। सत्र में लगभग 100 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वक्ता के साथ संवाद के माध्यम से वनस्पति विज्ञान की व्यावहारिक उपयोगिता को समझा। यह पहल छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान से आगे बढ़कर प्रकृति के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करने वाली रही। कार्यक्रम में विभाग के संकाय सदस्य डॉ. रोज़ी बाम्बा, डॉ. फ़राज़ अहमद, प्रो. विशाल शर्मा और प्रो. मेहनाज बानो उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया।

मिशन निदेशक ने जम्मू-कश्मीर में जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की

जम्मू, 11 नवंबर (हि.स.)। जल जीवन मिशन के मिशन निदेशक खुर्शीद अहमद शाह ने आज जम्मू-कश्मीर में जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा के लिए एक वर्चुअल बैठक की।

बैठक में मुख्य अभियंता जल शक्ति जम्मू, तकनीकी सलाहकार जल जीवन मिशन, अधीक्षण अभियंता मुख्य अभियंताओं के तकनीकी अधिकारी, कार्यकारी अभियंता (सिविल, मैकेनिकल), जल गुणवत्ता निगरानी दल और जल जीवन मिशन के लेखा अनुभाग ने भाग लिया।

बैठक के दौरान एमडी ने जेजेएम कार्यान्वयन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जैसे ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजनाओं (बाहरी गाँव/अंदर गाँव) का निर्माण, आईएमआईएस में व्यय का मिलान, एसबीएम से नए गाँवों की स्वीकृति, योजना के दायरे में पीडब्ल्यूएस रहित गाँवों को जोड़ना, एकीकृत सूचना प्रबंधन प्रणाली (आईएमआईएस) की भौतिक प्रगति को अद्यतन करना, तृतीय पक्ष निरीक्षण एजेंसियों (टीपीआईए) का कामकाज, पीएम गति शक्ति पोर्टल पर केएमएल फाइलों को अपलोड करना, परिसंपत्तियों की जियो-टैगिंग और हर घर जल रिपोर्टिंग और प्रमाणन और जल गुणवत्ता परीक्षण और जेजेएम 2.0 डैशबोर्ड को ऑन बोर्ड करना।

बैठक के दौरान एमडी ने जेजेएम के तहत जलापूर्ति योजनाओं की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मुख्य अभियंताओं को निर्देश दिया कि वे योजनाओं को पहले पूरा होने के कगार पर शुरू करें, ताकि इन गाँवों के लाभार्थियों को केंद्र शासित प्रदेश में स्थापित किए जा रहे नल जल नेटवर्क से जोड़ा जा सके।

ब्लैकटॉपिंग कार्य का किया शुभारंभ, विधायक ने किया कार्य का उद्घाटन

जम्मू, 11 नवंबर (हि.स.)। जम्मू पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक अरविंद गुप्ता ने मंगलवार को वार्ड 27 में ब्लैकटॉपिंग कार्य का शुभारंभ किया। यह कार्य क्षेत्र के निवासियों के लिए आवागमन को आसान बनाने और बेहतर संपर्क सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेम गुप्ता, मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष मोनू, मंडल अध्यक्ष कुशांत प्रजापति, भाजपा नेता हैप्पी शर्मा (मंडल उपाध्यक्ष), इंद्रेश गुप्ता, सरदार हरदेव सिंह सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक अरविंद गुप्ता ने बताया कि वार्ड संख्या 27 के अलावा वार्ड संख्या 28 और वार्ड संख्या 32 के ओम नगर में भी ब्लैकटॉपिंग का कार्य प्रारंभ हो गया है। उन्होंने कहा कि जम्मू पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के लगभग सभी इलाकों में ब्लैकटॉपिंग का कार्य तेजी से चल रहा है, जिससे आम लोगों को सुगम परिवहन और बेहतर सड़कें मिल रही हैं। उन्होंने प्रशासन और स्थानीय नागरिकों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि गुणवत्ता उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरे किए जा रहे हैं। गुप्ता ने आश्वासन दिया कि जिन क्षेत्रों में कार्य लंबित है, वहाँ भी जल्द ही तारकोल बिछाने का काम शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण, जल निकासी, स्ट्रीट लाइटिंग और सौंदर्यीकरण से संबंधित परियोजनाएँ जम्मू पश्चिम को एक आदर्श और विकसित निर्वाचन क्षेत्र में बदलने की व्यापक योजना का हिस्सा हैं। गुप्ता ने नागरिकों से स्वच्छता और व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने का भी आग्रह किया।

संपादकीय

सुरक्षा कड़ी करें

दिल्ली में लाल किले के पास हुए बम विस्फोट के बाद, देश भर के कई अन्य राज्यों और शहरों की सुरक्षा एजेंसियों की तर्ज पर, जम्मू पुलिस को भी सुरक्षा कड़ी कर देनी चाहिए।

कथित तौर पर, दिल्ली में हुए घातक आतंकवादी हमले के बाद, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, गोवा आदि कई राज्यों के पुलिस विभागों ने हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर कड़ी निगरानी रखते हुए अपने सुरक्षा प्रोटोकॉल बढ़ा दिए हैं। खतरे की आशंका को देखते हुए, जम्मू प्रांत में सुरक्षाकर्मियों के लिए सुरक्षा बंदोबस्त की नए सिरे से समीक्षा करना और पूरे क्षेत्र में रणनीतिक बिंदुओं पर पुलिसकर्मियों की अचूक तैनाती सुनिश्चित करना अनिवार्य हो गया है।

आतंकवाद-रोधी उपायों पर नए सिरे से ज़ोर देना और ज़मीनी स्तर पर पुलिस की सक्रियता बढ़ाना बेहद ज़रूरी हो गया है, खासकर पूरे क्षेत्र में रात्रि गश्त, क्योंकि स्थिति बेहद नाजुक है क्योंकि लाल किले पर हुए आतंकवादी हमले को देश के दुश्मनों द्वारा पेश की गई चुनौती के रूप में लिया जाना चाहिए, क्योंकि आईबी और जेकेपी ने दावा किया है कि उन्होंने उत्तर भारत के राज्यों और शहरों के लिए एक बड़े आतंकवादी खतरे को नाकाम कर दिया है।

वर्तमान परिदृश्य में, सभी सुरक्षा एजेंसियों के बीच सक्रिय खुफिया जानकारी साझा करना और घनिष्ठ समन्वय अनिवार्य है। पुलिस नेतृत्व को खतरों के आकलन की समीक्षा करने और संभावित खामियों को दूर करने के लिए नियमित रूप से अंतर-एजेंसी बैठकें आयोजित करनी चाहिए। संवेदनशील स्थानों की निवारक निगरानी, साथ ही औपचारिक और अनौपचारिक, दोनों माध्यमों से समय पर खुफिया जानकारी प्राप्त करने से, खतरों को प्रकट होने से पहले ही बेअसर करने में मदद मिल सकती है। सामुदायिक पुलिसिंग को मज़बूत करना और क्षेत्रीय अधिकारियों तथा नियंत्रण कक्षों के बीच त्वरित संचार सुनिश्चित करना पूरे सुरक्षा तंत्र की तैयारी के स्तर को और बढ़ा सकता है।

समय की माँग है कि उन सभी संभावित स्थानों पर सुरक्षा कड़ी की जाए जो आतंकवाद फैलाने वालों के निशाने पर हो सकते हैं। जम्मू क्षेत्र की पुलिस को सभी खतरों को नियंत्रित करने और देर होने से पहले प्रभावी ढंग से जवाबी उपाय सुनिश्चित करने के लिए खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। सुरक्षा चुनौतियों के गंभीर परिदृश्य को देखते हुए, शांति भंग करने की कोशिश करने वालों से आगे रहने के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित निगरानी प्रणालियों का लाभ उठाना आवश्यक है।

नागरिकों से भी आग्रह किया जाना चाहिए कि वे सरकार के कान और आँख बनकर काम करें और किसी भी संदिग्ध घटना की सूचना बिना एक पल भी गँवाए नज़दीकी सुरक्षा चौकी या पुलिस स्टेशन को दें, क्योंकि ऐसे खतरों से तुरंत निपटने में समय एक बड़ी बाधा है। अक्सर सामुदायिक सतर्कता ही संभावित त्रासदियों को टालने में मदद करती है।

पुलिस को रात्रि गश्त बढ़ानी चाहिए और आकस्मिक जाँच करनी चाहिए क्योंकि औचक निरीक्षण ऐसे नापाक मंसूबों के खिलाफ प्रभावी निवारक के रूप में काम कर सकते हैं। निरंतर सतर्कता समय की माँग है और इसलिए सभी हितधारकों को यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहने की आवश्यकता है कि आतंकवाद फिर से खेल में खलल न डाले।

पश्चिमी हिमालय में जैव विविधता और उसका महत्व

विशेषकर बंदर, सूअर, नीलगाय द्वारा फसलों को नुकसान के चलते किसान कई इलाकों में खेती छोड़ने पर मजबूर हो चुका है। बेसहारा छोड़े जा रहे पशुओं के पीछे भी चरागाहों में खरपतवार के कारण घास उत्पादन समाप्त होना एक कारण है। जड़ी-बूटियों के नष्ट होने से स्थानीय स्तर पर मनुष्यों और पशुओं के इलाज की पारंपरिक व्यवस्थाएं और ज्ञान भी समाप्त होता जा रहा है। बौद्धिक संपदा कानूनों की जानकारी और जागरुकता के अभाव में बहुत सा पारंपरिक ज्ञान अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संस्थाओं द्वारा पेटेंट कानूनों का दुरुपयोग करके चुराया जा रहा है।

कुलभूषण उपमन्यु

जैव विविधता मानव जीवन और आर्थिक संपन्नता का आधार है। प्रकृति जैव विविधता के माध्यम से ही सृष्टि की एक-दूसरे पर आधारित व्यवस्था को चलाती है। हिमालय पारिस्थितिकी तंत्र करोड़ों एशियावासियों के लिए आजीविका और रोजगार के साधन उपलब्ध करवाता है। भारतीय हिमालय वनस्पति, वन्य प्राणी, ग्लेशियर, बर्फ, पारंपरिक ज्ञान, और पर्वतीय कृषि विविधता के लिए महत्वपूर्ण है। गंगा और सिंध के मैदानों को हरा-भरा बनाने वाली नदियां हिमालय से ही निकलती हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से हिमालय बहुत संवेदनशील है।

यह दुनिया के 34 जैव विविधता के लिए सबसे संवेदनशील स्थलों में से एक है। हिमालय के वन इसकी जैव विविधता के मुख्य आधार हैं। वनस्पति और वन्यप्राणी विविधता स्वस्थ वनों के बिना संभव ही नहीं है। बढ़ती आबादी, वन उत्पादों की बढ़ती मांग, और प्रबन्धन की कमियों के चलते वन संसाधन और वनों पर आधारित जैव विविधता घटते जा रहे हैं। जिससे हिमालय परिस्थिति तंत्र द्वारा दी जाने वाली अनेक पर्यावरणीय सेवाएं भी खतरे में पड़ती जा रही हैं।

हिमालय के वनों द्वारा दी जा रही पर्यावरणीय सेवाओं का वार्षिक मूल्य, 1150 डॉलर प्रति हेक्टेयर आंका गया है। हिमालय में 18440 वनस्पति प्रजातियां, 1748 जड़ीबूटी प्रजातियां, 675 कंद मूल फल प्रजातियां चिह्नित की गई हैं। हिमालय द्वारा दी जाने वाली मुख्य पर्यावरणीय सेवाएं निम्न हैं- फल, चारा, ईंधन, खाद, रेशा, और दवाई, चरागाह, और अन्य गैर इमारती वन उत्पाद प्रदान सेवाएं। जलवायु नियमन, वायु की गुणवत्ता नियमन, पानी की मात्रा और गुणवत्ता का नियमन, भूमि कटाव नियंत्रण, परागण, कीट नियंत्रण सेवाएं। मिट्टी निर्माण, उपजाऊ तत्वों का पुन-चक्रीकरण, पानी का चक्रीकरण, बर्फ और ग्लेशियर द्वारा वर्ष पर्यंत जल प्रदान सेवाएं। सांस्कृतिक विविधता, पारंपरिक ज्ञान, पर्यावरण मित्र पर्यटन, सौन्दर्य सेवाएं आदि।

जैव विविधता के विनाश से उपरोक्त सभी सेवाएं प्रदान करने की हिमालय की सामर्थ्य क्षीण होती जाएगी, जिससे भारतीय महाद्वीप में जीवनयापन के लिए कई समस्याएं पैदा हो जाएंगी जिनका समाधान संभव नहीं होगा। जैव विविधता के लिए खतरों का आकलन करने के लिए हिमालय को पांच हजार फुट से ऊंचे क्षेत्र और पांच हजार फुट से कम ऊंचाई वाले क्षेत्र इन दो भागों में देख सकते हैं। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मुख्य खतरा निम्न कारणों से है, ज्यादा कीमती जड़ी-बूटियों का अति दोहन, कृषि में एकल प्रजाति खेती को प्रोत्साहन, जलवायु परिवर्तन, बड़ी परियोजनाओं के निर्माण कार्य, दुर्लभ वन्य जीवों का शिकार आदि।

कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जैव विविधता के लिए मुख्य खतरे निम्न हैं- खरपतवार, वनों में लगने वाली आग, सुधार वानिकी के चलते एकल प्रजाति चीड़ आदि रोपण, अवैज्ञानिक तकनीक से सड़क निर्माण और अन्य परियोजना निर्माण, सांस्कृतिक एकरूपता के प्रयास, स्थानीय बोलियों और पारंपरिक ज्ञान का ह्रास आदि।

इन कारणों से जैव-विविधता के ह्रास के चलते जहां एक ओर ग्लेशियर पिघल रहे हैं और बर्फ रेखा पीछे हट रही है। वहीं वनों में विविधता के घटने से जल संरक्षण में भी कमी आ रही है। इसका सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव खेती पर पड़ रहा है।

सिंचाई के लिए क्षेत्रीय टकराव बढ़ रहे हैं। दूसरी ओर खरपतवारों के आक्रमण के कारण बेकार हो चुकी चरागाहों के चलते पर्वतीय क्षेत्रों में चारे का संकट खड़ा हो गया है। पंजाब और हरियाणा से तूड़ी लाकर कमी पूरी की जा रही है। यह तूड़ी पहाड़ों तक पहुंचते 10 से 15 रुपये किलो तक हो जाती है। इतनी महंगी घास से पशुपालन आर्थिक रूप से घाटे का सौदा बनता जा रहा है। वनों में विविधता के नाश से अन्य वन्य प्राणियों के लिए भी भोजन का संकट पैदा हो गया है। इसलिए मानव-वन्यप्राणी टकराव बढ़ता जा रहा है।

विशेषकर बंदर, सूअर, नीलगाय द्वारा फसलों को नुकसान के चलते किसान कई इलाकों में खेती छोड़ने पर मजबूर हो चुका है। बेसहारा छोड़े जा रहे पशुओं के पीछे भी चरागाहों में खरपतवार के कारण घास उत्पादन समाप्त होना एक कारण है। जड़ी-बूटियों के नष्ट होने से स्थानीय स्तर पर मनुष्यों और पशुओं के इलाज की पारंपरिक व्यवस्थाएं और ज्ञान भी समाप्त होता जा रहा है। बौद्धिक संपदा कानूनों की जानकारी और जागरुकता के अभाव में बहुत सा पारंपरिक ज्ञान अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संस्थाओं द्वारा पेटेंट कानूनों का दुरुपयोग करके चुराया जा रहा है।

समय की जरूरत है कि जैव विविधता के संरक्षण के लिए गंभीरता से प्रयास किए जाएं। 2002 में संसद ने जैव विविधता कानून पास करके इस दिशा में शुरुआती प्रयास किया है, जिसके तहत राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, राज्य जैव विविधता बोर्ड और पंचायत स्तर पर जैव विविधता प्रबन्धन समिति के गठन का प्रावधान किया गया है। जाहिर है कि जमीनी संरक्षण कार्य तो ग्राम पंचायत स्तर पर ही होना संभव है। इसलिए ग्राम पंचायत स्तरीय जैव विविधता प्रबन्धन समिति को सशक्त, कार्यक्षम और जागरूक बनाना पड़ेगा। एक्ट में इन पंचायत स्तरीय जैव विविधता समितियों को वन्य और कृषि जैव विविधता संरक्षण का कार्य सौंपा गया है, किन्तु 2004 में बनाए नियमों द्वारा उसकी संरक्षण की भूमिका को कमजोर कर दिया गया है और केवल जैव विविधता रजिस्टर बनाने तक ही उसे सीमित कर दिया गया है। रजिस्टर का इतना तो लाभ हो सकता है कि कोई व्यापारिक संस्था यदि पारंपरिक ज्ञान की चोरी करके उसका पेटेंट लेने की कोशिश करे तो उसे अंतरराष्ट्रीय नियमों के अंतर्गत रोका जा सकता है, किन्तु संरक्षण के काम को गति देने के लिए तो जमीनी स्तर पर पंचायत स्तरीय जैव विविधता प्रबन्धन समितियों को कार्यक्षम बनाना पड़ेगा।

कृषि क्षेत्र की जैव विविधता पर रासायनिक खेती प्रक्रियाओं का बड़ा विपरीत प्रभाव पड़ा है। संकर बीजों और जीन संशोधित बीजों के कारण पारंपरिक न्यूक्लियस बीजों का विनाश हुआ है। जीन संशोधित बीजों से क्षैतिज संदूषण का खतरा पैदा हो गया है। हालांकि अभी कपास के लिए ही जीन संशोधित बीजों की अनुमति है। धान के लिए प्रायोगिक अनुमति पर कार्य हो रहा है। किन्तु इसके खतरों का अभी कोई अनुभव नहीं है। इससे किसानों की बीज आत्मनिर्भरता बीज कंपनियों की गुलाम हो जाएगी। कीटनाशकों ने तितलियों मधु-मक्खियों आदि किसान के मित्र कीटों को भी हानि पहुंचाई है। फसलों में घास मारने वाली दवाइयों ने एकल फसल खेती को प्रोत्साहित किया है, जबकि पहले पर्वतीय क्षेत्रों में कई फसलों को एक साथ बोने की परंपरा थी।

गेहूं के साथ चना, सरसों आदि लगते थे। मक्की के साथ श्री धान्य (मिलेट्स),उड़द आदि लगते थे। उत्तराखंड में बारानाजा की परंपरा थी, जिसमें बारह प्रकार के अन्न एक साथ उगाए जाते थे। नस्ल सुधार कार्यक्रमों ने पशु विविधता को भी नष्ट किया है। देसी पहाड़ी, साहिवाल, हरयाणवी आदि देसी नस्लों की अपनी खूबियां थीं। खास कर उनका दूध ए-2 किस्म का होता है जो पाचक और ज्यादा स्वास्थ्य वर्धक माना जाता है। जैव विविधता की रक्षा इसलिए भी जरूरी है क्योंकि सभी वनस्पतियों और जीवों की उपयोगिता और गुणों की अभी तक विज्ञान को भी जानकारी नहीं है, जो जैव पदार्थ हमने खो दिया उसके गुणों से मानव समाज सदा के लिए वंचित हो जाएगा। परिस्थिति तन्त्र इतना पेचीदा और संवेदनशील होता है कि एक पदार्थ के लुप्त होने से उस पर निर्भर और कई जैव पदार्थ भी लुप्त हो जाते हैं। अत- विश्व समाज में विकास को टिकाऊ बनाने के लिए हमें जैव विविधता को वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी बचा कर रखना होगा।

(लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता और पर्यावरणविद् हैं।)

दिल्ली की चौकसी पर गंभीर सवाल

योगेश कुमार गोयल

दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला के पास सोमवार शाम को हुए कार विस्फोट ने न केवल देश की राजधानी दिल्ली बल्कि राष्ट्रीय चेतना को झकझोर दिया। शाम के करीब सात बजे जब दिल्ली अपनी सामान्य चहल-पहल में डूबी थी, अचानक लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास तेज धमाका हुआ, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। कुछ ही पलों में कार जलते मलबे में बदल गई। आसपास खड़ी गाड़ियां आग की लपटों में घिर गईं और घना धुआं आसमान में छा गया।

ह दृश्य किसी युद्ध के बाद की तबाही जैसा था, आवाज इतनी भयावह कि चांदनी चौक से लेकर जामा मस्जिद तक सायरन और चीखों की गूंज फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक सफेद हुंडई आई-20 कार में अचानक जबरदस्त विस्फोट हुआ। कार के परखच्चे उड़ गए और आग ने पास खड़ी गाड़ियों, ई-रिक्शा आदि को अपनी लपटों में ले लिया। कुछ ही सेकंड में पूरा इलाका दहशत के घेरे में था। अब तक की रिपोर्टों में कम से कम 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

दमकलकर्मियों ने आग बुझाने में कड़ी मशक्कत की जबकि दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ते, स्पेशल सेल और केंद्रीय एजेंसियों ने तुरंत पूरे क्षेत्र को सील कर दिया। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और जांच एजेंसियां इन फुटेज का विश्लेषण कर रही हैं ताकि पता लगाया जा सके कि वाहन में कौन सवार था और विस्फोट से पहले क्या गतिविधियां हुई।

लाल किला केवल एक राष्ट्रीय स्मारक नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र और अस्मिता का प्रतीक है। इसकी दीवारों पर हर स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री का भाषण गूंजता है। ऐसे पवित्र स्थल के समीप हुआ यह धमाका सुरक्षा व्यवस्था के सबसे गहरे स्तरों तक प्रश्न खड़े करता है। क्या यह कोई आतंकी हमला था या कोई सुनियोजित साजिश अथवा किसी लापरवाही का परिणाम? फिलहाल जांच एजेंसियां इन सवालों के उत्तर खोज रही हैं पर यह स्पष्ट है कि यह घटना किसी सामान्य तकनीकी दुर्घटना से कहीं अधिक गंभीर है। विस्फोट की तीव्रता ने न केवल वाहनों को चूर-चूर किया बल्कि लाल किला और आसपास की इमारतों तक को हिला दिया, आसपास की दुकानों के शीशे टूट गए और लोगों के दिलों में एक बार फिर वही पुराना भय लौट आया, वह भय जो दिल्ली ने 2001, 2005, 2008 और 2011 के धमाकों के दौरान महसूस किया था।

सवाल यह है कि इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद राजधानी के दिल में यह घटना कैसे घट गई? दिल्ली पुलिस और खुफिया एजेंसियों की निगरानी में लाल किला सबसे उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों में शामिल है, जहां नियमित रूप से सीसीटीवी, ड्रोन और बीट पैट्रोलिंग की जाती है। फिर भी यदि इस स्तर का विस्फोट हो सकता है तो यह केवल तकनीकी विफलता नहीं बल्कि सुरक्षा मानसिकता की जड़ता का भी संकेत है।

यह दर्शाता है कि हम अब भी उस सुरक्षित भ्रम में जी रहे हैं, जहां खतरे को हमेशा दूर मान लिया जाता है, जब तक कि वह हमारे दरवाजे पर दस्तक नहीं देता। इस धमाके की भयावहता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि इसकी गूंज लगभग 200 मीटर दूर तक सुनाई दी और आसपास के वाहनों में आग फैल गई, फायर ब्रिगेड ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया। पुलिस ने इलाके को घेर लिया और दिल्ली स्पेशल सेल, जो आतंकवाद और संगठित अपराध से जुड़े मामलों की जांच करती है, तुरंत मौके पर पहुंची, एनआईए और एनएसजी की टीमें भी सक्रिय हैं।

दिल्ली में ऐसा धमाका करीब 13 वर्ष बाद हुआ है। फरवरी 2012 में इजराइली राजनयिकों को निशाना बनाकर हुए बम धमाके के बाद से राजधानी अपेक्षाकृत शांत रही है। उससे पहले 7 सितंबर 2011 को दिल्ली हाई कोर्ट गेट नंबर-5 के पास हुए धमाके में 15 लोग मारे गए थे। 2008 के सिलसिलेवार धमाकों में तो दिल्ली का दिल ही दहल गया था, जब करोल बाग, कनॉट प्लेस और ग्रेटर कैलाश जैसे इलाकों में मौत और तबाही की कहानियां लिखी गई थी। उससे पहले 29 अक्तूबर 2005 को दीवाली से दो दिन पहले लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने पहाड़गंज, गोविंदपुरी और सरोजिनी नगर में एक साथ तीन धमाके किए थे, जिनमें 60 से अधिक निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। यह लंबा इतिहास बताता है कि दिल्ली हमेशा से आतंकवादियों के निशाने पर रही है, क्योंकि यह न केवल सत्ता का केंद्र है बल्कि देश की आत्मा है।

लाल किला के पास हुआ यह विस्फोट उस समय हुआ, जब फरीदाबाद में करीब तीन हजार किलो संदिग्ध विस्फोटक बरामद हुआ। एक कश्मीरी डॉक्टर के किराए के मकान से 360 किलो विस्फोटक, हथियार और टाइमिंग डिवाइस बरामद किए गए थे। इस मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी हुई, जिनमें मेडिकल प्रोफेशनल्स और मौलवी भी शामिल बताए गए। अब भले ही दोनों घटनाओं के बीच सीधा संबंध साबित नहीं हुआ हो लेकिन समय और भौगोलिक समीपता ने जांच एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। यदि इन दोनों घटनाओं के बीच कोई भी कड़ी जुड़ती है तो यह स्पष्ट संकेत होगा कि कोई गहरी साजिश पनप रही थी, जिसे शायद पूरी तरह रोका नहीं जा सका। इस हादसे ने एक बार फिर सवाल उठाया है कि क्या हमारी खुफिया प्रणाली में समय रहते चेतावनी देने की क्षमता घट रही है? क्या सूचनाओं का साझा तंत्र अब भी कागजी प्रक्रियाओं में उलझा हुआ है? सुरक्षा केवल हथियारों, बुलेटप्रूफ जैकेटों या बड़ी टीमों से नहीं आती, यह निरंतर सतर्कता, सामुदायिक सहयोग और त्वरित इंटेलिजेंस साझा करने से बनती है। यदि फरीदाबाद जैसी घटनाओं के बाद तत्काल सतर्कता बढ़ाई जाती और वाहन जांच प्रणाली में रैंडम सर्च बढ़ाई जाती तो शायद यह विस्फोट टल सकता था।

बहरहाल, पीड़ितों के परिवारों के लिए यह दर्द केवल आंकड़ों का मामला नहीं बल्कि उनके लिए यह जीवन के उजाले का बुझ जाना है। अस्पतालों में घायल तड़प रहे हैं, कुछ ने अपने प्रियजनों को हमेशा के लिए खो दिया। प्रशासन के लिए यह करुणा और जिम्मेदारी की सबसे कठिन परीक्षा है। सरकार को त्वरित राहत, मुआवजा और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करनी होगी। अपराधियों को पकड़ने और दोषियों को सजा दिलाने में किसी भी तरह की देरी इस देश की न्यायिक साख पर सवाल उठाएगी। हमारी प्राथमिकता इस समय तीन दिशाओं में होनी चाहिए, पीड़ितों के प्रति संवेदना, जांच में निष्पक्षता और भविष्य के लिए सबक। लाल किले के पास हुआ यह धमाका चेतावनी है कि सुरक्षा एक सतत प्रक्रिया है, जिसे हर नागरिक की जागरुकता, तकनीकी सशक्तता और प्रशासनिक दृढ़ता के साथ ही साकार किया जा सकता है। यह समय दोषारोपण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का है, यह सोचने का कि क्या हम सुरक्षा के हर स्तर पर सचमुच उतने सजग हैं, जितना एक जिम्मेदार राष्ट्र को होना चाहिए।

दिल्ली की हवा में आज केवल धुआं नहीं बल्कि चिंता और सवाल तैर रहे हैं और जब तक इन सवालों का जवाब तथ्यों, साक्ष्यों और न्याय की कसौटी पर नहीं मिलता, तब तक यह विस्फोट केवल एक हादसा नहीं रहेगा बल्कि हमारी सामूहिक चेतना पर लगी गहरी चोट की तरह याद किया जाएगा। देश उम्मीद कर रहा है कि जांच एजेंसियां सच्चाई को उजागर करते हुए दोषियों को बेनकाब करेंगी और दिल्ली फिर से वही शहर बनेगी, जो हर संकट के बाद और मजबूत होकर उठ खड़ी होती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारतीय पूंजी बाजार भी सकारात्मक परिणाम देता हुआ दिखाई दे रहा है

अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 50 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया गया है। ट्रम्प ने वैसे तो लगभग सभी देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाया है परंतु भारत द्वारा विशेष रूप से रूस से सस्ते दामों पर कच्चे तेल की खरीद के चलते भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया हुआ है। विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ को लगाए हुए अब कुछ समय व्यतीत हो चुका है एवं अब इसका असर विभिन्न देशों की अर्थवस्थाओं एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। यह हर्ष का विषय है कि 27 अगस्त 2025 से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर लगभग नगण्य सा ही रहा है। माह सितम्बर 2025 में भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों का निर्यात लगभग 12 प्रतिशत कम होकर केवल 550 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर नीचे आ गया है। परंतु, भारत का अन्य देशों को निर्यात लगभग 11 प्रतिशत से बढ़कर 3,638 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में किए गए निर्यात से लगभग 7 प्रतिशत अधिक है। सितम्बर 2025 माह में भारत से 24 देशों को निर्यात की मात्रा बढ़ गई है। इस प्रकार, भारत द्वारा अमेरिका को कम हो रहे निर्यात की भरपाई अन्य देशों को निर्यात बढ़ाकर कर ली गई है।

सितम्बर 2025 माह में न केवल निर्यात में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की गई है अपितु भारत में अक्टूबर 2025 माह में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम, धनतेरस एवं दीपावली उत्सव के पावन पर्व पर, 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं की बिक्री भारत में हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। हर्ष का विषय यह है कि इस कुल बिक्री में 87 प्रतिशत उत्पाद भारत में ही निर्मित उत्पाद रहे हैं। भारत में स्वदेशी उत्पादों की बिक्री का रिकार्ड कायम हुआ है। भारत में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से लगातार प्रयास कर रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी भारतीय नागरिकों का स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का हाल ही में आह्वान किया था। इस आग्रह का अब भारी संख्या में भारतीय नागरिक सकारात्मक उत्तर दे रहे हैं। भारत में लगातार बढ़ रहे उपभोक्ता खर्च के चलते वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में भी लगातार वृद्धि दृष्टिगोचर है, जो अब लगभग 2 लाख करोड़ प्रति माह के स्तर पर पहुंच गया है।

भारतीय पूंजी बाजार भी सकारात्मक परिणाम देता हुआ दिखाई दे रहा है। सितम्बर 2025 के अंत में सेन्सेक्स 80,267 के स्तर पर था जो 21 अक्टोबर 2025 को बढ़कर 84,426 के स्तर पर पहुंच गया। इसी प्रकार निफ्टी इंडेक्स भी सितम्बर 2025 के अंत में 24,611 के स्तर से बढ़कर 21 अक्टूबर 2025 को 25,868 के स्तर पर पहुंच गया। दीपावली के पावन पर्व पर रिकार्ड तोड़ व्यापार होने एवं पूंजी बाजार के अपने पिछले 52 सप्ताह के लगभग उच्चत्तम स्तर पर पहुंचने के पीछे मुख्य रूप से तीन कारक जिम्मेदार माने जा रहे हैं। (1) भारतीय उपभोक्ताओं में भारतीय उत्पादों के प्रति विश्वास निर्मित हुआ है और वे अब भारत में निर्मित उत्पादों को चीन अथवा अन्य विकसित देशों में निर्मित उत्पादों की तुलना में गुणवत्ता के मामले में बेहतर मानने लगे हैं। (2) विभिन्न भारतीय कम्पनियों द्वारा हाल ही में सितम्बर 2025 को समाप्त तिमाही के घोषित परिणाम काफी उत्साहजनक रहे हैं। (3) साथ ही, अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में वपिसी हुई है। वर्ष 2025 में सितम्बर 2025 माह तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार से लगभग 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि की निकासी की थी, जबकि अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अभी तक लगभग 7,300 करोड़ रुपए का नया निवेश किया गया है।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के पश्चात भी भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर लगातार संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत में मुद्रा स्फीति की दर लगातार नीचे आ रही है एवं यह सितम्बर 2025 माह में 1.54 प्रतिशत तक नीचे आ चुकी है जो पिछले 8 वर्षों के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर है। जबकि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए टैरिफ के चलते अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर अब बढ़ती हुई दिखाई दे रही है और अगस्त 2025 माह में यह 2.9 प्रतिशत के स्तर पर रही है।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा अपने वित्तीय घाटे को नियंत्रण में लाने एवं सरकारी ऋण को कम करने के उद्देश्य से विभिन्न देशों से अमेरिका को होने निर्यात पर टैरिफ की घोषणा की थी।

परंतु, भारी मात्रा में टैरिफ बढ़ाने के बावजूद अमेरिका का वित्तीय घाटा कम होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। आज अमेरिका में वित्तीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया है जबकि भारत में यह प्रतिवर्ष लगातार कम हो रहा है और इसके वित्तीय वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे पहुंच जाने की सम्भावना है, यह वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.8 प्रतिशत का रहा था। इसी प्रकार, अमेरिका में सरकारी ऋण 37 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जो लगातार बढ़ता जा रहा है और यह अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का 120 प्रतिशत है। अर्थात, अमेरिका में आय की तुलना में अधिक मात्रा में व्यय किए जा रहे है। आज अमेरिका में सरकारी ऋण पर ब्याज अदा करने के लिए भी ऋण लिया जा रहा है। दूसरी ओर, भारत में सरकारी ऋण की मात्रा केवल 3.80 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है और यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 80 प्रतिशत है, जो लगातार कम हो रहा है। अमेरिका में सकल बचत की दर 22 प्रतिशत है जबकि भारत में यह 32 प्रतिशत है।

भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है जबकि अमेरिका में यह वर्ष 2024 में केवल 2.8 प्रतिशत की रही है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर विश्व बैंक द्वारा अनुमानित है। जबकि अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों के अमेरिका को निर्यात टैरिफ लगाए जाने के बावजूद अमेरिका में वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के नीचे गिरकर 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। स्पष्टत- अमेरिका द्वारा टैरिफ लागू करने का भारतीय अर्थव्यवस्था पर तो कोई विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है बल्कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, अमेरिका में बेरोजगारी की दर में भी वृद्धि दृष्टिगोचर है जो अब बढ़कर 4.3 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है, जबकि भारत में यह दर गिरकर 5.1 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है।

अमेरिका में बैंकों से लिए गए ऋण एवं क्रेडिट कार्ड पर ली गई उधारी की किश्तों के भुगतान में चूक की संख्या में वृद्धि दृष्टिगोचर है। इसके चलते हाल ही 3 वित्तीय संस्थानों को दिवालिया घोषित किया जा चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमत में अपार वृद्धि (लगभग 4300 अमेरिकी डॉलर प्रति आउन्स के स्तर पर) दर्शाता है कि विभिन्न देशों का अब अमेरिकी डॉलर पर विश्वास कम हो रहा है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा के भंडार में स्वर्ण की मात्रा को लगातार बढ़ा रहे हैं।

- प्रहलाद सबनानी
सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक,
भारतीय स्टेट बैंक
के-8, चेतकपुरी कालोनी,
झांसी रोड, लश्कर,
ग्वालियर - 474 009

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साभार : प्रभासाक्षी

उक्रेनी महान खिलाड़ी इवांचुक ने भारत मे चल रहे विश्व कप शतरंज को कहा बेहतरीन

एजेंसी

गोवा। गोवा में चल रहे शतरंज विश्व कप 2025 में दूसरे दौर में ही बाहर होने के बाद रूस के ग्रैंडमास्टर इयान नेपोमिनस्की द्वारा उठाए गए विवादित आरोपों के बीच, भारतीय ग्रैंडमास्टर पेंटाला हरिकृष्णा और यूक्रेनी शतरंज दिग्गज वैसिली इवांचुक ने आयोजकों का समर्थन किया है। उक्रेन के 56 वर्षीय महान खिलाड़ी इवांचुक जिन्हे आज भी दुनिया के सबसे लोकप्रिय खिलाड़ियों में गिना जाता है उन्होने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'बेहतरीन, बेहतरीन, बेहतरीन। मैं आयोजकों और निर्णायकों का धन्यवाद देना चाहता हूं। माहौल बिल्कुल सही था, मुझे किसी बात की शिकायत नहीं है। मेरा खेल मेरा निर्णय और मेरी जिम्मेदारी थी, इसका आयोजन से कोई लेना-देना नहीं।'? इवांचुक दूसरे राउंड में हारने के बाद भी टूर्नामेंट की तारीफ करते नजर आए। वहीं, भारतीय ग्रैंडमास्टर पेंटाला हरिकृष्णा ने नेपोम्नियाची की आलोचना पर कहा कि अगर उन्हें वाकई कोई शिकायत थी तो उन्हें इसे सीधे आयोजकों या फीडे के सामने उठाना चाहिए था न कि अस्पष्ट टिप्पणियां कर जनता के बीच विवाद पैदा करना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'ऐसे बड़े टूर्नामेंट का आयोजन करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण होता है और इसे आसान नहीं समझा जाना चाहिए।

रणजी ट्रॉफी : कामरान इकबाल के नाबाद 133 रन, जम्मू-कश्मीर ने दिल्ली को हराया

नई दिल्ली : कामरान इकबाल (नाबाद 133) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जम्मू-कश्मीर ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले में दिल्ली को सात विकेट से हराया। जम्मू-कश्मीर ने कल के 55 रन पर दो विकेट से आगे खेलना शुरू किया। सुबह के सत्र में कामरान इकबाल ने तेजी के साथ रन बटोरे। उन्होंने वंशराज शर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 82 रन जोड़े। जम्मू-कश्मीर का तीसरा विकेट 38वें ओवर में 134 के स्कोर पर वंशराज शर्मा (आठ) के रूप में गिरा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान पारस डोगरा ने कामरान इकबाल के साथ पारी को संभाला और टीम को जीत दिलाई। जम्मू-कश्मीर ने 43.3 ओवर में तीन विकेट पर 179 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम कर लिया। इस दौरान कामरान इकबाल ने अपना शतक पूरा किया। कामरान इकबाल ने 147 गेंदों में 20 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 133 रनों की नाबाद पारी खेली। पारस डोगरा 12 गेंदों में 10 रन बनाकर नाबाद रहे। 35 रन देकर पांच विकेट लेने वाले जम्मू-कश्मीर के गेंदबाज अकीब नबी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। दिल्ली के लिए ऋतिक शौकीन ने दो और मनन भारद्वाज ने एक विकेट लिया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला WTC चक्र के लिए महत्वपूर्ण : सिराज

कोलकाता : भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को पूरा विश्वास है कि वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (WTC) के गत विजेता दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार से यहां शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में दमदार प्रदर्शन करेंगे। भारत WTC अंक तालिका में अभी तीसरे स्थान पर है। उसने इस चक्र के शुरू में घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज को दो टेस्ट मैच में हराने से पहले इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला 2-2 से श्रृंखला बराबर की थी। दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका ने अपने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खिताब का बचाव करने के अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 1-1 से ड्रॉ के साथ की। सिराज ने जियोस्टार पर कहा, 'यह श्रृंखला नए WTC चक्र के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर इसलिए क्योंकि दक्षिण अफ्रीका गत चैंपियन है। भले ही उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला 1-1 से ड्रॉ खेली, लेकिन हम अपनी अच्छी फॉर्म से आश्वस्त हैं। हमने सकारात्मक मानसिकता तैयार किया है। हमने इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन किया और वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत हासिल की।' सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया और वह 23 विकेट लेकर श्रृंखला में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और दो मैचों में 10 विकेट लिए।

एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप - भारत का शानदार प्रदर्शन, रिकर्व पुरुष और कंपाउंड महिला टीमें फाइनल में

ढाका। एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। भारतीय पुरुष रिकर्व और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने फाइनल में जगह बना ली है। अतनु दास, यशदीप संजय भोगे और राहुल की दूसरी वरीयता प्राप्त पुरुष रिकर्व टीम ने कजाकिस्तान को 5-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई है। अब फाइनल में भारत के सामने साउथ कोरिया होगा, जो सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान को 6-2 से शिकस्त देकर यहां तक पहुंचा है। भारत की पुरुष तिकड़ी ने तुर्कमेनिस्तान पर 6-2 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी, जिसके बाद क्वार्टर फाइनल में मलेशिया को 6-0 से शिकस्त दी। 25 वर्षीय संजय भोगे ने क्वालिफिकेशन राउंड में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ क्वालिफिकेशन स्कोर 687 अंक हासिल किया। इस दौरान नौ 10 शामिल थे। उन्होंने इससे पहले एकमात्र अंतरराष्ट्रीय पदक बैंकॉक में 2019 एशिया कप में मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता था। अनुभवी तीरंदाज अतनु 668 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहे, जबकि 666 अंकों के साथ राहुल ने 11वां स्थान हासिल किया।

एटीपी फाइनल्स: जैनिक सिनर ने जीत के साथ की अभियान की शुरुआत

एजेंसी

ट्यूरिन। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर ने एटीपी फाइनल्स में अपने खिताब बचाव अभियान की जोरदार शुरुआत की। ट्यूरिन के इनालपी एरेना में खेले गए राउंड-रॉबिन मुकाबले में उन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम को 7-5, 6-1 से हराकर पहला मैच अपने नाम किया। यह मुकाबला सिनर और ऑगर-अलियासिम के बीच अगस्त के बाद से चौथा था, और पिछली भिड़ंत के केवल आठ दिन बाद हुआ। नतीजा एक बार फिर वही रहा- सिनर ने धीरे-धीरे मैच पर अपनी पकड़ मजबूत करते हुए चोटिल कनाडाई खिलाड़ी को मात दी। दूसरे सेट के दौरान फेलिक्स को बाएं पिंडली में तकलीफ हुई, जिसके चलते उन्हें मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा। इस जीत के साथ सिनर ने इंडोर हार्ड कोर्ट पर अपनी लगातार

जीतों की लकीर 27 मैचों तक बढ़ा दी। उनकी आखिरी हार 2023 एटीपी फाइनल्स के फाइनल में नोवाक जोकोविच के खिलाफ आई थी। सिनर अब कार्लोस अल्काराज के साथ वर्ष के अंत में विश्व नंबर 1 बनने की दौड़ में हैं। सिनर को यह खिताब बचाना जरूरी है ताकि वे शीर्ष स्थान की दौड़ में बने रहें, जबकि अल्काराज अपने शुरुआती मैच में जीत के बाद अब केवल दो और मैच जीतकर यह स्थान सुरक्षित कर सकते हैं। पहले सेट में सिनर ने बेहतरीन शुरुआत की, पहला गेम बिना कोई अंक गंवाए जीता और अपनी सर्व पर केवल तीन अंक खोए। उन्होंने पांच ब्रेक प्वाइंट बनाए और बैकहैंड तथा फोरहैंड दोनों में शानदार नियंत्रण दिखाया।फेलिक्स ने हालांकि आठ ऐस लगाकर कड़ा मुकाबला किया और चार ब्रेक प्वाइंट बचाए, लेकिन सिनर ने 6-5 की बढ़त के समय निर्णायक ब्रेक हासिल कर पहला सेट जीत लिया। सिनर ने कहा, यह मैच काफी कठिन था, खासकर पहले सेट तक। उन्होंने बहुत आक्रामक टेनिस खेली, इसलिए मैं खुश हूं कि मैं यह चुनौती पार कर सका। इस टूर्नामेंट में पहला मैच जीतना बहुत जरूरी होता है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के स्ट्राइकर सेस्को चोटिल, स्लोवेनिया के अहम वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों से बाहर

एजेंसी

मैनचेस्टर। स्लोवेनिया को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार फॉरवर्ड और मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ी बेंजामिन सेस्को घुटने की चोट के कारण आगामी फीफा वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। सेस्को प्रीमियर लीग में टॉटनहैम हॉटस्पर के खिलाफ खेले गए मैच में 84वें मिनट में चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए थे। हालांकि क्लब ने कहा है कि यह चोट गंभीर नहीं है, लेकिन खिलाड़ी को कैरिंगटन ट्रेनिंग कॉम्प्लेक्स में निगरानी में रखा जाएगा और इस सप्ताह उनका मूल्यांकन जारी रहेगा। स्लोवेनिया को विश्व कप

क्वालिफिकेशन की उम्मीदें जिंदा रखने के लिए कोसोवो के खिलाफ जीत और 18 नवंबर को स्वीडन के खिलाफ कम से कम ड्रॉ की जरूरत है। वर्तमान में स्लोवेनिया ग्रुप बी में तीन अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। स्विट्जरलैंड (10 अंक) शीर्ष पर है, जबकि कोसोवो (7 अंक) दूसरे स्थान पर है। स्वीडन के पास केवल एक अंक है।

ओंस जाबूर ने गर्भावस्था की घोषणा की, टेनिस से लिया लंबा ब्रेक

एजेंसी

नई दिल्ली। ट्यूनिशिया की टेनिस स्टार और पूर्व विश्व नंबर 2 खिलाड़ी ओंस जाबूर ने यह घोषणा की है कि वह अपने पहले बच्चे की मां बनने वाली हैं। इसके साथ ही उन्होंने पेशेवर टेनिस से कुछ समय के लिए लंबा ब्रेक लेने का फैसला किया है। 31 वर्षीय जाबूर ने इंस्टाग्राम पर एक भावनात्मक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'मैंने खुद को रिफ्रेश और रिचार्ज करने के लिए थोड़ा ब्रेक लिया था... और अब लगता है, हमने अब तक की सबसे प्यारी वापसी की योजना बना ली है।' ट्यूनिशिया की इस स्टार खिलाड़ी, जिन्हें उनके प्रशंसक प्यार से मिनिस्टर ऑफ हैप्पीनेसकहते हैं, ने बताया कि वह अप्रैल में एक बेटे को जन्म देने वाली हैं। उन्होंने कहा कि वह फिलहाल अपने करियर को कुछ समय के लिए विराम देकर परिवार और मातृत्व पर ध्यान केंद्रित करेंगी। जाबूर, जो इस समय विश्व रैंकिंग में 79वें स्थान पर हैं, तीन बार ग्रैंड

स्लैम फाइनलिस्ट रह चुकी हैं और अब तक अपने करियर में पांच डब्ल्यूटीए सिंगल्स खिताब जीत चुकी हैं। ट्यूनिशिया की यह स्टार खिलाड़ी हाल के वर्षों में मानसिक स्वास्थ्य और डिप्रेशन को लेकर भी खुलकर बात कर चुकी हैं। उन्होंने स्वीकार किया था कि लगातार चलने वाले टूर और व्यस्त कार्यक्रम के कारण उन्हें मानसिक रूप से काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उनकी गर्भावस्था की घोषणा ऐसे समय आई है जब टेनिस जगत में खिलाड़ियों के अत्यधिक व्यस्त शेड्यूल और शारीरिक-मानसिक दबाव पर लगातार चर्चा हो रही है। फिलहाल, उनके प्रशंसक और साथी खिलाड़ी उन्हें नई जिंदगी की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। ओंस जाबूर ने वादा किया है कि वह मातृत्व के इस नए अध्याय के बाद टेनिस कोर्ट पर 'सबसे प्यारी वापसी' करेंगी।

एटलेटिको मैड्रिड पर अमेरिकी मालिकाना हक़ जल्द तय, एएससी बनेगा बहुसंख्यक शेयरधारक

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेन का दिग्गज फुटबॉल क्लब एटलेटिको मैड्रिड अब जल्द ही अमेरिकी मालिकाना हक़ के अधीन आने वाला है। क्लब ने घोषणा की कि अपोलो स्पोर्ट्स कैपिटल (एएससी) अगले साल की शुरुआत में क्लब का बहुसंख्यक शेयरधारक बन जाएगा। हालांकि सौदे की वित्तीय जानकारी का खुलासा नहीं किया गया है। समझौते के अनुसार, मौजूदा मुख्य कार्यकारी अधिकारी मिगेल एंजेल गिल मारिन और अध्यक्ष एनरिक सेरेज़ो अपने पदों पर बने रहेंगे ताकि 'क्लब की दृष्टि और नेतृत्व में निरंतरता' बनी रहे।

संयुक्त बयान में यह भी स्पष्ट किया गया कि यह समझौता 'मल्टी-क्लब स्वामित्व रणनीति' का हिस्सा नहीं है। बयान में कहा गया कि एएससी का निवेश एटलेटिको की स्थिति को विश्व फुटबॉल के दिग्गज क्लबों में और मजबूत करेगा तथा क्लब की दीर्घकालिक सफलता की महत्वाकांक्षा को बल देगा। एएससी और मौजूदा शेयरधारक क्लब के प्रबंधन के साथ मिलकर एटलेटिको मैड्रिड की वित्तीय मजबूती, खेल प्रतिस्पर्धा और सामुदायिक प्रभाव को बढ़ाने के लिए काम करेंगे। अपोलो स्पोर्ट्स कैपिटल ने पहले मैड्रिड ओपन और मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में भी निवेश किया है। कंपनी ने कहा कि वह क्लब की दीर्घकालिक योजनाओं का समर्थन करने के लिए अतिरिक्त पूंजी निवेश करेगी, जिसमें क्लब की टीमों में सुधार और सियुदाद डेल डिपोर्टे – क्लब के होम ग्राउंड मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम के पास बनने वाले

खेल और मनोरंजन परिसर – का विकास शामिल है। 2011 से डिएगो सिमियोने के कोचिंग कार्यकाल में, एटलेटिको वर्तमान में ला लिगा में चौथे स्थान पर है। क्लब ने अब तक 11 बार स्पेनिश लीग खिताब जीता है, जिसमें आखिरी बार 2020-21 सीज़न में चैंपियन बना था। टीम 2014 और 2016 में चैंपियंस लीग फाइनल में भी पहुंची थी, हालांकि दोनों बार उसे रियल मैड्रिड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। एएससी के पोर्टफोलियो मैनेजर रॉब गिवोन ने एटलेटिको मैड्रिड को 'यूरोप की महान खेल संस्थाओं में से एक' बताया।

सौरव गांगुली और कबुनी का नया मिशन- अब हर खिलाड़ी के किटबैग में होगा 'प्रोफेशनल कोच'

एजेंसी

नई दिल्ली। यूके की एआई और स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी कंपनी कबुनी ने भारत में अपने आधिकारिक लॉन्च की घोषणा की। कंपनी का मिशन है- हर बच्चे और खिलाड़ी को प्रोफेशनल स्तर की क्रिकेट कोचिंग तक पहुंच दिलाना, वह भी मोबाइल या कबुनी डिवाइस के ज़रिए।

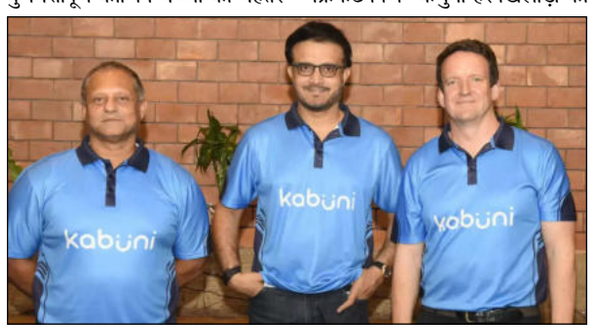

कबुनी एक एआई और लैंग्वेज मॉडल आधारित स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म है, जो दशकों के क्रिकेट डेटा, खिलाड़ी की मूवमेंट और कोचिंग ज्ञान से सीखकर व्यक्तिगत और डेटा-आधारित ट्रेनिंग प्रदान करता है। यह प्लेटफॉर्म बल्लेबाजी के कवर ड्राइव से लेकर गेंदबाज़ी की हर ऐक्शन तक को तोड़कर रियल टाइम वीडियो, इमेज, टेक्स्ट और वॉइस फीडबैक के माध्यम से विश्लेषित करता है। कप्तान और कबुनी के ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर सौरव गांगुली (दादा) ने एक आधिकारिक बयान में कहा, गुणवत्तापूर्ण कोचिंग बच्चों को बेहतर

और तेज़ सीखने में मदद करती है और उन्हें स्वस्थ जीवन की दिशा में ले जाती है। पहले इस स्तर की कोचिंग सिर्फ पेशेवर खिलाड़ियों तक सीमित थी, लेकिन अब यह सबके लिए उपलब्ध होगी। कबुनी के सह-संस्थापक और सीएफओ पैट्रिक बैडेनोच ने कहा, "चाहे सड़क पर खेलना हो, स्कूल ग्राउंड, नेट्स या क्रिकेट पिच- कबुनी हर खिलाड़ी को अपने खेल को रिकॉर्ड करने, व्यक्तिगत फीडबैक पाने और प्रगति का आनंद लेने का मौका देता है। कबुनी का विकास कैम्ब्रिज डिजाइन पार्टनरशिप के साथ मिलकर किया गया है, जो मानव प्रदर्शन और स्पोर्ट्स इनोवेशन के क्षेत्र में विश्व अग्रणी है। यह तकनीक सटीकता, सुरक्षा और सुलभता सुनिश्चित करती है – जमीनी स्तर से लेकर एलीट खिलाड़ियों तक। कंपनी ने क्रिकेट से शुरुआत की है, लेकिन आगे चलकर टेनिस, गोल्फ, बैडमिंटन, टेबल टेनिस सहित कई अन्य खेलों में भी विस्तार की योजना है। इसका लक्ष्य है – खेल, फिटनेस और समुदायिक भागीदारी को जोड़ते हुए एक मल्टी-स्पोर्ट डिजिटल इकोसिस्टम तैयार करना गांगुली ने कहा, भारत में क्रिकेट केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक धर्म है। कबुनी दुनिया का पहला ऐसा डिजिटल इकोसिस्टम है जो वास्तविक खेल को डिजिटल रूप में कैद करता है। यह सीखने में खेल को शामिल करेगा और हर खिलाड़ी को उसके भीतर छिपे एथलीट को पहचानने में मदद करेगा।

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ध्रुव जुरेल के दो शतकों से प्रभावित, बोले- फॉर्म शानदार पर टीम में जगह मुश्किल

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल की हालिया फॉर्म की खुलकर सराहना की। उन्होंने माना कि जुरेल ने लगातार शानदार प्रदर्शन करके चयनकर्ताओं के सामने अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। हालांकि, गांगुली ने यह भी कहा कि मौजूदा टेस्ट टीम की मजबूत बैटिंग लाइन-अप को देखते हुए उन्हें अंतिम एकादश में जगह बनाना आसान नहीं होगा। जुरेल की दो लगातार सेंचुरियां साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ उनकी प्रतिभा और धैर्य का प्रमाण हैं। बेंगलुरु में खेले गए दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में जुरेल ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ दोनों पारियों में सेंचुरी लगाकर सुर्खियां बटोरीं। पहली पारी में उन्होंने 175 गेंदों पर नाबाद 132 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और 4 छक्के शामिल थे। दूसरी पारी में उन्होंने 159 गेंदों पर एक और शानदार शतक ठोका। उनकी इस निरंतरता ने टीम इंडिया के चयनकर्ताओं के लिए नई मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज 14 नवंबर से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होगी, और इससे पहले जुरेल की यह फॉर्म उन्हें चयन की रेस में मजबूती से खड़ा करती है। सौरव गांगुली ने बातचीत में कहा, ध्रुव बहुत अच्छा खेल रहे हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि सिलेक्टर्स क्या सोच रहे हैं। टीम की बैटिंग ऑर्डर पहले से काफी स्थिर है, दो ओपनर्स हैं, शुभमन गिल चौथे नंबर पर, फिर पंत और केएल राहुल जैसे खिलाड़ी मौजूद हैं। जडेजा भी टीम का हिस्सा हैं, इसलिए फिलहाल जगह बनाना आसान नहीं लगता। उन्होंने यह भी कहा कि यह चयन इस बात पर निर्भर करेगा कि टीम मैनेजमेंट तीसरे नंबर पर किसे खिलाना चाहता है क्या वे युवा साई सुदर्शन को मौका देंगे या जुरेल को मौका मिलेगा।

आरसीबी पॉडकास्ट में बोले मयंक अग्रवाल, 18 साल बाद खिताब जीतना एक अधूरी कहानी का अंत था

एजेंसी

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने हाल ही में टीम के आधिकारिक पॉडकास्ट 'आरसीबी पॉडकास्ट' में अपने अनुभव साझा करते हुए आईपीएल नीलामी में अनसोल्ड रहने से लेकर आरसीबी के साथ खिताब जीतने तक के अपने सफर के बारे में खुलकर बात की। मयंक ने कहा, नीलामी के बाद मैंने खुद को 6-8 घंटे का समय दिया। हां, विचार आए कि मैं नहीं बिका, ये हो सकता था, वो हो सकता था। लेकिन, मैंने खुद से कहा– हां, तुम्हें नहीं चुना गया। इसका मतलब है कि कुछ क्षेत्रों में काम करने की जरूरत है। चाहे वो एक-दो चीजें ही क्यों न हों, उन्हें सुधारो। मैंने अपने बल्लेबाजी कोच के साथ बैठकर सुधार के बिंदु लिखे और तुरंत काम शुरू कर दिया। मयंक ने आगे बताया कि उन्होंने खुद के लिए एक सख्त

रूटीन बनाया। सुबह 5 बजे उठना, ट्रेनिंग करना, स्किल सेशन के लिए जाना, दोपहर तक खत्म करना, फिर परिवार के साथ समय बिताना और रात में आधे घंटे अगले दिन की योजना बनाना। अगर मैं दोपहर 3 या 3:30 तक दिन की योजना पूरी कर लेता था, तो खुद को थोड़ा आराम देने की अनुमति देता था, लेकिन अगले दिन की चेकलिस्ट पहले से तैयार होती थी। आरसीबी ट्रायल्स के दौरान मिले अनुभव पर मयंक ने कहा, एंडी (आरसीबी कोच) बहुत साफ थे, 'ये सिलेक्शन मैच है, या तो बनाओ या बिगाड़ो।' मुझे ये चुनौती पसंद आई। इससे मुझे असली मैच जैसा दबाव महसूस हुआ। मैंने अच्छा प्रदर्शन किया और कोच खुश थे। उन्होंने कहा, 'ये खिलाड़ी तैयार है।' ओपन नेट्स और प्रैक्टिस गेम्स में बुलाया जाना मेरे लिए फ्रेशिंग था, क्योंकि इसका मतलब था कि मुझे टीम में जगह 'कमानी' है। फाइनल मुकाबले को लेकर मयंक ने कहा, क्वालिफायर में काइल जैमीसन ने मेरे खिलाफ अच्छा ओवर डाला था। फाइनल में जब वो दोबारा आए, तो विराट ने कहा, 'वो बाउंस और शेप ले रहा है, इसलिए, स्क्वेयर शॉट्स खेलो।' पहले बाउंड्री के बाद आत्मविश्वास लौट आया और हमने दबाव पलट दिया। फिल सॉल्ट की आक्रामकता ने शुरुआत दी और मेरा काम था उस लय को बनाए रखना।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका टेस्ट सीरीज से पहले कोलकाता में शुरू किया अभ्यास सत्र

एजेंसी

कोलकाता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी अब जोरों पर है। भारतीय टीम ने मंगलवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में अपना पहला अभ्यास सत्र शुरू कर दिया। यह सीरीज भारत के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के महत्वपूर्ण अंकों की दृष्टि से अहम मानी जा रही है। पहले टेस्ट मैच की शुरुआत 15 नवंबर, शुक्रवार से होगी और टीम ने सीरीज से पहले अपनी तैयारी को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। कोलकाता में हुए पहले अभ्यास सत्र में टीम के लगभग सभी प्रमुख खिलाड़ी नज़र आए। कप्तान शुभमन गिल, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, और ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर नेट्स पर जमकर पसीना बहाते दिखे। इसके अलावा, नए चेहरे साई सुदर्शन और नीतीश कुमार रेड्डी भी सेशन का हिस्सा बने। यह दोनों खिलाड़ी चयनकर्ताओं की नई रणनीति के प्रतीक हैं, जिनमें भविष्य की संभावनाएं देखी जा रही हैं। प्रैक्टिस के दौरान सबसे दिलचस्प नजारा था। कप्तान शुभमन गिल और हेड कोच गौतम गंभीर के बीच लंबी बातचीत। दोनों मैदान के किनारे खड़े होकर बल्लेबाज़ी क्रम, पिच की प्रकृति और रणनीतिक बदलावों पर चर्चा करते दिखे। गिल ने थ्रोडाउन विशेषज्ञों के साथ नेट्स में काफी देर तक बल्लेबाजी की, जबकि दूसरी ओर जायसवाल और साई सुदर्शन ने अपने फुटवर्क पर खास ध्यान दिया। गौतम गंभीर, जो अपने आक्रामक और रणनीतिक सोच के लिए जाने जाते हैं, टीम को एक नई दिशा देने की कोशिश में हैं। उनके मार्गदर्शन में युवा कप्तान गिल अपने नेतृत्व कौशल को और निखारने में जुटे हैं। नेट्स के अलावा, भारतीय टीम ने एक विशेष कैचिंग और फील्डिंग ड्रिल भी आयोजित की। इसमें रवींद्र जडेजा, बुमराह, साई सुदर्शन, और नीतीश कुमार रेड्डी ने हिस्सा लिया। गेंदबाज़ी विभाग में बुमराह ने अपनी लय पर काम किया, जबकि मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल ने पिच पर गेंद की मूवमेंट को समझने की कोशिश की। वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव ने स्पिन अटैक की कमान संभाली और बल्लेबाज़ों के खिलाफ कई ओवर डाले।

विश्व कप शतरंज : अर्जुन, प्रज्ञानंदा समेत पाँच खिलाड़ी अंतिम 32 में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

एजेंसी

गोवा। फीडे विश्व कप 2025 के तीसरे दौर के टाईब्रेक मुकाबलों के साथ आज तीसरा राउंड भी पूरा हो गए 24 खिलाड़ियों के सबसे बड़े दल के साथ शुरू हुआ भारत के अभियान अंतिम 32 तक पहुंचते पहुंचते अब 5 खिलाड़ियों के कंधों पर टिका हुआ है। कल विश्व चैम्पियन डी गुकेश की विदाई के बाद आज टाईब्रेक में भारत के विदित गुजराती यूएसए के सैम शंकलैंड से 3.5-2.5 से हारकर तो एसएल नारायणन चीन के यू यांग्यी से 2.5-1.5 से हारकर बाहर हो गए। वहीं आज टाईब्रेक खेल रहे भारतीयों में कार्तिक वेंकटरामन एकमात्र ऐसे खिलाड़ी थे जो रोमानिया के डेक बोगदान डेनियल को 2.5-1.5 से पराजित करते हुए अगले दौर में प्रवेश करने में सफल रहे यह कार्तिक के खेल जीवन का अब तक का सबसे बड़ा सफल परिणाम है। अब आगे की चुनौती है और कठिन : अब तक के सबसे ज्यादा उलटफेर वाले विश्व कप के तौर पर गोवा विश्वकप को पहचाना जा रहा है और भारत के लिए इन पांचों खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा अर्जुन और प्रज्ञानंदा पर सबकी नजरे है। अब एक दिन के विश्राम के बाद अर्जुन एरिगेसी का सामना हंगरी के दिग्गज खिलाड़ी पीटर लेको से होगा जबकि प्रज्ञानंदा के सामने होंगे रूस के पूर्व रैपिड विश्व चैम्पियन डेनियल डुबोव, पेंटाला हरिकृष्णा का सामना स्वीडन के नील्स ग्रैंडेलियस से होगा जबकि प्रणव वी उज्बेकिस्तान के याकुब्बोएव नोदीरबेक से टक्कर लेंगे।

जापान ओपन में लय पाने की कोशिश करेंगे लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय

एजेंसी

कुमामोटो (जापान)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू हो रहे 4,75,000 अमेरिकी डॉलर इनामी कुमामोटो मास्टर्स जापान सुपर 500 टूर्नामेंट में अपनी लय वापस पाने की कोशिश करेंगे। वहीं उभरते खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से उम्मीदों को हकीकत में बदलने की तैयारी में हैं।

लक्ष्य सेन ने लंबे समय के फीके प्रदर्शन के बाद शानदार वापसी की है। उन्होंने हांगकांग ओपन में उपविजेता रहकर आत्मविश्वास हासिल किया और उसके बाद डेनमार्क व हायलो ओपन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। अब 24 वर्षीय यह खिलाड़ी, जो पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहा था, इस लय को जारी रखना चाहेगा। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन का पहला मुकाबला जापान के विश्व नंबर 25 कोकी वातानाबे से होगा, जो चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। एचएस प्रणय, जो 2023 विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीत चुके हैं, पिछले कुछ समय से फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे हैं। पेरिस ओलंपिक से पहले चिकनगुनिया ने उनकी तैयारी पर असर डाला था और वे दर्द के बावजूद ओलंपिक में खेले, लेकिन शुरुआती दौर में बाहर हो गए। 33 वर्षीय प्रणय, जिन्होंने पिछले वर्ष

मलेशिया मास्टर्स का खिताब जीता था और ऑस्ट्रेलियन ओपन में उपविजेता रहे थे, अब चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। वे पहले दौर में मलेशिया के जुन हाओ लियोंग के खिलाफ उतरेंगे। प्रणय ने कोरिया ओपन में इंडोनेशिया के चिको ऑरा द्वी वार्डोयो के खिलाफ पहले दौर का मैच बीच में ही रिब की चोट के कारण छोड़ दिया था। करीब एक महीने के आराम के बाद वे अब कोर्ट पर लौटने को तैयार हैं। अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों में आयुष शेट्टी पर सबकी नजरें रहेंगी, जिन्होंने यूएस ओपन जीता था और हायलो ओपन में पूर्व विश्व चैम्पियन लो कियान यू को हराया था। आयुष का पहला मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुनलावत वितिदसार्न से होगा। इसके अलावा थरुन मन्नेपल्ली, जिन्होंने मकाऊ ओपन सुपर 300 में सेमीफाइनल तक पहुंचकर प्रभावित किया था, कोरिया के जियोन ह्योक जिन से भिड़ेंगे, जबकि किरण जॉर्ज, जिन्होंने हायलो ओपन में फ्रांस के टोमा जूनियर पॉपोव को हराया था, पहले दौर में एक क्वालिफायर से भिड़ेंगे।

मिक्स्ड डबल्स में भारत की जोड़ी रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे का सामना अमेरिका की जोड़ी प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गैई से होगा। अन्य श्रेणियों में कोई भारतीय भागीदारी नहीं होगी।

अडानी समूह गुजरात के खावड़ा में बनायेगा बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली

एजेंसी

अहमदाबाद। अडानी समूह ने 1126 मेगावाट बिजली क्षमता और 3530 मेगावाट आवर ऊर्जा क्षमता वाली परियोजना के साथ बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) क्षेत्र में कदम रखने की घोषणा की है। समूह ने मंगलवार को बताया कि इस परियोजना में 700 से ज़्यादा बीईएसएस कंटेनर लगाये जायेंगे, जो देश में सबसे बड़ा बीईएसएस इंस्टॉलेशन होगा और दुनिया के सबसे बड़े सिंगल-लोकेशन बीईएसएस डिप्लॉयमेंट में से एक होगा। इस परियोजना के मार्च 2026 तक चालू होने की संभावना है। अडानी समूह की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह पहल देश की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने, चौबीसों घंटे बिजली देने और देश को लो-कार्बन भविष्य की ओर ले जाने में एक बड़ा कदम है। यह परियोजना पीक लोड प्रेशर को कम करने, ट्रांसमिशन कंजेशन को घटाने और सोलर कटौती को कम करने में अहम भूमिका निभायेगा, जिससे ग्रिड की विश्वसनीयता और दक्षता में सुधार होगा। यह परियोजना गुजरात के खावड़ा में अडानी के नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र में बनायी जा रही है और इसपर काफी काम हो भी चुका है। इसे अत्याधुनिक लिथियम-आयन बैटरी टेक्नोलॉजी के साथ विकसित किया जा रहा है और बेहतर प्रदर्शन तथा विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली के साथ जोड़ा जा रहा है।

वोडाफोन आइडिया को दूसरी तिमाही में 5,524 करोड़ रुपये का नुकसान

मुंबई। दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 5,524 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। कंपनी के जारी वित्तीय परिणामों के अनुसार, तिमाही के दौरान परिचालन से प्राप्त कुल राजस्व 2.4 प्रतिशत बढ़कर 11,194.7 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने बताया कि सितंबर 2025 तक उसका बैंक ऋण घटकर 15.3 अरब डॉलर रह गया, जबकि उसके पास 30.8 अरब डॉलर की नकदी और बैंक बैलेंस है। वोडाफोन आइडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिजीत किशोर ने बताया कि कंपनी ने अपने 4जी कवरेज को 84 प्रतिशत तक बढ़ाया है और 17 सर्किलों में 5जी के रोलआउट का काम पूरा हो गया है। उन्होंने बताया कि कंपनी डेट के जरिये 500-550 अरब रुपये के पूंजी निवेश की अपनी योजना पर काम कर रही है।

भारतीय कंपनियों का देश के बाहर प्रत्यक्ष निवेश अक्टूबर में 17 फीसदी घटा

मुंबई। भारतीय कंपनियों का देश के बाहर प्रत्यक्ष निवेश (ओएफडीआई) अक्टूबर में सालाना आधार पर 16.56 प्रतिशत घटकर 314.10 करोड़ डॉलर रह गया।भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया कि इक्विटी में ओएफडीआई 132.85 प्रतिशत बढ़कर 185.29 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया जबकि ऋण में निवेश 44.10 फीसदी घटकर 73.87 करोड़ डॉलर रह गयी। साथ ही, भारतीय निवेशकों ने गारंटी के माध्यम से 54.94 करोड़ रुपये का निवेश किया जो पिछले साल अक्टूबर की तुलना में 66.65 प्रतिशत कम है।

बीएलएस ई-सर्विसेज को दूसरी तिमाही में 276 करोड़ रुपये की आय

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी-सक्षम डिजिटल सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी बीएलएस ई-सर्विसेज ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के दौरान 226.8 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि के साथ 276.0 करोड़ रुपये की कुल आय अर्जित की। इसमें कंपनी ने 18.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। बीएलएस इंटरनेशनल की इस सहायक भारतीय कंपनी ने पिछले वर्ष इसी तिमाही में कुल 84.5 करोड़ रुपये की कुल आय दर्शायी थी। इस वित्त वर्ष की आय को पिछले वर्ष से तुलना करना ठीक नहीं होगा क्यों कि इसमें ऐडीफिडेलिस सोल्यूशन्स के कारोबार के कंपनी में एकीकरण का भी योगदान है। कंपनी ने सोमवार को एक विज्ञप्ति में कहा, ' यह वृद्धि कंपनी के मजबूत व्यावसायिक प्रदर्शन और ऐडीफिडेलिस सोल्यूशन्स के एकीकरण से संभव हुई।

दूसरी तिमाही में कंपनी की परिचालन से आय 269.8 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 77.2 करोड़ रुपये थी। यह परिचालन राजस्व में सालाना आधार पर 249.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी का परिचालन लाभ (एबिडटा) सालाना आधार पर 26.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 26.3 करोड़ रुपये रहा जो विछले वित्त वर्ष में इसी दौरान 20.8 करोड़ रुपये था। दूसरी तिमाही में कर पश्चात लाभ 23.1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 18.3 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले इसी अवधि में 14.9 करोड़ रुपये था। दूसरी तिमाही में लाभ का मार्जिन 6.6 प्रतिशत रहा। कंपनी की कुल छमाही आय 216.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 527.2 करोड़ रुपये रही। पिछले वर्ष इसी दौरान आय 166.8 करोड़ रुपये थी। दूसरी तिमाही में कंपनी का परिचालन लाभ और शुद्ध लाभ क्रमशः 51.2 करोड़ रुपये और 35.8 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले यह क्रमशः 39.5 करोड़ रुपये और 27.5 करोड़ रुपये था।

दिल्ली में 'उद्योग संगम' में मध्य प्रदेश करेगा अपने नवाचारों की प्रस्तुति

एजेंसी

भोपाल। केंद्र सरकार के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा नई दिल्ली में मंगलवार, 11 नवम्बर को 'उद्योग संगम' (उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रियों का सम्मेलन) का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर के इस सम्मेलन देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री सहभागिता करेंगे। इस कार्यक्रम में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल मुख्य अतिथि रहेंगे। इस सम्मेलन में व्यापार सुधार कार्य योजना के परिणाम जारी किए जाएंगे और ईजी ऑफ डूइंग बिजनेस के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्यों को सम्मानित किया जाएगा। जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने जानकारी दी कि दिल्ली में आयोजित 'उद्योग संगम' में मध्य प्रदेश अपने नवाचारों की प्रस्तुति करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विजन के अनुरूप राज्य में निवेशकों के लिए व्यवसायिक

सुगमता, पारदर्शिता और दक्षता को नई दिशा दी गई है। 434 सुधारों का प्रभावी क्रियान्वयन मध्य प्रदेश द्वारा किया गया है। इन सुधारों में प्रोसेस इंजीनियरिंग, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और निवेश प्रोत्साहन से जुड़े कई उल्लेखनीय कदम शामिल हैं, जिनसे राज्य की औद्योगिक छवि सशक्त हुई है। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश के उद्योग विभाग द्वारा 'उद्योग संगम' में निवेश एमपी पोर्टल के माध्यम से स्थापित एकल खिड़की प्रणाली, राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली (एनएसडब्ल्यूएस) के साथ एकीकरण (, औद्योगिक भूमि बैंक की सुविधा, गति शक्ति से जुड़ी लॉजिस्टिक सुधार पहल, ऑनलाइन क्लियरेंस प्रणाली, और स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करने वाले नवाचार प्रमुख रूप से प्रदर्शित किए जाएंगे।

इन सुधारों से राज्य में उद्योग स्थापना और संचालन प्रक्रियाएँ न केवल सरल हुई हैं, बल्कि निवेशकों का विश्वास भी अभूतपूर्व रूप से बढ़ा है। Ease of Doing Business में मध्य प्रदेश का प्रदर्शन देश के अग्रणी राज्यों में गिना जा रहा है और 'उद्योग संगम' में राज्य की पहलें अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में प्रस्तुत की जाएंगी। कार्यक्रम के दौरान DPIIT सचिव द्वारा स्वागत उद्बोधन के बाद औद्योगिक पार्क, स्टार्टअप्स, गतिशक्ति, लॉजिस्टिक्स, और Ease of Doing Business पर विभिन्न विषयगत प्रस्तुतियाँ होंगी। सत्र के समापन पर BRAP 2024 Video Release और राज्यों के Felicitation समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्वारा राज्यों को सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश लगातार इस दिशा में कार्य कर रहा है, जहाँ उद्योग स्थापना और निवेश प्रक्रियाएँ सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनें। 'उद्योग संगम' में राज्य की प्रस्तुति इसी विजन का प्रतीक होगी।

कैट ने दत्तोपंत ठेंगड़ी की जयंती पर 'स्वदेशी अपनाओ-आत्मनिर्भर भारत बनाओ' का लिया संकल्प

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने राष्ट्र ऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी की 105वीं जयंती पर एक समारोह में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने ठेंगड़ी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन और विचारों को नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित कारोबारियों और जनसमूह ने स्वदेशी अपनाओ-आत्मनिर्भर भारत बनाओ का संकल्प लिया। कैट ने एक बयान में बताया कि यह कार्यक्रम कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स तथा भामाशाह फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चांदनी चौक के सांसद खंडेलवाल ने कहा कि राष्ट्रऋषि ठेंगड़ी न केवल भारतीय मजदूर संघ और भारतीय किसान संघ के संस्थापक थे, बल्कि वे भारतीय अर्थचिंतन के प्रखर मनीषी और स्वदेशी दर्शन के प्रणेता थे। उनका सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रीयता, श्रम, स्वावलंबन और आत्मगौरव के अद्भुत संगम का प्रतीक रहा। उन्होंने कहा कि ठेंगड़ी जी का जीवन हमें यह सिखाता है कि भारत की आर्थिक आजादी का मार्ग केवल स्वदेशी से होकर जाता है। आज जब भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर है, तब ठेंगड़ी जी के विचार और भी प्रासंगिक हो गए हैं। उनका चिंतन हर व्यापारी, श्रमिक और किसान के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी केवल एक आर्थिक नीति नहीं, बल्कि यह भारत की आत्मा है और हमें ठेंगड़ी जी के बताए मार्ग पर चलते हुए स्वदेशी अर्थव्यवस्था को सशक्त करना होगा। समारोह के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने यह संकल्प दोहराया कि वे अपने जीवन और व्यवसाय में भारतीय उत्पादों और भारतीय मूल्यों को सर्वोपरि रखेंगे तथा राष्ट्रऋषि ठेंगड़ी के विचारों को व्यवहार में उतारने का निरंतर प्रयास करेंगे।

अजमान न्यूवेंचर्स सेंटर फ्री जोन ने 6,500 से अधिक बिजनेस की मौजूदगी दर्ज कर रचा इतिहास

एजेंसी

नई दिल्ली। अजमान न्यूवेंचर्स सेंटर फ्री जोन (एएनसीएफजैड) ने अपने कारोबार के पहले साल ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। अजमान नुवेंचर्स सेंटर फ्री जोन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ऋषि सोमैया ने कहा कि इसकी शुरुआत अक्टूबर 2024 में की गई। अब तक 6,500 से अधिक रजिस्टर्ड कंपनियां यहां आ गई हैं। ये अजमान के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। सोमैया ने कहा कि पंजीकृत कंपनियों का आंकड़ा अगले साल 10,000 के पार पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से करीब 45-50 प्रतिशत कंपनियां भारत से होंगी। अजमान न्यूवेंचर्स, 'फ्री जोन' में निवेश को बढ़ावा देने के लिए नई दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई में रोड-शो आयोजित कर रही है। यूएई के सबसे डायनामिक बिज़नेस हब के बीच खास पहचान और एफडीआई में बड़े योगदान के साथ यह निवेशकों और उद्यमियों की पहली पसंद बन रहा है। वे बेहतर कार्य क्षमता, कम लागत और डिजिटल

सुविधा की चाहत में एएनसीएफजैड का रुख कर रहे हैं। एएनसीएफजैड के चेयरमैन शेख मोहम्मद बिन अब्दुल्ला अल नुएमी ने कहा कि अजमान के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। यह अजमान विजन 2030 के अनुसार कारोबार के शानदार केंद्र के रूप में इसकी स्थिति मजबूत होने का प्रमाण है। एक साल के अंदर 6,500 से अधिक कंपनियों का यहां आना अजमान की दूरदर्शी आर्थिक नीतियों और फ्री ज़ोन के इनोवेटिव डिजिटल मॉडल पर उद्यमियों के अटूट भरोसे का प्रमाण है। एएनसीएफजैड ने शुरू से ही पूरी तरह इंटीग्रेटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम इस क्षेत्र में बिज़नेस खड़ा करने का नया नजरिया पेश किया है। यह निवेशकों को दो घंटे के अंदर बिज़नेस लाइसेंस और 24 घंटे के अंदर वीज़ा प्रोसेसिंग का काम पूरा करने की सुविधा देता है।

शैलेस चंद्रा होंगे वाहन बनाने वाली कंपनियों के अंतरराष्ट्रीय संगठन के अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व ऑटोमोटिव उद्योग निकाय ओआईसीए ने सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा को अपना नया अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की है। ओआईसीए ने एक बयान में कहा कि उसने सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा को अपना अध्यक्ष चुना है। उनका कार्यकाल 01 नवंबर से प्रभावी होगा। वह एलायंस फॉर ऑटोमोटिव इनोवेशन (अमेरिका) के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉन बोजेला का स्थान लेंगे। देश के अग्रणी ऑटोमोबाइल निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था सियाम के अध्यक्ष और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के एमडी और सीईओ शैलेश चंद्रा ने एक बयान में कहा, भारत से पहला ओआईसीए अध्यक्ष बनना सम्मान की बात है, जो

संगठन के वैश्विक प्रतिनिधित्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे वैश्विक ऑटोमोटिव उद्योग स्थायी गतिशीलता की ओर बढ़ रहा है और दुनियाभर की सरकारों के दृष्टिकोण के अनुरूप 'नेट जीरो' का लक्ष्य हासिल कर रहा है, ओआईसीए की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। शैलेश चंद्रा ने कहा कि हर क्षेत्र की विविधता को स्वीकार करने के लिए, क्योंकि हम सामूहिक रूप से अपने वाहनों को अधिक आकांक्षी, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने का प्रयास करते हैं।

सरकार का लक्ष्य भारत को हरित हाइड्रोजन का वैश्विक केंद्र बनाना : प्रह्लाद जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि सरकार का लक्ष्य भारत को हरित हाइड्रोजन के उत्पादन, उपयोग और निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसे नवीन प्रस्तावों की प्रतीक्षा है, जो हरित हाइड्रोजन उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ा सकें।

ई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में हरित हाइड्रोजन 2025 पर तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीकों को प्रदर्शित करने वाली पायलट परियोजनाओं के लिए नए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं, जिनमें 100 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए बायोमास का उपयोग भी शामिल है। प्रल्हाद जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि हरित हाइड्रोजन को केवल एक विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि आर्थिक आवश्यकता के रूप में देखा

जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत सरकार का मुख्य ध्यान ऐसी नवीन तकनीकों के विकास पर है, जो हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए बायोमास या अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग करें। ये सम्मेलन राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम) को आगे बढ़ाने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने आगे कहा कि भारत का लक्ष्य दुनियाभर में स्वच्छ मूल्य श्रृंखलाओं और हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था में अग्रणी बनना है। उन्होंने विश्व एक परिवार है के सिद्धांत पर जोर दिया और कहा कि भारत की हरित हाइड्रोजन यात्रा से पूरे ग्रह को लाभ होगा। दो दिवसीय यह सम्मेलन हरित हाइड्रोजन के विकास और विभिन्न क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोगों से संबंधित विषयों पर केंद्रित होगा। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने वाली शुरुआती परियोजनाओं के लिए नए प्रस्ताव को आमंत्रित किए। इनमें 100 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए 'बायोमास' का उपयोग भी शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कार्यान्वयन एजेंसी जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) जल्द ही इच्छुक एजेंसियों और अनुसंधान संस्थानों से भागीदारी को आमंत्रित करते हुए प्रस्तावों के लिए आमंत्रण जारी करेगी।

अडानी समूह गुजरात के खावड़ा में बनायेगा बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली

एजेंसी

अहमदाबाद। अडानी समूह ने 1126 मेगावाट बिजली क्षमता और 3530 मेगावाट आवर ऊर्जा क्षमता वाली परियोजना के साथ बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) क्षेत्र में कदम रखने की घोषणा की है। समूह ने मंगलवार को बताया कि इस परियोजना में 700 से ज़्यादा बीईएसएस कंटेनर लगाये जायेंगे, जो देश में सबसे बड़ा बीईएसएस इंस्टॉलेशन होगा और दुनिया के सबसे बड़े सिंगल-लोकेशन बीईएसएस डिप्लॉयमेंट में से एक होगा। इस परियोजना के मार्च 2026 तक चालू होने की संभावना है।

अडानी समूह की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह पहल देश की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने, चौबीसों घंटे बिजली देने और देश को लो-कार्बन भविष्य की ओर ले जाने में एक बड़ा कदम है। यह परियोजना पीक लोड प्रेशर को कम करने, ट्रांसमिशन कंजेशन को घटाने और सोलर कटौती को कम करने में अहम भूमिका निभायेगा, जिससे ग्रिड की विश्वसनीयता और दक्षता में सुधार होगा। यह परियोजना गुजरात के खावड़ा में अडानी के नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र में बनायी जा रही है और इसपर काफी काम हो भी चुका है। इसे अत्याधुनिक लिथियम-आयन बैटरी टेक्नोलॉजी के साथ विकसित किया जा रहा है और बेहतर प्रदर्शन तथा विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली के साथ जोड़ा जा रहा है।

अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने कहा, ऊर्जा भंडारण नवीकरणीय ऊर्जा से चलने वाले भविष्य की आधारशिला है। इस ऐतिहासिक परियोजना के साथ हम न केवल वैश्विक मानक स्थापित कर रहे हैं, बल्कि देश की ऊर्जा स्वतंत्रता और सस्टेनेबिलिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी मजबूत कर रहे हैं। यह पहल हमें बड़े पैमाने पर विश्वसनीय, स्वच्छ और किफायती ऊर्जा समाधान देने में सक्षम बनायेगी।

फुजियामा पावर सिस्टम्स लिमिटेड का आईपीओ 13 नवंबर को खुलेगा, मूल्य दायरा 216-228 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। फुजियामा पावर सिस्टम्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) गुरुवार, 13 नवंबर को खुलेगा। निवेशक इसमें 17 नवंबर तक निवेश के लिए बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए मूल?य का दायरा 216-228 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इसके शेयर 20 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे। 'रूफटॉप' सौर उद्योग के लिए समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी ने बताया कि ये आईपीओ 600 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 10 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस इश्यू के लिए बड़े (एंकर) निवेशक 12 नवंबर को बोली लगा पाएंगे। फुजियामा पावर सिस्टम्स लिमिटेड की योजना इस

आईपीओ के जरिए 828 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी के मुताबिक एक रुपये अंकित मूल्य वाले फुजियामा पावर सिस्टम्स लिमिटेड के आईपीओ के लिए निवेशक न्यूनतम 65 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 65 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी की योजना नए इश्यू से प्राप्त 1,800 मिलियन रुपये की शुद्ध आय का रतलाम, मध्य प्रदेश में विनिर्माण सुविधा स्थापित करने और 2,750 मिलियन रुपये कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधारों के कुछ हिस्से के पुनर्भुगतान और पूर्व भुगतान के लिए तथा शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि फुजियामा पावर सिस्टम्स लिमिटेड की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। ये कंपनी रूफटॉप सोलर इंडस्ट्री में काम करती है। इसके अलावा ऑन-ग्रिड, ऑफ-ग्रिड और हाइब्रिड सोलर सिस्टम जैसे कई समाधान भी प्रदान करती है। कंपनी ने 522 से अधिक उत्पाद तैयार किए हैं, जिनमें सोलर इनवर्टर, सोलर पैनल और बैटरियां शामिल हैं।

ई-कॉमर्स मंच के लिए 'मूल देश' फिल्टर को अनिवार्य करने का प्रस्ताव

एजेंसी

नई दिल्ली। । उपभोक्ता मामलों के विभाग ने ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के लिए ऑनलाइन बेचे जाने वाले पैकेज्ड वस्तुओं के लिए 'मूल देश' के आधार पर खोज योग्य और क्रमबद्ध फिल्टर प्रदान करना अनिवार्य बनाने के लिए एक संशोधन का प्रस्ताव दिया है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय उपभोक्ता कार्य विभाग ने विधिक माप विज्ञान (पैकेज्ड कमोडिटीज) (द्वितीय) संशोधन नियम, 2025 का मसौदा जारी किया है। इस संशोधन से उपभोक्ताओं को ऑनलाइन खरीदारी करते समय उत्पादों की उत्पत्ति की आसानी से पहचान करने में मदद मिलेगी। यह कदम डिजिटल मार्केटप्लेस में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि संशोधन नियमों का मसौदा सार्वजनिक परामर्श के लिए विभाग की वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया गया है और हितधारकों से 22 नवंबर, 2025 तक dirwm-ca[at]nic[dot]in, ashutosh.agarwalvx[at]nic[dot]in, या mk.naik|w[at]gov[dot]in पर टिप्पणियां आमंत्रित हैं। मसौदा अधिसूचना मंत्रालय की वेबसाइट पर यहां देखी जा सकती है। यह संशोधन 'मेड इन इंडिया' उत्पादों को आसानी से खोज योग्य बनाकर 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल

फॉर लोकल' पहल का प्रत्यक्ष समर्थन करता है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुताबिक यह प्रस्तावित संशोधन एक पारदर्शी, उपभोक्ता-अनुकूल और प्रतिस्पर्धी ई-कॉमर्स प्रणाली के निर्माण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है, जो राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है और डिजिटल बाजारों में उपभोक्ता विश्वास को बढ़ाता है।

भारत के साथ व्यापार समझौते के काफी करीबः ट्रम्प

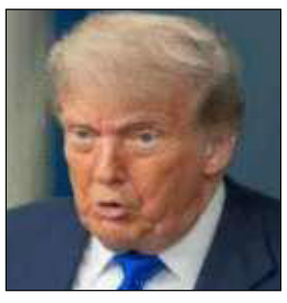

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका, भारत के साथ नये व्यापार समझौते के काफी करीब है। श्री ट्रम्प ने यहां भारत में अमेरिका के राजदूत पद पर नियुक्त हुए सर्जियो गोर के शपथ ग्रहण समारोह के मौके पर अपने ओवल कार्यालय में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि यह एक निष्पक्ष व्यापार समझौता होगा और पुराने समझौते से बिल्कुल अलग होगा। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने इस साल अगस्त से भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया है। इसमें 25 प्रतिशत रूस से तेल आयात करने और शेष 25 प्रतिशत भारत में अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क की ऊंची दरों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के तौर पर लगाया गया है।

उतार चढ़ाव के बीच मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी को बढ़त

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह के कारोबार में गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार इस सप्ताह के पहले कारोबारी दिन आज मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। हालांकि आज के कारोबार में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। इसके बावजूद ज्यादातर समय खरीदारों का पलड़ा ही भारी रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.38 प्रतिशत और निफ्टी 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान डिफेंस, आईटी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एनर्जी, मेटल, बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 468.12 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 466.31 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.81 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,513 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,962 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,372 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 179 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,863 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,356 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,507 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में बंद हुए।बीएसई का सेंसेक्स आज 18.08 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 83,198.20 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती 1 घंटे के कारोबार में बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से दोपहर 1 बजे के करीब सेंसेक्स 538.21 अंक की मजबूती के साथ 83,754.49 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट का रुख बन गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 200 अंक से अधिक फिसल कर 319.07 अंक की बढ़त के साथ 83,535.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 11.20 अंक की मामूली तेजी के साथ 25,503.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद पहले घंटे के कारोबार में उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद इस सूचकांक को खरीदारों का सहारा मिल गया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 1 बजे के करीब निफ्टी 161.15 अंक उछल कर 25,653.45 अंक तक पहुंच गया इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। खासकर, आखरी 1 घंटे के कारोबार में हुई बिकवाली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से लगभग 80 अंक टूट कर 82.05 अंक की मजबूती के साथ 25,574.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

बीबीसी के दो प्रमुख अधिकारियों ने पदों से इस्तीफा दिया

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन के सार्वजनिक सेवा प्रसारक, ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग सर्विसेज (बीबीसी) के निदेशक-महानिदेशक टिम डेवी और समाचार प्रमुख डेबी फ्लेचर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक वृत्तचित्र - संपादन से जुड़े विवाद के तूल पकड़ने के बाद अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। बीबीसी के बोर्ड ने यहां जारी एक बयान में कहा कि इस्तीफे 'संगठन की विश्वसनीयता को बहाल करने' के लिए आवश्यक थे, क्योंकि वृत्तचित्र 'ट्रंपः द अनटोल्ड स्टोरी' के संपादन में 'संपादकीय मानकों का उल्लंघन' पाया गया। यह वृत्तचित्र ट्रंप के पहले कार्यकाल (2017-2021) पर केंद्रित था और उसे पहले मूल रूप से बीबीसी टू पर प्रसारित करने की योजना थी। हालांकि इसके अंतिम संस्करण में ट्रंप के 2021 के 'कैपिटल हिल' दंगों संबंधी विवादास्पद बयानों को 'संदर्भ से बाहर' बताकर काट-छांट दिया गया था। इसे ट्रंप समर्थक 'ट्रंप-विरोधी पूर्वाग्रह' का प्रमाण करार दे रहे थे। इस बीच 2013 से बीबीसी के शीर्ष पद पर रहे डेवी ने अपने इस्तीफे में कहा, 'मैं बीबीसी की निष्पक्ष पत्रकारिता के प्रति प्रतिबद्ध हूं। इस विवाद ने संगठन को नुकसान पहुंचाया है, और मैं जिम्मेदारी लेते हुए यह कदम उठा रहा हूं।'

इक्वाडोर की माचला जेल में हुई हिंसक झड़पों में 31 कैदी मारे गए

क्विटों। दक्षिण अमेरिका महाद्वीप स्थित इक्वाडोर के दक्षिण-पश्चिमी माचला जेल में दो अलग-अलग हिंसक घटनाओं में कम से कम 31 कैदी मारे गए, जिसमें 27 की फांसी लगा कर या गला घोंटकर हत्या कर दी गई ।इक्वाडोर की जेल सेवा, एसएनएआई के एक अधिकारी ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि ये हमले हथियारबंद दंगों के दौरान हुए, जिसमें 30 से अधिक कैदी घायल भी हुए। अधिकारी ने कहा, ऐसा दो अलग अलग हिंसक घटनाओं के दौरान हुआ। पहले एक हथियारबंद संघर्ष में चार कैदियों की हत्या हुई, जबकि दूसरी घटना में 27 कैदियों को फांसी लगा कर या गला घोंट कर मार दिया गया। अधिकारी ने बताया कि दंगे की शुरुआत तब हुई जब कुछ कैदियों ने अधिक सुरक्षा वाली जेल में स्थानांतरण का विरोध किया, जिसके बाद कैदियों के गिरोहों के बीच झड़प हुई।एल ओरो प्रांत स्थित माचला जेल, इक्वाडोर में कैदियों की सबसे ज्यादा तादाद वाली जेलों में से एक है, जहां लगभग 5,000 कैदी हैं। इस बीच एसएनएआई के अनुसार, घटना के दौरान जेल में आगजनी और तोड़फोड़ भी हुई, लेकिन सुरक्षा बलों ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया। घायलों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, और जांच के लिए फोरेंसिक टीमें मौके पर पहुंची हैं।

जापान ने ताइवान पर चीन के राजदूत के बयान की कड़ी निंदा की

टोक्यो। जापान ने चीन के राजदूत की ताइवान से जुड़ी टिप्पणियों को 'अत्यंत अनुचित' बताते हुए उसकी कड़ी निंदा की है। जापान ने कहा है कि ऐसी टिप्पणियां जापान की संप्रभुता और क्षेत्रीय शांत के खिलाफ हैं। जापान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि चीनी राजदूत वू जियाओहाओ की टिप्पणियां जापान की संप्रभुता और क्षेत्रीय शांति के खिलाफ हैं, जो ताइवान पर चीन के दावों को मजबूत करने का प्रयास करती मालूत देती हैं। जापान की ओर से यह बयान उस समय आया है जब चीन के राजदूत वू जियाओहाओ ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में जापान को चेतावनी दी कि यदि वह ताइवान को समर्थन देता है, तो जापानी लोग आग में झुलस जाएंगे। यह टिप्पणी जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची की ताइवान की प्रस्तावित यात्रा के दौरान आई है। ताकाइची ताइवान के साथ आर्थिक और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने की इच्छुक हैं। इस बीच जापान के विदेश मंत्री योशिमासा हायाशी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, राजदूत की टिप्पणियां अत्यंत अनुचित और जापान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का उदाहरण हैं। हम चीन से ऐसी बयानबाजी बंद करने और बातचीत के माध्यम से तनाव कम करने की अपेक्षा करते हैं।

पाकिस्तान के इस्लामाबाद में कोर्ट के बाहर धमाका, कई घायल

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में डिस्ट्रिक्ट ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स के बाहर जोरदार धमाका हुआ है। स्थानीय मीडिया के अनुसार इस हादसे में करीब 6 लोग घायल हो गए हैं। समा टीवी के अनुसार धमाके की आवाज पुलिस लाइंस हेडक्वार्टर तक सुनाई दी, जिससे आस-पास के इलाकों में दहशत फैल गई। अफरातफरी के बीच इमरजेंसी टीमें और सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंची। धमाके के बाद पूरे इलाके को घेर लिया गया है। कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं जिसमें पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की कि धमाका कोर्ट की पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में हुआ। धमाके से कई गाड़ियों को नुकसान हुआ और छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए पीआईएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉन न्यूज के मुताबिक धमाका इस्लामाबाद के जी-11 इलाके में हुआ है। हम न्यूज आउटलेट के अनुसार बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच मलबे की जांच कर रहा है। फिलहाल पता नहीं लग पाया है कि धमाका किसी लगाए गए डिवाइस, गैस सिलेंडर या मैकेनिकल खराबी के कारण हुआ है। धमाके के बाद पूरे न्यायिक परिसर को खाली करा लिया गया है।

पाकिस्तान में सेना प्रमुख को मिलेगी और अधिक शक्तियां, सुप्रीम कोर्ट की भूमिका सीमित करने वाला संवैधानिक संशोधन पारित

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संसद के उच्च सदन सीनेट ने एक महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधन को मंजूरी दी, जिसके तहत सेना प्रमुख को और अधिक अधिकार दिए जाएंगे तथा सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों को सीमित किया जाएगा। विपक्षी दलों ने इसे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरा बताया है। यह विधेयक विपक्ष के बहिष्कार के बीच केवल तीन घंटे में पारित किया गया और अब इसे कानून बनने से पहले राष्ट्रीय विधानसभा (नेशनल असेंबली) में पेश किया जाएगा। प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस का नया पद दिया जाएगा, जिसके तहत वे थलसेना, वायुसेना और नौसेना – तीनों सेनाओं के सर्वोच्च कमांडर बन जाएंगे। इस व्यवस्था के बाद ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का पद समाप्त कर दिया जाएगा।

संशोधन में जनरल मुनीर को उनके कार्यकाल के बाद भी रैंक बनाए रखने और आजीवन कानूनी प्रतिरक्षा (लीगल इम्युनिटी) देने का प्रावधान है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें 'अपना पसंदीदा फील्ड मार्शल' बताया था। संविधान में प्रस्तावित बदलावों के अनुसार, पाकिस्तान का सुप्रीम कोर्ट अब संवैधानिक मामलों की सुनवाई नहीं करेगा। इन मामलों के लिए एक नया फेडरल कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट बनाया जाएगा, जिसके न्यायाधीशों की नियुक्ति सरकार द्वारा की जाएगी। आलोचकों का कहना है कि इससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर गहरा असर पड़ेगा, क्योंकि नए न्यायालय में सरकार के पसंदीदा न्यायाधीश संवेदनशील राजनीतिक मामलों की सुनवाई करेंगे। इसके अतिरिक्त, संशोधन में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को भी आजीवन अभियोजन से छूट प्रदान करने का प्रावधान शामिल है। सरकार की ओर से सूचना मंत्री अत्ताउल्ला तारार ने कहा कि यह संशोधन 'सुशासन, संघीय समन्वय और राष्ट्रीय रक्षा क्षमता को मजबूत करने' के उद्देश्य से लाया गया है, विशेष रूप से भारत के साथ मई में हुई झड़पों के बाद। सरकार का दावा है कि उसके पास संसद के दोनों सदनों में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत मौजूद है और यह संशोधन जल्द ही पारित कर दिया जाएगा।

नेपाल में अंतरिम सरकार के विरोध में ओली की पार्टी का देशव्यापी प्रदर्शन

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में संसद विघटन और अंतरिम सरकार के गठन के खिलाफ पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली पार्टी नेकपा एमाले ने देशव्यापी प्रदर्शन आहूत किया है। इसमें देशभर की सभी 753 स्थानीय इकाइयां शामिल हैं। पार्टी के प्रचार-प्रसार विभाग प्रमुख राजेन्द्र गौतम के अनुसार, देशभर के 6,743 वार्डों में वार्डस्तरीय सभाएं पहले ही हो चुकी हैं। गौतम ने बताया कि आज शक्ति प्रदर्शन में मोटरसाइकिल यात्रा प्रमुख हिस्सा है। स्थानीय इकाइयां अपने केन्द्रों पर आमसभा और जुलूस का आयोजन कर रही हैं। पार्टी ने 15 नवंबर को जिलास्तर पर जनसभा और 22 नवंबर को काठमांडू में विरोध रैली आहूत की है।

नेपाल ने चीन से की कोरला नाका खोलने पर वार्ता, कैलाश मानसरोवर जाना हो सकता है और आसान

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल ने चीन से कोरला नाका मार्ग खोलने के संबंध में वार्ता की है। अगर चीन राजी हो जाता है तो कैलाश मानसरोवर की यात्रा करना और आसान हो सकता है। नेपाल के मुस्तांग जिले के कोरला से यात्रा मार्ग शुरू होने से धार्मिक और पर्यटन क्षेत्र को काफी लाभ हो सकता है। लोकमान्थांग और लोघेकर दामोदरकुण्ड के स्थानीय जनप्रतिनिधियों का एक दल इस प्रस्ताव को लेकर शुक्रवार को चीन के ढोंगवासेन पहुंचा।लोकमान्थांग गांवपालिका अध्यक्ष टी. गुरूंग ने बताया कि गृह मंत्रालय और आव्रजन विभाग के समन्वय में दोनों स्थानीय इकाइयों के 13 जनप्रतिनिधियों ने तिब्बती जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ वार्ता की। गुरूंग ने कहा कि कोरला नाका खुल जाने से कैलाश मानसरोवर और ल्हासा (तिब्बत) की यात्रा करना आसान हो जाएगा। चीन के बौद्ध धर्मावलंबी भी इसी मार्ग से लुम्बिनी की यात्रा कर सकेंगे। कोरला नाका से कैलाश मानसरोवर की दूरी लगभग 300 किलोमीटर और ल्हासा की दूरी लगभग 1000 किलोमीटर है। म्याग्दी उद्योग वाणिज्य संघ के

अध्यक्ष सुविन श्रेष्ठ के अनुसार, कोरला नाका से होकर कैलाश मानसरोवर की यात्रा बहुत ही छोटी, सस्ती और सुविधाजनक होगी। वर्तमान में भारतीय और नेपाली तीर्थयात्री हुम्ला मार्ग से कैलाश मानसरोवर दर्शन के लिए जाते हैं। मौजूदा भारतीय मार्ग से यात्रा करने पर प्रति व्यक्ति दो लाख रुपये से अधिक खर्च करना पड़ता है। कोरला मार्ग से आवागमन शुरू होने पर यह यात्रा बहुत कम लागत में संभव हो सकेगी। कोरला नाका नवंबर 2023 से मुस्तांग वासियों से व्यापार के लिए खोला गया था। पिछले वर्ष आव्रजन कार्यालय भी स्थापित किया गया। इस वर्ष तातोपानी और रसुवा नाका बंद होने के बाद चीन और नेपाल के बीच वस्तु विनिमय अब कोरला नाका के माध्यम से हो रहा है। पोखरा और काठमांडू से हवाई तथा सड़क मार्ग से कोरला नाका तक पहुंचना आसान है।

लेबनान ने गद्दाफी के बेटे को एक दशक की हिरासत के बाद रिहा किया

एजेंसी

बेरूत। लेबनान ने लीबिया के पूर्व तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी के सबसे छोटे बेटे हन्नीबल गद्दाफी को लगभग 10 वर्षों की हिरासत के बाद सोमवार को रिहा कर दिया। मीडिया खबरों के मुताबिक यह रिहाई 9 लाख डॉलर (लगभग 7.6 करोड़ रुपये) के जमानत भुगतान के बाद हुई, जो मूल रूप से निर्धारित 110 लाख डॉलर से काफी कम थी। 49 वर्षीय हन्नीबल गद्दाफी को दिसंबर 2015 में लेबनान पहुंचने पर गिरफ्तार कर लिया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने 1978 में लेबनानी इमाम मुस्तफा अल-हज्जार के अपहरण और हत्या के बारे में जानकारी छिपाई, जो उनके पिता के शासनकाल के दौरान हुई थी। यह घटना लेबनानी आंदोलन 'अमल मिलिशिया' से जुड़ी थी, जिसे उनके पिता का समर्थन था। इस बीच लेबनानी न्यायिक स्रोतों के अनुसार, हन्नीबल की कानूनी टीम ने पिछले महीने अदालत के उस फैसले के खिलाफ अपील की थी, जिसमें उसकी रिहाई के लिए 110 लाख डॉलर की

जमानत तय की गई थी। हालांकि बाद में अदालत ने जमानत राशि घटाकर नौ लाख डॉलर कर दी। इसके बाद ही हन्नीबल की रिहाई की प्रक्रिया पूरी की गई। हन्नीबल के वकील इब्राहिम बयान ने यहां मीडिया को बताया, 'मेरा मुवक्किल निर्दोष है और अब वह स्वतंत्र है। हम न्यायिक प्रक्रिया के अंतिम चरण में हैं।' हन्नीबल गद्दाफी का परिवार लीबिया में 2011 की क्रांति के दौरान उथल-पुथल का शिकार हुआ था, जिसमें उनके पिता मुअम्मर गद्दाफी की हत्या कर दी गई थी। उनके बड़े भाई सईफ अल-इस्लाम गद्दाफी पर भी युद्ध अपराधों के आरोप हैं और वह लीबिया में हिरासत में हैं।

लेबनानी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि हन्नीबल को देश छोड़ने की अनुमति नहीं दी गई है और उनके खिलाफ मुकदमे की सुनवाई जारी रहेगी। लीबियाई अधिकारियों से इस बाबत अभी तक कोई टिप्पणी नहीं मिली है। मुअम्मर गद्दाफी ने 1969 से 2011 तक लीबिया पर एकछत्र राज किया था।

नेपाल में ऊर्जा और सिंचाई क्षेत्र के 16 प्रोजेक्ट 'राष्ट्रीय गौरव परियोजनाओं' की सूची में शामिल

एजेंसी

काठमांड। नेपाल सरकार ने ऊर्जा और सिंचाई क्षेत्र की 16 प्रमुख परियोजनाओं को 'राष्ट्रीय गौरव परियोजना' के रूप में सूचीबद्ध किया है। ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मंत्रालय ने यह सूची उन परियोजनाओं की बनाई है, जो सरकार और निजी क्षेत्र के सहयोग से ऊर्जा विकास, जलविद्युत उत्पादन, प्रसारण और वितरण के क्षेत्र में कार्यान्वित होंगी। सरकार ने लंबे समय से विवादित रही कालीगण्डकी-तिनाउ बहुउद्देश्यीय परियोजना को भी इस सूची में शामिल किया है। साथ ही पहले से ही %राष्ट्रीय गौरव के परियोजनाओं% में शामिल कुछ योजनाएं भी इस सूची में रखी गई हैं। इनमें बबई सिंचाई परियोजना, भेरी-बबई डाइवर्सन, सुनकोशी-मरिन डाइवर्सन, सिक्टा सिंचाई, और महाकाली सिंचाई परियोजना हैं। इसके अलावा रानी जमरा कुलरिया सिंचाई, नौमुरे बहुउद्देश्यीय परियोजना,

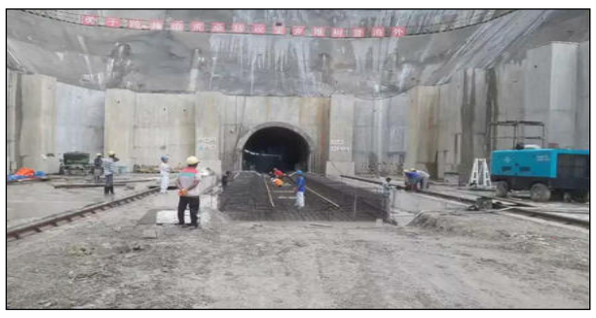

कालीगण्डकी-तिनाउ बहुउद्देश्यीय परियोजना, बागमती सिंचाई, नवीनतम यांत्रिक सिंचाई परियोजना, प्रगन्न और बड्कापथ सिंचाई परियोजना को भी इस सूची में शामिल किया गया है। इसी तरह सुनसरी-मोरङ सिंचाई परियोजना, सिंचाई एवं जलस्रोत प्रबंधन परियोजना, विस्तृत दांग सिंचाई परियोजना, जलस्रोत संरक्षण परियोजना (रुपाताल और धाप बांध) तथा कर्णाली, पश्चिम राप्ती और नारायणी नदी प्रबंधन परियोजनाएं भी राष्ट्रीय गौरव परियोजना की सूची में जोड़ी गई हैं।सूची में शामिल परियोजनाओं के लिए बजट की सुनिश्चितता की जाएगी और उनके कार्यान्वयन में सरकारी सहयोग और प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। इनमें बहुउद्देश्यीय योजनाएं, नदी मोड़ (डाइवर्सन) परियोजनाएं और सिंचाई तंत्र के आधुनिकीकरण से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। साथ ही इस सूची में जलस्रोत प्रबंधन, जलविद्युत उत्पादन, प्रसारण और वितरण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को भी समेटा गया है। ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाई मंत्रालय की सचिव सरिता दवाडी ने कहा कि यह सूची देश के विकास को नई दिशा प्रदान करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सूची में शामिल परियोजनाएं ग्रामीण कृषि विकास, ऊर्जा सुरक्षा, और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

अमेरिका ने पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में कथित ड्रग तस्करी नौकाओं पर फिर किया हमला, छह की मौत

एजेंसी

वाशिंगटन। । अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में दो कथित ड्रग तस्करी नौकाओं पर हमला किया, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। हेगसेथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि सेना ने दो अलग-अलग नौकाओं पर 'नामित आतंकवादी संगठनों द्वारा संचालित' होने के संदेह में घातक हमले किए। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि ये नौकाएं किन संगठनों से जुड़ी थीं। उन्होंने कहा, 'हमारी खुफिया जानकारी के अनुसार ये नौकाएं अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़ी थीं, जिनमें नशीले पदार्थ लदे हुए थे और ये नौकाएं पूर्वी प्रशांत के एक प्रसिद्ध तस्करी मार्ग से गुजर रही थीं।' अमेरिकी सेना अब तक इस अभियान के तहत 19 हवाई हमले कर चुकी है, जिनमें 20 नौकाएं नष्ट की गईं एवं 76 लोगों की मौत हुई है। वाशिंगटन का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य संयुक्त राज्य अमेरिका में ड्रग्स की तस्करी को रोकना है।

इन हमलों में तीन लोग जीवित बचे, जिनमें से दो को अमेरिकी नौसेना ने कुछ समय के लिए हिरासत में लेकर बाद में उनके मूल देशों को लौटा दिया, जबकि तीसरा व्यक्ति लापता है और माना जा रहा है कि वह मेक्सिको की नौसेना की तलाश के बावजूद मारा गया। अमेरिका ने संकेत दिया है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि नशीले पदार्थों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर और कड़ा प्रहार किया जा सके।

माली में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर अफ्रीकी संघ की चिंता, अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की अपील

एजेंसी

बामाको। अफ्रीकी संघ ने माली में लगातार बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए तत्काल अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई और खुफिया जानकारी साझा करने की अपील की है। पश्चिम अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में सक्रिय एक अल-कायदा से जुड़ा जिहादी संगठन पिछले दो महीनों से ईंधन आपूर्ति पर नाकेबंदी लगाए हुए हैं, जिसके कारण स्कूल, अस्पताल और व्यवसाय बंद होने को मजबूर हैं। यह संगठन, जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम), सितंबर से ईंधन टैंकरों पर हमले कर रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि समूह अब माली पर नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश कर सकता है। अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और इटली जैसे देशों ने अपने नागरिकों को माली छोड़ने की

सलाह दी है। अफ्रीकी संघ आयोग के अध्यक्ष महमूद अली यूसुफ ने जारी बयान में कहा, 'माली की तेजी से बिगड़ती सुरक्षा स्थिति बेहद चिंताजनक है। आतंकवादी समूहों ने नाकेबंदी कर दी है, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित की है और नागरिकों के लिए मानवीय संकट को गहरा कर दिया है।÷ उन्होंने साहेल क्षेत्र के प्रभावित देशों के बीच सहयोग और खुफिया जानकारी साझा करने की आवश्यकता पर जोर दिया माली को 2021 में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद अफ्रीकी संघ से निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद माली, नाइजर और बुर्किना फासो की सैन्य सरकारों ने पश्चिम अफ्रीकी संगठन ECOWAS से भी अलगाव कर लिया और रूस के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाया। जेएनआईएम ने इस वर्ष तीनों देशों में सैन्य ठिकानों पर सैकड़ों सैनिकों को मारने का दावा किया है। समूह की मीडिया इकाई ने कहा कि उनके लड़ाकों ने उत्तरी टिंबकटू क्षेत्र के सूम्पी में 48 सैनिकों को मार गिराया और 100 से अधिक को घायल किया। माली की सेना ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इसके अलावा, जेएनआईएम ने तीन मिस्रवासियों का अपहरण किया है। यूसुफ ने उनकी तत्काल रिहाई की मांग की है। अक्टूबर में रिपोर्ट आई थी कि समूह ने संयुक्त अरब अमीरात के दो नागरिकों को 50 मिलियन डॉलर की फिरौती के बाद छोड़ा था। इस बीच, राजधानी बामाको में दो सप्ताह बाद स्कूलों को फिर से खोला गया, जिन्हें ईंधन की कमी के कारण बंद करना पड़ा था।

नेपाल की प्रधानमंत्री कार्की ने दिल्ली में विस्फोट पर गहरा दुख व्यक्त किया

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने भारत की राजधानी नई दिल्ली में सोमवार शाम हुए विस्फोट की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और भारत के प्रति एकजुटता व्यक्त की है। उन्होंने आज सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा –कल शाम हुए दुखद दिल्ली विस्फोट से मैं स्तब्ध और मर्माहत हूँ।प्रधानमंत्री कार्की ने इस घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने भारत के प्रति एकजुटता प्रकट करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में नेपाल भारत के साथ खड़ा है। दिल्ली के लाल

किला के पास स्थित मेट्रो स्टेशन के नजदीक चल रही एक कार में विस्फोट हुआ था। इस धमाके में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई है, जबकि करीब दो दर्जन लोग घायल हुए हैं।

केन्या ने कहा- अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस का प्रस्तावित दौरा रद्द

एजेंसी

नैरोबी। केन्या सरकार ने बताया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने इस महीने के अंत में होने वाले अपने नैरोबी दौरे को रद्द कर दिया है, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में किसी भी अमेरिकी प्रतिनिधि के शामिल होने पर रोक लगा दी है।वेंस की योजना थी कि वे 22-23 नवम्बर को दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होने वाले जी-20 सम्मेलन में भाग लेने के बाद केन्या की यात्रा करेंगे। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की थी कि दक्षिण अफ्रीका में मानवाधिकार हनन के आरोपों – विशेषकर श्वेत अफ्रीकानर अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति – के चलते कोई भी अमेरिकी अधिकारी जी-20 में हिस्सा नहीं लेगा।

दक्षिण अफ्रीका ने इन आरोपों को बार-बार खारिज किया है। ट्रंप के इस निर्णय के परिणामस्वरूप वेंस की केन्या यात्रा भी रद्द कर दी गई है, केन्या के विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा। बयान में यह भी जोड़ा गया कि यह निर्णय अमेरिका और केन्या के बीच लंबे समय से चले आ रहे मजबूत संबंधों को प्रभावित नहीं करेगा। केन्या इस वर्ष के अंत तक अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौते पर पहुंचने की कोशिश कर रहा है। वर्ष 2024 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने केन्या को 'प्रमुख गैर-ना टो सहयोगी' का दर्जा दिया था।

पूर्व में अमेरिकी आतंकी घोषित सीरियाई राष्ट्रपति का व्हाईट हाउस में होगा स्वागत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका द्वारा कभी आतंकवादी घोषित किए गए पूर्व विद्रोही नेता और वर्तमान समय में सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पहली बार यहां मुलाकात करेंगे । किसी भी सीरियाई राष्ट्राध्यक्ष का व्हाइट हाउस का यह पहला दौरा होगा। अल-शारा के सिर पर अमेरिका ने कभी 10 अरब डॉलर का इनाम रखा था।

मीडिया खबरों के मुताबिक मुलाकात के दौरान उम्मीद की जा रही है कि अल-शारा 88 अन्य देशों के साथ गठित उस वैश्विक गठबंधन में शामिल होने पर सहमति दे सकते हैं, जो इस्लामिक स्टेट (आईएस) को हराने के लिए गठित किया गया है। आईएस अभी भी सीरिया में सक्रिय है और क्षेत्रीय खतरा बना हुआ है।

इस बीच अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने कहा, यह मुलाकात सीरिया की स्थिरता और क्षेत्रीय शांति के लिए सहयोग को मजबूत करने का अवसर प्रदान करती है। ट्रंप प्रशासन ने इस कदम को व्यावहारिक कूटनीति का उदाहरण बताया है, जो पश्चिम एशिया में बदलते समीकरणों को दर्शाता है। अल शारा की अमेरिकी राष्ट्रपति के

साथ यह मुलाकात सीरिया को अंतरराष्ट्रीय निवेश और सहायता प्राप्त करने में मदद कर सकती है, जो उसके लिए गृहयुद्ध के बाद की तबाही से उबरने के लिए आवश्यक है। अल-शारा ने पिछले साल दिसंबर में एक विद्रोही गठबंधन का नेतृत्व कर बशर अल-असद की सरकार को उखाड़ फेंका था, जिससे असद परिवार के 50 वर्ष से अधिक के 'क्रूर' शासन का अंत हो गया था। अब वह खुद को एक राजनेता के तौर पर पेश करते हुए सीरिया के पुनर्निर्माण में जुटे हुए हैं। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, सीरिया के पुनर्निर्माण की लागत लगभग 216 अरब डॉलर आंकी गई है। अमेरिका पहुंचने से पहले अल-शारा ने खाड़ी देशों का दौरा कर अंतरराष्ट्रीय निवेश जुटाया है। सितंबर में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा को लगभग साठ सालों के लंबे अंतराल के बाद संबोधित करने वाले वह सीरिया के पहले राष्ट्रपति बने हैं। अक्टूबर में वह रूस में मॉस्को जाकर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिल चुके हैं , जहां तेल क्षेत्रों के विकास और ऊर्जा, परिवहन तथा पर्यटन परियोजनाओं पर चर्चा हुई। इससे पहले रूस ने असद का समर्थन किया था। समझा जाता है कि यदि यह वार्ता सफल रही, तो आईएस जैसे आतंकी संगठनों का प्रभावी तौर पर खात्मा किया जा सकेगा, साथ ही सीरिया की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में भी इससे सहायता मिलेगी। संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ ने इस मुलाकात का स्वागत किया है, लेकिन मानवाधिकार संगठनों ने अल-शारा के युद्ध अपराधों की जांच की मांग की है।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/11/2025 11:43 PM Page 2

खाद्य उत्पादन पर शहरीकरण के प्रभाव

शहरीकरण शहरी आबादी में वृद्धि और उनके आहार और मांगों में बदलाव से कृषि उत्पादों की मांग में बड़े बदलाव लाता है। इसने मांगों को पूरा करने के तरीके और किसानों, कंपनियों, निगमों और स्थानीय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं में बड़े बदलाव लाए हैं और लाना जारी रखा है। यह शहरी और ग्रामीण खाद्य सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौतियां भी ला सकता है। इसे विकासशील देशों के लिए सामान्य रूप से विचार करना भ्रामक है। प्रत्येक देश के लिए बदलावों की भविष्यवाणी करना कठिन है, बड़े हिस्से में इस वजह से कि भविष्य में शहरी आबादी कितनी और कहां बढ़ेगी, इसकी अनिश्चितताएं हैं।

आमतौर पर यह माना जाता है कि यादातर विकासशील देश शहरीकरण जारी रखेंगे लेकिन कई निम्न-आय वाले देशों में वर्तमान में वैश्विक अर्थव्यवस्था के भीतर तुलनात्मक लाभ के किसी भी क्षेत्र का अभाव है और इसलिए शहरीकरण को सहारा देने के लिए जरूरी समृद्धि के आधार का भी अभाव है। अक्सर यह माना जाता है कि बढ़ती संख्या में मेगासिटीज (10 मिलियन से अधिक निवासियों वाले शहर) की सेवा करने में विशेष रूप से गंभीर समस्याएं हैं।

राष्ट्रों की आर्थिक सफलता के संदर्भ में स्पेक्ट्रम के दो अलग-अलग छोरों पर संभावित परिवर्तनों पर विचार करना उचित है। यह उम्मीद की जाएगी कि सफल अर्थव्यवस्थाओं और तेजी से शहरीकरण वाले देशों में, मांस, डेयरी उत्पादों, वनस्पति तेलों और लक्जरी खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ेगी, और इसका मतलब है कि अधिक ऊर्जा-गहन उत्पादन और, कई देशों के लिए, अधिक आयात। शहरीकरण अधिक संसाधित और पहले से तैयार खाद्य पदार्थों की ओर आहार परिवर्तनों से भी जुड़ा हुआ है, जो आंशिक रूप से लंबे समय तक काम करने की प्रतिक्रिया में और शहरी आबादी के एक हिस्से के लिए, कम शारीरिक गतिविधि के साथ है। बेशक, खाद्य मांग इस बात से भी प्रभावित होगी कि यह आर्थिक विकास आय के वितरण को कैसे बदलता है।

यह बढ़ते शहरी केंद्रों के आसपास या उनके नज़दीक कृषि को कैसे प्रभावित करेगा, यह भी अलग-अलग होगा; यह उम्मीद की जाएगी कि खाद्य बिक्री में सुपरमार्केट (और बहुराष्ट्रीय निगमों) की बढ़ती भूमिका खाद्य श्रृंखला के सभी पहलुओं में बदलाव लाएगी। इसमें बड़े (और अक्सर गैर-स्थानीय) कृषि उत्पादकों का पक्ष लेना और भोजन के वितरण और विपणन में बड़े बदलाव शामिल होंगे। इसका मतलब खाद्य प्रणाली के भीतर रोजगार में बदलाव भी है, जिसमें कृषि में कम लोग काम करते हैं और परिवहन, थोक बिक्री, खुदरा बिक्री, खाद्य प्रसंस्करण और वेंडिंग में अधिक काम करते हैं।

मध्यम आय और कुछ निम्न आय वाले देशों में बिजली वाले शहरी घरों का उच्च अनुपात का मतलब यह भी है कि बहुत अधिक घरों में रेफ्रिजरेशन है और यह खाद्य मांग में बदलाव का समर्थन करता है। कई निम्न और मध्यम आय वाले देशों में शहरी खाद्य मांग का बढ़ता हिस्सा आयातित भोजन और पिछले कुछ दशकों में उच्च आय वाले देशों में कृषि में स्पष्ट बदलावों से पूरा होने की संभावना है, जो अधिक पूंजी- और ऊर्जा-गहन और कम श्रम-गहन खेती की ओर हैं। लेकिन उच्च आय वाले शहरी निवासियों या पर्यटकों की बढ़ती मांग भी उच्च मूल्य वाली खाद्य फसलों की एक श्रृंखला के विकास का समर्थन कर सकती है जो कई स्थानीय खेतों (और छोटे किसानों) के लिए अधिक गुंजाइश प्रदान करती हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था के भीतर मूल्यवान गुणक लिंक हो सकती हैं। इसमें शहरी और पेरी-शहरी कृषि के लिए अधिक गुंजाइश शामिल है। यह पूर्वानुमान लगाना कठिन है कि इसमें क्या परिवर्तन होगा - उदाहरण के लिए, यदि तेल और प्राकृतिक गैस की कीमत में निरंतर वृद्धि होती है, तो इससे स्थानीय कृषि उत्पादकों को स्थानीय मांगों को पूरा करने में कुछ लाभ हो सकता है, क्योंकि उनका उत्पादन और बाजार तक परिवहन कम कार्बन-गहन होगा, या इससे स्थानीय उत्पादकों को नुकसान होगा, जो विदेशी बाजारों में अपनी सेवाएं दे रहे थे (उदाहरण के लिए, उच्च मूल्य वाली फसलें, जिन्हें हवाई मार्ग से निर्यात किया जाता है)।

स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर, समृद्ध अर्थव्यवस्थाओं से रहित राष्ट्रों या उप-राष्ट्रीय क्षेत्रों में बहुत बड़ी शहरी आबादी है जहां कृषि उत्पादों की मांग में बहुत कम बदलाव होने की संभावना है। ऐसे कई राष्ट्र हैं जहां अधिकांश शहरी आबादी के पास अभी भी बिजली नहीं है और जहां खाद्य खुदरा बिक्री में होने वाले मुनाफे बड़े निगमों को आकर्षित करने के लिए बहुत कम हैं। अफ्रीका में, बहुराष्ट्रीय श्रृंखलाएं अभी तक गरीब शहरी इलाकों तक नहीं पहुंच पाई हैं और गरीब देशों में उनकी उपस्थिति बहुत कम है। इसके अलावा, समृद्ध और असमृद्ध दोनों निम्न और मध्यम आय वाले देशों में शहरी आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा इतनी कम आय रखता है कि वे अपनी बुनियादी पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष करते हैं।

क्या ग्रामीण आबादी विकास में शहरी पूर्वाग्रह से ग्रस्त है?

शहरी क्षेत्रों में आर्थिक अवसरों के संकेन्द्रण को देखते हुए, यह उम्मीद की जा सकती है कि शहरी आबादी में ग्रामीण आबादी की तुलना में जीवन स्तर, पोषण और सेवा प्रावधान का स्तर बेहतर होगा। विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में शक्तिशाली आर्थिक हितों और धनी समूहों के संकेन्द्रण से उनके पक्ष में पूर्वाग्रह पैदा होने की उम्मीद की जा सकती है। लेकिन इसे शहरी पूर्वाग्रह कहना भ्रामक होगा, यदि यह शहरी आबादी के केवल एक हिस्से के पक्ष में है।

निम्न और मध्यम आय वाले देशों में शहरी गरीबी का पैमाना और गहराई शायद ही यह सुझाव देती है कि शहरी पूर्वाग्रह से सभी को लाभ होता है। शहरों में एक तिहाई से लेकर आधी आबादी का अवैध बस्तियों में रहना आम बात है, जहाँ पानी, सफाई, स्वास्थ्य सेवा और स्कूलों के लिए पर्याप्त प्रावधान नहीं हैं। उनके घर और आजीविका बेदखली के खतरे में हैं - और हर साल लाखों शहरी निवासियों को उनके घरों से बेदखल किया जाता है, ज्यादातर बिना किसी मुआवजे या बहुत अपर्याप्त मुआवजे के। चीन में शहरी गरीबी का बड़ा और बढ़ता हुआ पैमाना इस बात की याद दिलाता है कि 25 वर्षों में बहुत तेज़ आर्थिक विकास कैसे अपने आप कम शहरी गरीबी में तब्दील नहीं होता। भारत के कुछ सबसे समृद्ध शहरों के लिए भी यही सच है। इसके अलावा, शहरी गरीबी के पैमाने और गहराई को आमतौर पर आधिकारिक आंकड़ों द्वारा कम करके आंका जाता है क्योंकि गरीबी रेखाएँ निर्धारित करते समय कम आय वाले शहरी निवासियों को गैर-खाद्य आवश्यकताओं, जैसे कि किराया, पानी, शौचालयों तक पहुँच, स्वास्थ्य सेवा, ईंधन और बच्चों को स्कूल में रखने के लिए होने वाले खर्चों के लिए अपर्याप्त बता दिया जाता है ।

खाद्य उत्पादन पर शहरीकरण के प्रभाव

(क) शहरीकरण और कृषि भूमि का नुकसान

शहरी विस्तार अनिवार्य रूप से कुछ कृषि भूमि को कवर करता है, जबकि शहरों के आसपास भूमि मूल्यों और भूमि बाजारों में बदलाव के कारण अक्सर भूमि खाली रह जाती है क्योंकि मालिक यह अनुमान लगाते हैं कि इसे बेचने या गैर-कृषि उपयोगों के लिए इसका उपयोग करने से उन्हें लाभ होगा।

निम्न और मध्यम आय वाले देशों के अधिकांश शहरी क्षेत्रों में भूमि उपयोग परिवर्तनों को निर्देशित करने के लिए किसी भी भूमि उपयोग योजना या रणनीतिक योजना ढांचे की अनुपस्थिति का मतलब है कि शहरी क्षेत्र बेतरतीब ढंग से विस्तार करते हैं। यह विस्तार इससे निर्धारित होता है कि अलग-अलग घर, उद्यम और सार्वजनिक क्षेत्र की गतिविधियाँ कहाँ स्थित हैं और निर्माण करती हैं, कानूनी या अवैध रूप से। यादातर मामलों में, कृषि से गैर-कृषि उपयोगों के लिए भूमि उपयोग रूपांतरणों पर बहुत कम प्रभावी नियंत्रण है। ऐसे नियमन हो सकते हैं जो इसे सीमित करने के लिए हैं लेकिन इनसे अक्सर राजनेता और रियल एस्टेट हितधारक बचते हैं। इनमें निम्न आय वर्ग के लोगों को सबसे खराब स्थिति वाले और सबसे खतरनाक स्थलों पर अवैध रूप से बसाया जाना और उच्च तथा निम्न घनत्व वाले भूमि उपयोगों का मिश्रण शामिल है, जिनके लिए बुनियादी ढांचे और सेवाएं प्रदान करना महंगा और कठिन है।

शहरी केंद्र अक्सर अपने देश की सबसे अधिक उत्पादक कृषि भूमि पर फैलते हैं क्योंकि अधिकांश शहरी केंद्र अत्यधिक उपजाऊ मिट्टी के कारण वहां विकसित हुए हैं। आज दुनिया के अधिकांश प्रमुख शहर कई सौ वर्षों से महत्वपूर्ण शहर रहे हैं, इसलिए वे मोटर चालित परिवहन के विकास से पहले महत्वपूर्ण शहर बन गए, जिसने भोजन और अन्य कृषि उत्पादों के लिए शहरों की अपने परिवेश पर निर्भरता कम कर दी। बेशक, समृद्ध शहरों के लिए, कृषि वस्तुओं की मांग लंबे समय से उनके परिवेश में उत्पादित होने वाली चीजों से कहीं आगे निकल गई है। वे बड़ी और जटिल वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर करते हैं और उनके बड़े पारिस्थितिक पदचिह्न हैं, जो भोजन, ईंधन और कार्बन सिंक के लिए दूरस्थ अन्यत्र से आते हैं।

हालांकि, शहरी क्षेत्रों के स्थानिक विस्तार में कृषि भूमि के नुकसान को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है; एक हालिया अध्ययन ने सुझाव दिया है कि दुनिया के क्षेत्रों में केवल पश्चिमी यूरोप का ही 1 प्रतिशत से अधिक भूमि क्षेत्र शहरी है। इसके अलावा, किसी शहर के आसपास कृषि के लिए इस्तेमाल की जाने वाली भूमि के घटते अनुपात के साथ-साथ कृषि में बची हुई भूमि पर अधिक गहन उत्पादन हो सकता है या कृषि के रूप में वर्गीकृत नहीं की गई भूमि पर गहन शहरी कृषि हो सकती है। अधिकांश स्थानों पर, सरकारें शहरी विस्तार के लिए कृषि भूमि के नुकसान को प्रतिबंधित कर सकती हैं और उन्हें ऐसा करना भी चाहिए। लेकिन इससे गंभीर सामाजिक परिणाम भी हो सकते हैं यदि इससे जमीन और घर की कीमतें बढ़ जाती हैं और उन परिवारों का अनुपात और भी कम हो जाता है। दुनिया की स्थलीय सतह का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा खेती योग्य भूमि द्वारा कब्जा किया हुआ है। यदि शहरी विकास इस क्षेत्र में होता है, तो कृषि योग्य भूमि की उपलब्धता कम होने की अधिक संभावना है।

बेशक, शहरी भूमि उपयोग का विस्तार केवल शहरीकरण का परिणाम नहीं है, बल्कि (अधिकांश शहरों में) प्राकृतिक वृद्धि और शहरी घनत्व में गिरावट का भी परिणाम है। चूँकि शहरीकरण में कम ग्रामीण लोगों के साथ-साथ अधिक शहरी लोग भी शामिल होते हैं, इसलिए यह ग्रामीण भवनों को कम कर सकता है और इस प्रकार, आंशिक रूप से, खेती की भूमि पर शहरीकरण के विस्तार के प्रभावों का प्रतिकार कर सकता है।

(ख) क्या शहरीकरण के परिणामस्वरूप भूमि-प्रधान आहार में वृद्धि हुई है?

आहार में बदलाव से कृषि प्रणालियों पर दबाव बढ़ सकता है, मांस की खपत में वृद्धि इसका सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आहार अलग-अलग होते हैं, और प्रति व्यक्ति मांस की खपत शहरी क्षेत्रों में अधिक होती है। लेकिन शहरीकरण और खाद्य कीमतों के बीच संबंधों की समीक्षा से पता चलता है कि यह शहरीकरण या शहरी जीवन का नहीं बल्कि उच्च शहरी आय का परिणाम हो सकता है, क्योंकि उच्च आय वाले ग्रामीण निवासियों में मांस की खपत या विलासिता की वस्तुओं की बढ़ी हुई मात्रा उच्च आय वाले शहरी निवासियों के समान ही होती है। उदाहरण के लिए, श्रीलंका में, देश के विभिन्न हिस्सों में प्रति परिवार मांस पर खर्च में काफी विविधता है, लेकिन मध्य ग्रामीण और मध्य शहरी परिवारों के बीच का अंतर मोटे तौर पर उस चीज़ के अनुरूप है जिसकी औसत आय में अंतर को देखते हुए उम्मीद की जा सकती है। वियतनाम में, 1993 से 2004 के डेटा से पता चलता है कि देश के सभी हिस्सों में तेजी से आय वृद्धि और विलासिता के खाद्य पदार्थों की खपत में

वृद्धि हुई है।

(ग) शहरी कृषि

करोड़ों शहरी निवासी अपने भोजन की खपत या आय के लिए शहरी कृषि पर निर्भर हैं क्योंकि वे उच्च मूल्य वाली फसलें या गैर-खाद्य फसलें बेचते हैं या बिक्री के लिए पशुधन पालते हैं। 1990 के दशक के दौरान पूर्वी अफ्रीका के शहरी केंद्रों में किए गए कई अध्ययनों से पता चला है कि 17-36% आबादी फसलें उगाती है और/या पशुधन रखती है। इन अध्ययनों से शहरी किसानों के बीच विविधता भी पता चली- उदाहरण के लिए, दार एस सलाम में, इनमें पेशेवर, शिक्षक, सरकारी अधिकारी, शहरी योजनाकार, छात्र, आकस्मिक मजदूर, बेरोजगार और अंशकालिक कर्मचारी शामिल थे। अधिकांश निम्न-आय वाले देशों में खाद्य और पोषण सुरक्षा में शहरी और अर्ध-शहरी कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका है।

(घ) क्या शहरीकरण का अर्थ भूख और कुपोषण में कमी है?

हालाँकि शहरीकरण आम तौर पर आर्थिक विकास से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सभी देशों में भूख से जूझ रहे शहरी निवासियों की संख्या में कमी आई है। उप-सहारा अफ्रीका के 10 देशों के एक अध्ययन से पता चला है कि ऊर्जा की कमी वाली शहरी आबादी का अनुपात एक देश को छोड़कर सभी में 40 प्रतिशत से अधिक था और तीन में 60 प्रतिशत से अधिक था। 18 निम्न-आय वाले देशों में से 12 में, शहरी क्षेत्रों में खाद्य-ऊर्जा की कमी ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में समान या अधिक थी, भले ही शहरी क्षेत्रों में औसत आय अधिक है।

2007 और 2008 की शुरुआत में खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेज़ी से हुई बढ़ोतरी ने शहरी गरीबों की बढ़ती कीमतों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाया। हालाँकि 2008 के मध्य से कीमतों में कुछ गिरावट आई, लेकिन ज़्यादातर विश्लेषकों का मानना है कि ऊर्जा और खाद्य, चारा और ईंधन के लिए अनाज की लगातार बढ़ती मांग के साथ-साथ संरचनात्मक भूमि और पानी की कमी और जलवायु परिवर्तन के संभावित खाद्य उत्पादन प्रभावों के कारण कीमतें 2000 के दशक की शुरुआत के स्तर पर वापस नहीं आएंगी।

शहरी खाद्य सुरक्षा इस बात पर निर्भर करती है कि परिवार अन्य ज़रूरतों के लिए खाद्य पदार्थों का खर्च वहन करने में सक्षम हैं जिन्हें खरीदना पड़ता है - हालाँकि जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, शहरी कृषि का योगदान कई परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है। विभिन्न अध्ययनों ने शहरी क्षेत्रों में कम आय वाले परिवारों के बीच खाद्य असुरक्षा की सीमा और कई तरह के उपायों को दिखाया है, जिनमें वे उपाय भी शामिल हैं जो लंबे समय में स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति से समझौता करते हैं। हालाँकि, कई लैटिन अमेरिकी और कुछ एशियाई और अफ्रीकी राष्ट्र जिनकी अब मुख्य रूप से शहरीकृत आबादी है, शिशु और बाल मृत्यु दर में गिरावट और औसत जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के दीर्घकालिक रुझानों को बनाए रखने में कामयाब रहे हैं, और इसका मतलब पोषण के स्तर में सुधार भी है। कुछ देशों में, कम आय वाले परिवारों (जैसे ब्राज़ील में बोल्सा फ़मिलिया) के लिए नियमित रूप से छोटी नकद राशि का प्रावधान या सब्सिडी वाले मूल्यों पर कुछ मुख्य खाद्य पदार्थों का प्रावधान भूख और कुपोषण को कम कर दिया है - हालाँकि प्रभावशीलता और उन लोगों के लिए संभावनाओं में काफी अंतर है जिन्हें वास्तव में इस अधिकार की आवश्यकता है।

5. शहरी परिवर्तन, खाद्य मांग और ग्रामीण-शहरी संबंध

आश्चर्य की बात यह है कि कृषि के लिए शहरीकरण के संभावित नकारात्मक परिणामों पर अक्सर इसके सकारात्मक परिणामों से ज़्यादा ज़ोर दिया जाता है।

चूँकि शहरीकरण आम तौर पर गैर-खाद्य उत्पादकों और उनकी औसत आय में वृद्धि का परिणाम है, इसलिए यह अक्सर कृषि उत्पादों और उच्च मूल्य वाले उत्पादों की बढ़ती माँग प्रदान करता है जो किसानों को लाभ पहुँचाते हैं।

शहरीकरण किस प्रकार खाद्य मांग और आपूर्ति को प्रभावित कर सकता है, इस पर चर्चा करते समय ग्रामीण और शहरी लोगों और उद्यमों के बीच संबंधों की जटिलता को ध्यान में रखना होगा, और शहरी मांग में परिवर्तनों के अनुकूल खाद्य उत्पादकों की क्षमता को पहचानना होगा।

परिवारों के एक बड़े अनुपात की आय और आजीविका में ग्रामीण और शहरी घटक होते हैं- इसलिए उन्हें बहुस्थानीय के रूप में बेहतर ढंग से समझा जा सकता है, क्योंकि व्यक्तिगत सदस्य संसाधनों और संपत्तियों को साझा करते हुए विभिन्न स्थानों पर विभिन्न गतिविधियों में संलग्न होते हैं। गैर-कृषि गतिविधियों और प्रेषण से आय कई स्थानों पर ग्रामीण गरीबी को कम करने के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है।

सर्दी के मौसम में दुधारू पशुओं की देखभाल

नवजात एवं बढ़ते बछड़े-बछबड़ियों को सर्दी व शीट लहर से बचाव की विशेष आवश्यकता होती है। इन्हें रात के समय बंद कमरे या चरों ओर से बंद शेड के अंदर रखना चाहिए पर प्रवेश द्वारा का पर्दा/दरवाजा हल्का खुला रखें जिससे कि हवा आ जा सके। तिरपाल, पौलिथिन शीट या खस की टाट/पर्दा का प्रयोग करके पशुओं को तेज हवा से बचाया जा सकता है।

उत्तरी क्षेत्र में वर्ष के चार महीने नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी और फरवरी का समय शरद ऋतु माना जाता है। डेरी व्यवसाय के लिए यह सुनहरा काल होता है क्योंकि अधिकतर गायें एवं भैसें इन्हीं महीनों में व्याती हैं। जो गाय व भैसें अक्तूबर या नवम्बर में ब्याती है, उनके लिए समय अधिकतम दूध उत्पादन का होता है। यह काल दुधारू पशुओं, विशेषकर भैसों, के प्रजनन के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि अमूमन भैंस इसी मौसम में गाभिन होती है। कड़ी सर्दी के कारण इन दिनों में विभिन्न रोगों से ग्रसित होकर नवजात बच्चों की मृत्युदर भी अधिक हो जाती है। इसलिए दुधारू पशुओं से अधिक उत्पादन व अच्छे प्रजनन क्षमता बनाये रखने के लिए सर्दी के मौसम में पशुओं के रख-रखाव के कुछ विशेष उपाय किये जाने को आवश्यकता होती है, जिनका उल्लेख इस लेख में किया गया है।

आहार एवं जल प्रबन्धन

अधिक सर्दी के मौसम में, सर्दी के प्रभाव से बचने हेतु दुहारू पशुओं की उर्जा की आवश्यकता बढ़ जाती है। इसे पूरा करने के लिए दुधारू पशुओं को प्रतिदिन 1 किलोग्राम दाना मिश्रण प्रति पशु, उनकी अन्य पोषण आवश्यक्ता के अतिरिक्त खिलाना चाहिए, जिससे दुधारू पशुओं का दुग्ध उत्पादन बना रहता है।

दुधारू व गाभिन पशुओं को अच्छी गुणवत्ता के हरे चारे जैसे बरसीम व जई की भरपेट उपलब्धता के साथ-साथ सुखा चारा जैसे गेंहूँ की तुड़ी (कम से कम 2-3 किलोग्राम प्रति पशु प्रतिदिन) भी अवश्य खिलाएं इससे इस मौसम में पशु में अधिक उर्जा बनी रहती है। खनिज-मिश्रण में फास्फोरस की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को गीला चारा बिलकुल न दें, अन्यथा अफरा होने की संभावना बढ़ जाती है। जाड़े के दिनों में पशु को हरा चारा जरुर खिलाएं और कम लागत में अधिक दूध पाएं।

अत्यधिक दूध देने वाली गायों व भैसों के राशन में फु-फेंट सोयाबीन या बिनौले का इस्तेमाल करके राशन की ऊष्मा सघनता को बढ़ाया जा सकता है, जिससे इन पशुओं का दुग्ध उत्पादन बना रहता है।इन दोनों पशुओं के पीने का पानी अक्सर अधिक ठंडा होता है, जिसे पशु कम मात्रा में पीते हैं। इसलिए यह ध्यान रखा जाए कि पानी का तापमान बहुत कम न हो। सामान्यत: पशु 15-20 सेंटीग्रेड पानी के तापमान को अधिक पसंद करते हैं। कोशिश करें कि पशुओं के लिए ताजे पानी की व्यवस्था हो एवं ओवरहेड टैंक के ठन्डे पानी को पशुओं को न पिलाएं।

वातावरण में धुंध व बारिश के कारण अक्सर पशुओं के बाड़ों के फर्श गीले रहते हैं जिससे पशु ठन्डे में बैठने से कतराते हैं। अत: इस मौसम में अच्छी गुणवत्ता का बिछावन तैयार करें, जिससे कि उनका बिछावन 6 इंच मोटा हो जाए। इस बिछावन को प्रतिदिन बदलने की भी आवश्यकता होती है। रेत या मेट्ट्रेस्स का बिछावन पशुओं के लिए सर्वोत्तम माना गया है क्योंकि इसमें पशु दिनभर में 12-14 घंटे से अधिक आराम करते हैं, जिससे पशुओं की उर्जा क्षय कम होती है।

ठण्ड में पैदा वाले बछड़े-बछबड़ियों के शरीर को बोरी, पुआल आदि से रगड़ कर साफ करें, जिससे उनके शरीर को गर्मी मिलती रहें और रक्तसंचार भी बढ़े। ठण्ड में बछड़े-बछबड़ियों का विशेष ध्यान रखे, जिससे कि उनकी सफेद दस्त, निमोनिया आदि रोगों से बचाया जा सके। याद रहे, कि पशुघर के चारों तरफ से ढक का रखने से अधिक नमी बनती है, जिससे रोग जनक कीटाणु के बढ़ने की संभावना होती है। ध्यान रहे, कि छोटे बच्चों के बाड़ों के अदंर का तापमान 7-80 सेंटीग्रेड से कम न हो। यदि आवश्यक समझें, तो रात के समय इन शेडों में हीटर का प्रयोग भी किया जा सकता है। बछड़े-बछबड़ियों को दिन के समय बाहर धुप में रखना चाहिए तथा कुछ समय के लिए उन्हें खुला छोड़ दें, ताकि वे दौड़-भाग कर स्फूर्तिवान हो जाएँ। अधिकतर पशु पालक सर्दियों में रात के समय अपने पशुओं को बंद कमरे में बांध का रखते हैं और सभी दरवाजे खिड़कियों बढ़ कर देते हैं, जिससे कमरे के अंदर का तापमान काफी बढ़ जाता है उअर कई दूषित गैसें भी इकट्ठी हो जाती है,जो पशु के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। अत: ध्यान रखें कि दरवाजे-खिड़कियाँ पूर्णतय: बंद न हो। अत्यधिक ठण्ड में पशुओं को नहलाएं नहीं, केवल उनकी ब्रुश से सफाई करे, जिससे की पशुओं के शरीर से गोबर, मिट्टी आदि साफ हो जाएं। सर्दियों के मौसम में पशुओं व छोटे बछड़े-बछबड़ियों को दिन में धुप के समय हो ताजे/गुनगुने पानी से ही नहलाएं। अधिक सर्दी के दिनों में दुधारू पशुओं के दूध निकालने से पहले केवल पशु के पिछवाड़े, अयन व थनों को अच्छी प्रकार ताजे पानी से धोएं। ठंडे पानी से थनों को ढोने से दूध उतरना/लेट-डाउन अच्छी प्रकार से नहीं होता और दूध दोहन पूर्ण रूप से नहीं हो पाता। इस मौसम में अधिकतर दुधारू पशुओं के थनों में दरारें पड़ जाती है, ऐसा होने पर दूध निकालने के बाद पशुओं के थनों पर कोई चिकानी युक्त/एंटीसेप्टिक क्रीम अवश्य लगायें अन्यथा थनैला रोग होने का खतरा बढ़ जाता है। दूध दुहने के तुरंत बाद पशु का थनछिद्र खुला रहता है जो थनैला रोग का कारक बन सकता है, इसलिए पशु को खाने के लिए कुछ दे देना चाहिए जिससे कि वह लगभग आधे घंटे तक बैठे नहीं, ताकि उनका थनछिद्र बंद हो जाए। बरसीम रबी मौसम में दलहनी चारा प्राप्त करने के लिए यह सबसे उपयुक्त फसल है। बरसीम दलहनी फसल होने के कारण मृदा की उर्वरता में वृद्धि करती है तथा इसका चारा अत्यन्त पौष्टिक, मुलायम, सुपाच्य तथा पशुओं को स्वाद में अच्छा लगने वाला होता है। अतः इसे दुधारू पशुओं को खिलाने से दूध में वृद्धि तथा शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति अच्छे परिणाम मिलते हैं। इन्हीं गुणों के कारण शहर के निकटस्थ क्षेत्रों में बरसीम की खेती से अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है तथा इसका प्रयोग हरी खाद के रूप में करना भी लाभदायक होता है, ठण्डे मौसम में लगातार हरा चारा प्राप्त करने के लिए यह सबसे उपयुक्त फसल है।रसायनिक संगठन की दृष्टि से बरसीम में 20त्न प्रोटीन, 28-30त्न रेशा तथा शारीरिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अन्य खनिज लवण जैसे कैल्सियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, सोडियम तथा पोटेशियम आदि पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं। बरसीम शीतोष्ण जलवायु वाले भागों में उगाई जाने वाली चारा फसल है। अधिक ठण्ड व पाले में उत्पादन में कमी हो जाती है। बुवाई के समय 25-30 डिग्री सेंटीग्रेड तथा वानस्पतिक वृद्धि के लिये 15-25 डिग्री

सेंटीग्रेड तापमान उपयुक्त होता है। तापमान 40 डिग्री सें.ग्रे. से अधिक होने पर पौधों की कटाई के बाद दुबारा वृद्धि नहीं होती परन्तु फसल से यदि बीज का उत्पादन लेना होता है तो फसल पकने के समय कुछ अधिक तापक्रम की आवश्यकता होती है। बरसीम एक दलहनी फसल है अतः इसकी जड़ों में सूक्ष्म जीवाणु पाए जाते हैं प्रत्येक अवस्था में इन जड़ ग्रन्थियों में रह रहे जीवाणुओं का क्रियाशील रहना फसल की अच्छी वृद्धि के लिए अत्यन्त आवश्यक है। अतः बरसीम की खेती के लिए भूमि में उचित जल निकास का प्रबन्ध तथा अच्छा मृदा वायु संचार होना चाहिए। इसकी खेती सभी प्रकार की भूमियों में सफलतापूर्वक की जा सकती है। परन्तु भारी दोमट मिट्टी वाली भूमि जिसमें कि जल धारण क्षमता अधिक होती है, में अच्छी उपज प्राप्त होती है। बरसीम की खेती सामान्य से क्षारीय प्रकृति की भूमि में अच्छी प्रकार से उगाई जाती है किन्तु अम्लीय भूमि इसकी खेती के लिये अनुकूल नहीं है। पानी भरे खेत में पटेला चलाकर पानी गंदला करने के पश्चात छिटकवां विधि से बुवाई की जाती है। इस विधि में खेत की तैयारी धान में पौध रोपण करने की भाँति की जाती है। गंदले पानी में बुवाई करने से मिट्टी की एक हल्की पर्त बीजों के ऊपर के ऊपर चढ़ जाते है जिससे वे ढंक जाते हैं तथा उन्हें चिडिया या दूसरे पक्षी नहीं खा पाते तथा पर्याप्त नमी होने के कारण बीज का अंकुरण व जमाव बहुत अच्छा होता है। इस विधि में अच्छी प्रकार की भुरभुरी मिट्टी तैयार कर समतल किये गये खेत में पहले ही सिंचाई की क्यारियां बनाकर बुवाई छिटकवां विधि द्वारा या लाइन में देशी हल की सहायता से की जाती है। लाइन की बुवाई करने पर लाइन से लाइन की दूरी 15-20 सेमी. रखनी चाहिये तथा बीज की गहराई 15-20 सेमी. से ज्यादा गहरी नहीं होनी चाहिये तथा अंकुरण हेतु पर्याप्त नमी बनाये रखने के लिये बुवाई के तुरन्त बाद खेत में पानी लगा दिया जाता है। द्विगुणित किस्मों की बीजदर 25 किग्रा./हे. तथा चतुर्गुणित किस्मों का बीज आकार में बड़ा होने के कारण 30-40 किग्रा./हे. होती है।

बीज का उपचार दलहनी फसल होने के कारण राइजोबियम कल्चर से होना अति आवश्यक है। बरसीम में राइजोबियम ट्राईफोली नामक बैक्टीरिया का कल्चर प्रयोग में लाया जाता है जिसके प्रयोग से पौधों में अच्छी प्रकार से जड़ गाँठ का निर्माण होता है। जड़ की गाँठो में उपस्थित बैक्टीरिया वायुमण्डल से नाइट्रोजन प्राप्त करते हैं कल्चर प्रयोग हेतु सर्वप्रथम 100 ग्राम गुड़ को 1 लीटर पानी में उबालकर, ठण्डा कर लेते हैं, तत्पश्चात इसमें राइजोबियम कल्चर को घोल लेते हैं तथा बीज के बराबर मात्रा में भुरभुरी मिट्टी लेकर धीरे-धीरे छिड़ककर इस प्रकार मिलाते हैं कि मिट्टी ढेले ना बने ।

तैयार संवर्धित घोल इस प्रकार से तैयार की गई कल्चर युक्त मिट्टी को 24 घण्टे भिगोये गये बीज के साथ मिलाकर बुवाई हेतु प्रयोग कर लेते हैं। ध्यान रखने योग्य बात यह है कि कल्चर बीज को 24 घण्टे से अधिक नहीं रखना चाहिये अन्यथा बैक्टीरिया नष्ट होने लगते हैं। बरसीम दलहनी फसल होने के कारण इसकी जड़ों में राइजोबियम बैक्टीरिया होते हैं जो स्वयं वायुमण्डल से नत्रजन फिक्स करते है। अतः फसल को बाहर से कम नाइट्रोजन देने की आवश्यकता पड़ती है